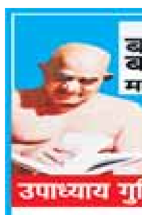

वक्त सबको मिलता है जिंदगी बदलने के लिए, लेकिन जिंदगी दोबारा नहीं मिलती वक्त बदलने के लिए।

दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबह वाणी

कठिनाईयां आपको निराश और हताश करने के लिए नहीं आतीं, वो तो आती हैं कि आपकी सोई हुई क्षमता को जगा सकें।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, सोमवार, 30 जून, 2025 | अषाढ़ शुक्ल पक्ष: पंचमी विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 179 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

न्यूज़ ब्रीफ

हरियाणा के राजकीय स्कूलों में पांच जुलाई को मेगा पीटीएम

चंडीगढ़ (अप्रस)। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद हरियाणा में पहली जुलाई को स्कूल खुलेंगे। जिसके बाद पांच जुलाई को राजकीय स्कूलों में मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया जाएगा। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से शनिवार को सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारी और खंड संसाधन समन्वयक के साथ स्कूल मुखिया तथा प्रभारी को निर्देश जारी किए हैं कि राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में बाल वाटिका-तीन से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए पांच जुलाई को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया जाएगा। बैठक में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान दिए गए गृह कार्य की अभिभावकों के साथ समीक्षा की जाएगी। बता दें कि राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में एक जून से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बाल वाटिका-थ्री से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभाग की ओर से निपुण हरियाणा और एनसीएफ-एफएस पर आधारित रचनात्मक और व्यवहारिक ग्रीष्मकालीन गृहकार्य दिया गया था। इस कार्य को इस प्रकार तैयार किया गया था कि विद्यार्थियों को ऐसे अनुभव-आधारित कार्यों के अवसर मिलें, जिनसे न केवल उन्हें वास्तविक जीवन से जुड़ने का मौका मिले, बल्कि उनकी रचनात्मक, स्वायत्ता और जिज्ञासा को भी प्रोत्साहन मिल सके। इस गतिविधि आधारित गृहकार्य को विद्यार्थियों को अपने परिवार के बड़े सदस्यों के सहयोग से पूरा करना था, ताकि अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी को विद्यार्थियों की शिक्षा में बढ़ावा दिया जा सके। इसी कड़ी में पांच जुलाई को राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक बैठक में विद्यार्थियों की उपस्थिति में अभिभावकों के साथ ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान किए जाने वाले गृहकार्य पर संवाद किया जाएगा। प्रत्येक राजकीय प्राथमिक पाठशाला के मुखिया को पीटीएम आयोजित करने के बाद गूगल फार्म भरना अनिवार्य है, जोकि पांच जुलाई को निपुण हरियाणा वाट्सअप चैनल पर उपलब्ध होगा। इसके साथ ही प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय के मुखिया को पीटीएम आयोजित करने के बाद अपने कलस्टर मुखिया को विस्तृत रिपोर्ट भेजनी होगी और कलस्टर मुखिया को ब्लाक कार्यालयों को एक संयुक्त रिपोर्ट भेजनी होगी। वहीं पीटीएम की प्रभावी मानिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी कलस्टर मुखिया, बीआरपी और एबीआरसी एक-एक विद्यालय का दौरा करेंगे।

आम आदमी पार्टी की अमृतसर उत्तर से विधायक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

आप विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह पांच साल के लिए पार्टी से निलंबित

विधायक पर अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी ने अमृतसर उत्तर से विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कुंवर विजय प्रताप सिंह को पार्टी से 5 साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। उन पर अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति ने यह फैसला लिया है। आम आदमी पार्टी से निलंबित होने के बाद कुंवर विजय प्रताप सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि कबीर जीसु मरने ते जागु डरे मेरे मानी आनंदु।

गौरतलब है कि हाल ही में कुंवर विजय प्रताप ने शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ विजिलेंस कार्रवाई और उनकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाए थे। उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर मजीठिया की पत्नी के साथ विजिलेंस टीम की बहस का वीडियो साझा करते हुए सरकार की कार्रवाई को अनुचित बताया था। उन्होंने कहा था कि मजीठिया जेल में थे तब पंजाब सरकार ने कोई पूछताछ नहीं की और उनकी जमानत में सहायता की, लेकिन अब अचानक कार्रवाई शुरू करना सवाल उठाता है। इस बयान को आप ने अपनी विचारधारा और ड्रग्स के खिलाफ अभियान के खिलाफ माना।

इन मौकों पर भी कुंवर ने पार्टी पर कसे तंज

कुंवर विजय प्रताप सिंह की पार्टी से नाराजगी और दूरी 2022 विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद ही नजर आने लगी थी। उन्होंने 2022 में 2 अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। हालांकि, कुछ देर बाद ही उस पोस्ट को एडिट भी कर दिया। विजय प्रताप ने पोस्ट में बिना नाम लेते हुए दो सीनियर आईपीएस अधिकारियों प्रबोध कुमार को विशेष डीजीपी (इंटेलिजेंस) बनाए जाने और अमृतसर के पुलिस कमिश्नर बने अरुण पाल सिंह की पोस्टिंग पर सवाल उठाए थे। उनका आरोप था कि ये दोनों ही बड़े राजनीतिक परिवारों के पक्षधर थे। बरगाड़ी-बहबल-कोटकपूरा मामले में न्याय न मिलने के लिए ये दोनों अधिकारी जिम्मेदार थे।

2023 में बरगाड़ी गोलीकांड पर विरोध: कुंवर विजय प्रताप बरगाड़ी गोलीकांड की जांच कर चुके हैं। वह द्वत्र रहते हुए केस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) के प्रमुख थे। उन्होंने मान सरकार पर आरोप लगाया था कि वह दोषियों को सजा दिलाने में इच्छाशक्ति नहीं दिखा रही। वह खुलकर कैप्टन अमरिंदर सिंह की आलोचना करते थे, लेकिन आप सरकार से भी नाखुश दिखाई दिए।

मजीठिया पर कार्रवाई को लेकर विजय प्रताप ने यह पोस्ट शेयर की

विजय प्रताप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जब मजीठिया 2022 में नशा मामले में जेल में थे, तब मान (सीएम भगवंत मान) सरकार ने न तो उनसे पूछताछ की, न ही कोई चालान पेश किया और बाद में उन्हें जमानत मिल गई। बरगाड़ी बेअदबी मामले में भी न्याय के समय सरकार ने आरोपियों के परिवार से समझौता कर लिया। मैं मजीठिया से पहले भी असहमत था और आगे भी रहूंगा, लेकिन परिवार की इज्जत सभी की साझी होती है, चाहे वह नेता हो या अभिनेता, अमीर हो या गरीब, दोस्त हो या विरोधी। विधायक ने आगे लिखा कि सुबह-सुबह किसी के घर पर रेड डालना नीति के विरुद्ध है। लगभग हर आने वाली सरकार ने पुलिस और विजिलेंस का अपने हित में दुरुपयोग किया है, लेकिन इसका कोई स्पष्ट नतीजा सामने नहीं आया। मैं किसी से राजनीतिक मतभेद रख सकता हूं, वैचारिक अंतर हो सकता है, लेकिन जब बात नीति, धर्म और परोपकार की हो तो उस पर चर्चा करना आवश्यक हो जाता है।

रेड डालकर उनकी इज्जत से खेला जा रहा: विजय प्रताप का कहना था- जब मजीठिया साहब कांग्रेस सरकार के समय दर्ज मामले में हिरासत में थे, उस समय मान सरकार की प्रणाली ने उन्हें जमानत दिला दी। हाईकोर्ट ने यह कहते हुए जमानत दी कि यदि पुलिस को पूछताछ की जरूरत नहीं है, तो किसी को हिरासत में रखना कानून के विरुद्ध है। मैं कहता हूं कि जब वह हिरासत में थे तो सरकार ने उन्हें बेल दिलवाई और अब नोटिस को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आज उनके घर की रेड हो रही है और एक मल्टी-डॉटर (अनेक बेटियों वाले परिवार) की इज्जत से खेला जा रहा है। दोबारा स्पष्ट कर दूं कि मजीठिया से मेरे वैचारिक मतभेद थे और हैं, लेकिन यह मुद्दा नीति और उदारता से जुड़ा है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, 3 की मौत; 50 लोग घायल

दो अधिकारी निलंबित, डीएम-एसपी का तबादला, सरकार ने की मृतकों के परिजनों को 25 लाख की मदद की घोषणा

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद रविवार तड़के करीब 4 बजे भगदड़ मच गई, इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 घायल हो गए। घायलों में 6 की हालत गंभीर है। हादसा जगन्नाथ मंदिर से करीब 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के सामने हुआ। यहां भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ जुटी थी, इसी दौरान भगदड़ मची। सीएम मोहन चरण माझी ने घटना पर माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं और मेरी सरकार भगवान जगन्नाथ के सभी भक्तों से व्यक्ति गत रूप से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही माफ करने लायक नहीं है।'

माझी सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। डीसीपी बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाढ़ी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। वहीं, पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) का भी तबादला कर दिया गया है। चंचल राणा को नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं, पिनाक मिश्रा को नए एसपी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, ओडिशा सरकार ने जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसकी जानकारी रविवार को सीएम मोहन चरण माझी के कार्यालय ने दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीएम मोहन माझी के हवाले से बताया कि इस घटना से अत्यंत दुखी और व्यथित हैं। मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से इस घटना के लिए राज्य सरकार की ओर से खेद व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और परिजनों को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने घटना की पूरी प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं।

हरियाणा-पंजाब व हिमाचल समेत देशभर में मानसून ने दी दस्तक

हरियाणा के 16 जिलों में बारिश

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली/ चंडीगढ़। हरियाणा-पंजाब व हिमाचल समेत देशभर में मानसून सक्रिया हो गया है। मानसून ने रविवार को पूरे दिल्ली, यूपी, राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब समेत अन्य राज्यों को कवर कर लिया है। 1 जुलाई तक राज्य में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को गुरुग्राम, फरीदाबाद, भिवानी, हिसार, फतेहाबाद, पानीपत, सोनीपत, नूंह, चरखी दादरी, नारनौल, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, झज्जर, रेवाड़ी और यमुनानगर में बारिश हुई। इसकी वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली। नारनौल में बारिश रुकने के बाद मौसम सुहावना हो गया, जिससे पार्कों में भीड़ बढ़ गई।

मौसम विभाग का कहना है कि महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी दादरी, रोहतक, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, जींद, सोनीपत, करनाल और कैथल में तेज बारिश आ सकती है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

हरियाणा की तीन घटनाएं

फरीदाबाद में बारिश की वजह से बिजली की तार टूटकर सड़क पर गिर गई। तार की चपेट में स्कूटी सवार 2 महिलाएं आ गईं। इनमें एक की मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर है। मृतका की पहचान तृष्णा विश्वास (42) के रूप में हुई है। यमुनानगर में तेज बारिश की वजह से सोमनदी ओवरफ्लो हो गई। इस कारण पानी सड़क पर आ गया। वहीं, कुरुक्षेत्र के शाहाबाद में बारिश से मकान की छत गिर गई। जिससे नीचे सो रही महिला सोमा देवी (55) की मौत हो गई, जबकि उसका पति मिया राम गंभीर रूप से घायल है। उनकी बहू पूनम देवी ने बताया कि छत गिरने की घटना सुबह 6 बजे हुई। जोरदार आवाज होने पर पड़ोसियों को पता चला। उन्होंने मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला।

हिमाचल में पंडोह डैम के गेट खोले

हिमाचल में बारिश के बाद मंडी स्थित पंडोह डैम के गेट खोल दिए गए हैं। इसका पानी ब्यास नदी के रास्ते पंजाब तक पहुंच सकता है। सोलन में अर्की-शालाघाट सड़क पर लैंडस्लाइड हो गया। जिसकी वजह से वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। लैंडस्लाइड का वीडियो भी सामने आया है।

चंडीगढ़ में हुई मुसलाधार बारिश

चंडीगढ़ में भी शनिवार रात मूसलाधार बारिश हुई। इस दौरान सेक्टर 26 में बापूधाम वाली रोड पर कार धंस गई। यहां कुछ दिन पहले पाइपलाइन डाली गई थी लेकिन उसे पक्के तौर पर बंद नहीं किया गया था।

इंतजार खत्म, अब झमाझम होगी बारिश

भारतीय मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पूरे देश को 29 जून तक कवर कर लिया है, जबकि सामान्य तिथि 8 जुलाई होती है। यह सामान्य से 9 दिन पहले हुआ है। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कई भागों में अगले 7 दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश के भी अनुमान है और झारखंड में 30 जून एवं ओडिशा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (20 सेमी/24 घंटे) की चेतावनी भी मौसम विभाग ने जारी की है। भारतीय मौसम विभाग के साइंटिस्ट डॉक्टर नरेश कुमार ने बताया कि मानसून 29 जून को राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पूरी दिल्ली तक पहुंच चुका है, जिससे यह पूरे भारत में फैल चुका है. मानसून ट्रफ फिरोजपुर, सोनीपत, अयोध्या, गया, पुरुलिया, बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम हिस्से में बने निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र से होते हुए उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है।

उत्तराखंड: चार-धाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

देहरादून, 29 जून। उत्तराखंड में हो रही लगातार भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंकाओं को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए चारधाम यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित किया गया है। गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने रविवार को बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनज़र यह एहतियाती कदम उठाया गया है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया

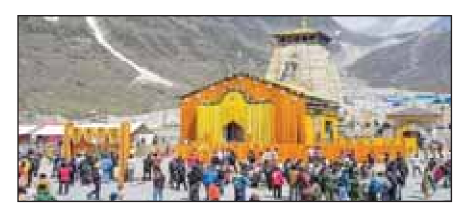

कि संबंधित जिलों के प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय किया गया है। पांडेय ने बताया कि आगे की यात्रा को लेकर निर्णय कल मौसम की स्थिति और मार्गों की समीक्षा के पश्चात लिया जाएगा। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थलों की ओर प्रस्थान न करें।

देशों, संस्कृतियों, लोगों को एक सूत्र में बांधते हैं बुद्ध के विचार: पीएम मोदी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली 29 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भगवान बुद्ध के विचारों में दुनिया को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है और यही वजह है कि वियतनाम में जब भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पहुंचे तो वहां राष्ट्रीय महोत्सव का माहौल बन गया और डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने इनके दर्शन किये। पीएम मोदी ने रविवार को रेडियो पर प्रसारित अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भगवान बुद्ध के विचारों में वो शक्ति है जो देशों, संस्कृतियों और लोगों को एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों मुझे वियतनाम के बहुत से लोगों ने विभिन्न माध्यमों से संदेश भेजे जिनकी हर पंक्ति में श्रद्धा,

आत्मीयता और मन को छूने वाली भावनाएं थीं। वो लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन कराने के लिए भारत के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहे थे। उनके शब्दों में जो भाव थे वो किसी औपचारिक धन्यवाद से बढ़कर थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मूल रूप से भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों की खोज आंध्र प्रदेश में पालनाडू जिले के नागार्जुनकोंडा में हुई थी। इस जगह का बौद्ध धर्म से गहरा नाता रहा है। कहा जाता है कि कभी इस स्थान पर श्रीलंका और चीन सहित दूर-दूर के लोग आते थे। पिछले महीने ही भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को वियतनाम ले जाया गया और वहां नौ अलग-अलग स्थानों पर इन्हें जनता के दर्शन के लिए रखा गया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की यह पहल एक तरह से वियतनाम के लिए राष्ट्रीय उत्सव बन गया। करीब 10 करोड़ लोगों की आबादी वाले वियतनाम में डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने पवित्र अवशेषों के दर्शन किए। सोशल मीडिया पर जो तस्वीरे और वीडियो मैंने देखे, उन्होंने एहसास कराया कि श्रद्धा की कोई सीमा नहीं होती। बारिश हो, तेज धूप हो, लोग घंटों कतारों में खड़े रहे। बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांगजन सभी भाव-विभोर थे। वियतनाम के राष्ट्रपति, उप-प्रधानमंत्री, वरिष्ठ मंत्री, हर कोई नत-मस्तक था।

पंजाब के निवासियों के लिए बड़ा तोहफा

धूरी रेलवे ओवरब्रिज का काम जल्द शुरू होगा: सीएम भगवंत मान

54.76 करोड़ रुपयए की लागत से बनने वाला यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट 18 महीनों में होगा पूरा

रेलवे की एन.ओ.सी. में देरी के कारण प्रोजेक्ट अटका

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। पंजाब के लोगों, विशेष रूप से धूरी के निवासियों को बड़ा तोहफा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को घोषणा की कि धूरी में दो-मार्गी रेलवे ओवरब्रिज (आर.ओ.बी.) का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के लगातार प्रयासों के बाद रेलवे मंत्रालय से आवश्यक मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक आर.ओ.बी. लेवल क्रॉसिंग (फाटक) नंबर 62ए पर बनाया जाएगा और यह मालवा क्षेत्र के लोगों, विशेष रूप से धूरी के निवासियों को ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इस प्रोजेक्ट की कुल लागत 54.76 करोड़ रुपए है, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 18 महीनों में पूरा हो जाएगा। भगवंत सिंह मान ने उल्लेख किया कि प्रोजेक्ट का प्रारंभिक कार्य 2024 में शुरू हुआ था, लेकिन मार्च 2025 में रेलवे की मंजूरी/एन.ओ.सी. के कारण कार्य में देरी हुई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में पूरी तत्परता से पैरवी की और रेलवे अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी मिलने के साथ ही प्रोजेक्ट पर काम जल्द शुरू हो जाएगा।

पंजाब के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

पंजाब के विकास और लोगों की खुशहाली के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन के दृढ़ प्रयासों के कारण पंजाब अभूतपूर्व विकास के नए युग का साक्षी बन रहा है। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने रंगला पंजाब बनाने के लिए पहले ही विकास कार्यों में तेजी लाई है और यह प्रोजेक्ट उसी का प्रतीक है।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 120वें दिन 114 नशा तस्कर गिरफ्तार; 4.1 किलो हेरोइन, 9.6 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद

पुलिस टीमों द्वारा छह जिलों में 332 मेडिकल स्टोरों की जांच

नशा छुड़ाने के प्रयासों के तहत पंजाब पुलिस ने 54 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और इलाज करवाने के लिए राजी किया

अर्थ प्रकाश/अक्षित जैन

चंडीगढ़, 29 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चल रहे 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 120वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 114 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4.1 किलो हेरोइन और 9.6 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इस प्रकार सिर्फ 120 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 19,735 हो गई है। यह विशेष ऑपरेशन पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर पंजाब के सभी 28 जिलों में एक साथ चलाया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, उपायुक्तों और एसएसपी को पंजाब को नशा मुक्त बनाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है।

ऑपरेशन का विवरण देते हुए स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि 85 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की भागीदारी वाली 180 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 367 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्य भर में 77 एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने आगे बताया कि पूरे दिन चले इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 399 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार ने नशों के खात्मे के लिए 'तीन स्तरीय रणनीति' - प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट), नशा मुक्ति (डी एडिक्शन) और रोकथाम (प्रिवेंशन) - लागू की है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के तहत आज 54 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास के लिए इलाज लेने के लिए तैयार किया है। इसके साथ ही पुलिस टीमों द्वारा आज कमिश्नरेट जालंधर, होशियारपुर, एसबीएस नगर, जालंधर ग्रामीण, कपूरथला और रूपनगर सहित छह जिलों में 332 दवा दुकानों (मेडिकल स्टोरों) की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं वहां से नशीली गोलियां या अन्य मादक दवाएं तो नहीं बेची जा रही हैं और वे दवाइयों की बिक्री से जुड़े निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

घग्गर नदी में बढ़ा जलस्तर, आठ से ग्यारह बजे तक लगातार बहता रहा अठारह हजार क्यूसेक से अधिक पानी

12 बजे के बाद जलस्तर कम होने पर लोगों ने की राहत की सांस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 29 जून। स्थानीय क्षेत्र से गुजरने वाली घग्गर नदी में आज सुबह अचानक जलस्तर काफी बढ़ गया।

नदी किनारे बसे गांवों के निवासियों के अनुसार सुबह छह बजे पानी बढ़ना शुरू हुआ और 11 बजे तक पानी लगातार बढ़ता रहा। 12 बजे पानी कम होना शुरू हुआ। नदी किनारे बसे मनौली सूरत गांव के किसानों द्वारा नदी तटबंध के अंदर की जमीन में बोया गया हरा चारा व अन्य फसलें भी पानी में डूब गईं।

सिंचाई विभाग के भांखरपुर में घग्गर नदी पुल पर पानी की माप कर रहे कर्मचारियों ने घग्गर में पानी बढ़ने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सुबह छह बजे घग्गर नदी में पानी का बहाव तीन फुट की ऊंचाई पर था, जो 7242 क्यूसेक है। इसके बाद सात बजे यह बढ़कर छह फुट हो गया, जो 15764 क्यूसेक है। उन्होंने बताया कि आठ बजे पानी का स्तर और बढ़ गया, जो 18731 क्यूसेक है और यह पानी 11 बजे तक लगातार बहता रहा। इसके बाद घग्गर में पानी कम होना शुरू हो गया और दोपहर 12 बजे तक पानी का स्तर तीन फुट रह गया, जो 6384 क्यूसेक है। आम दिनों में घग्गर में पानी का बहाव एक से डेढ़ फुट रहता है। पानी बढ़ने का कारण पहाड़ी क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश बताया जा रहा है। घग्गर में इतनी क्षमता से पानी बहने से निचले इलाकों में लोगों को परेशानी हो सकती है। स्थानीय अधिकारियों ने इस बारे में उच्च अधिकारियों को सूचित कर दिया है। घग्गर नदी का जलस्तर कम होने से स्थानीय गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सात फीट की ऊंचाई पर बहता पानी बाढ़ की कम चेतावनी माना जाता है।

ओपेरा गार्डन सोसाइटी में करोड़ो रुपए लगाकर खरीदे फ्लैट, सुविधाएं जीरो

परेशान लोगों ने बिल्डर खिलाफ एक हफ्ते से चल रहा रोष प्रदर्शन किया समाप्त

अपनी मांगों को लेकर करेंगे डिप्टी कमिश्नर मोहाली से मुलाकात

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 29 जून। ढकोली क्षेत्र में पड़ती ओपेरा गार्डन नामक सोसायटी के लोगों द्वारा पिछले एक हफ्ते से सुविधाएं ना मिलने के कारण काली पट्टी बांधकर बिल्डर खिलाफ रोष प्रदर्शन किया जा रहा था जिसे रविवार को समाप्त कर दिया गया है। सोसाइटी निवासियों ने आज एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि उनकी किसी भी मांग पर बिल्डर द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा। इसीलिए उन्होंने आज अपना धरना समाप्त करके कल सोमवार को डिप्टी कमिश्नर मोहाली से मिलने का फैसला लिया है।

इस सोसाइटी निवासियों अशोक सक्सेना, अशवनी, अनिता गोयल, सुनीता राजपुत, गीतू शर्मा, निर्मल कुमार, सुषमा, रीना, कमलेश कुमार, सुरिंदर सिंह, मनु गोयल, नीरज शर्मा, मञ्जुला कैथरत व अन्य प्रदर्शनकारीयों ने बताया की यह सोसायटी पिछले 15 वर्षों से बन रही है और अब तक पूरी नहीं हुई है। जिस कारण उन्हें बेसिक सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। लोगों ने बताया की जिस समय हमने यहां करोड़ो रूपये की लागत से फ्लैट खरीदे थे तो बिल्डर ने क्लब हॉउस, ऐसी हेल्थ क्लब, लाइब्रेरी, इंडोर गेम्स, मिन्नी थिएटर, स्विमिंग पूल, 24 घंटे थ्री टायर सिक्योरिटी, 24 घंटे पॉवर बैकअप, जॉगिंग ट्रेक चिल्ड्रन प्लै एरिया, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, शॉपिंग एकरेड, कलसटर कोट, हाई स्पीड एलीवेटर, मैगा सेंटरल पार्क आदि जैसी सुविधाएं देने का वादा किया था। लेकिन आज तक कोई सुविधा हमें नही दी गई है। जब भी हम अपनी सुविधाओं के लिए बिल्डर से बात करना चाहते हैं तो वह हमें मिलते ही नही और ना ही हमारी बात का कोई सही जवाब दिया जाता है। इसके इलावा उनका स्टॉफ हमने धमकिया भी देता है, जिसकी हमने पुलिस शिकायत भी की हुई है। लोगों ने बताया की उनकी सोसायटी में पहले 1500 रूपये मेंटेनस रखा था जिसे एकदम से बढ़ा कर 2500 रूपये कर दिया। लेकिन उसके बाद बिना किसी से बात किए खुद से बढ़ाकर 3 हजार रूपये कर दिया। जब हम इसका जवाब मांगते हैं तो हमें धमकाया जाता है और बोला जाता है के यह तो देना ही पड़ेगा। जबकि बिल्डर के पास ना तो ओक्यूपेंसी सर्टिफिकेट है और ना ही कंप्लिशन सर्टिफिकेट है। यदि नियमों की बात करें तो अगर बिल्डर के पास उक्त दोनों सर्टिफिकेट नही है तो वह लोगों से मेंटेनस मांगने का हकदार भी नही है। लोगों ने बताया सोसायटी के गेट पर कैमरे लगे हुए है लेकिन वह ज्यादातर बंद रहते है। लोगों की सुरक्षा के किए यहां बिलकुल भी इंतजाम नही है। कई बार लोगों लिफ्ट में फस चुके हैं, जोकि बीमार लोगों के लिए घातक हो सकता है। लोगों ने बताया की 2500 तक तो हम मेंटेनस देते रहे है जबसे उन्होंने अपनी मन मर्जी से 3 हजार किया है तब से हमने देना बंद कर दिया है। लोगों ने बताया की हम मेंटेनस देने को लिए तैयार हैं लेकिन हमें बेसिक सुविधाएं दो दी जाए जिसके लिए बिल्डर ने खुद वादा किया था। लोगों ने बताया की सोसायटी के अंदर गंदगी है उन्हें साफ पर्यावरण नही मिल रहा है और जगह जगह बरसाती पानी खड़ा रहता है। घर की दीवारों में सीलन है, जिस कारण घरों का सामान खराब हो रहा है। लोगों ने बताया की हमने जो सोच कर यहां अपनी मेहनत व रिटायरमेंट के बाद इकठा हुई जमा पूंजी लगा दी थी के हमें अच्छी सुविधाएं और अच्छा घर मिलेगा। लेकिन हम अपनी जमा पूंजी यहां लगाकर पछता रहे है। लोगों ने मांग की के बिल्डर अपने वादा पर खरा उतरे और उन्हें सारी सुविधाएं दी जाएं।

बिलकुल सोसायटी के लोगों द्वारा प्रोटेस्ट किया जा रहा है, पहले भी करते हैं। यह हमने मंथली मेंटेनस चार्ज पे नहीं कर रहे हैं। जब हम थोड़ी सख्ती करते हैं तो वह प्रोटेस्ट करने लगते हैं। यह तो वह बहाने बना रहे हैं हमने कौन सा क्लब हॉउस के किसी से अभी पैसे लिए है। हम तो केवल रेडी टू मूव फ्लैट देते हैं। क्लब बनाने के लिए जल्द इन्हे डेट दे दी जाएगी। असल में यह लोग मेंटेनस नहीं देना चाहते जबकि मेंटेनस का एक करोड़ रूपये पेंडिंग हो गया है। बहुत सारे बंदे मेंटेनस देते भी हैं, जो नही देते वह यहां प्रोटेस्ट करने लग जाते है। आज से 12 वर्ष पहले 1500 रूपये थे समय के साथ महंगाई बढ़ रही है तो मेंटेनस के पैसे भी बढ़ने ही है।

अजयवीर सहगल, बिल्डर ओपरा गार्डन सोसायटी ढकोली।

पगड़ी व दुमाला सजाने का मुकाबला करवाया, 7 साल की बच्ची ने जीता पहला पुरस्कार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 29 जून। बनूड़ के निकटवर्ती गांव हुलका में स्थित गुरुद्वारा बाबा फतेह सिंह में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के उपलक्ष्य में पगड़ी व दुमाला सजाने तथा गतका प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम के मुख्य आयोजक जसवीर सिंह जस्सा हुलका ने बताया कि बाबा गोबिंद दास क्लब, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी तथा समस्त कस्बा निवासियों के सहयोग से पगड़ी व दुमाला सजाने तथा गतका प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि स्कूल की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए छोटे बच्चों को एक माह तक पगड़ी व दुमाला सजाने का निशुल्क प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें 16 वर्ष तक की आयु के करीब चार दर्जन बच्चों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण के बाद पगड़ी व दुमाला सज्जा मुकाबले करवाए गए। इन मुकाबलों में केवल वे ही बच्चे शामिल हुए, जो दस गुरु साहिबानों, पांच प्यारों व चार साहिबजादों के नाम जुबानी याद कर सके।

इस प्रतियोगिता में भाई गुरप्रीत सिंह खालड़ा चमकौर साहिब वाले मुख्य जज के तौर पर पहुंचे। इस पगड़ी व दुमाला सज्जा मुकाबले में निरवैर ऐड संस्था बंड्या बस्सी बनूड़ गतका अखाड़ा की 7 वर्षीय क्रितलीन कौर ने पहला, तवनजोत सिंह बनूड़ ने दूसरा, जुझार सिंह पटियाला ने तीसरा, सुखचैन सिंह हुलका ने चौथा व हरसीरत कौर जाडली ने पांचवां स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि पहले स्थान वाले को 2100 रुपए, 7 मीटर पगड़ी, शीशा, बाज़ व फिफ्टी और उसके बाद सभी विजेताओं को 1500 रुपए, 7 मीटर पगड़ी, शीशा, बाज़ व फिफ्टी इनाम के तौर पर दिए गए। इस कार्यक्रम के दौरान गतका मुकाबले करवाए गए, जिसमें निरवैर एड संस्था बंड्या बसी बनूड़ की नन्हीं लड़कियों ने तलवारों के साथ अपने करतब दिखाए।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को गुरमुखी लिपि का बैज देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य बच्चों को बाणी और बाणे के साथ-साथ पंजाबी मातृभाषा से जोड़ना है।

नशा तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 20 किलो चूरा पोस्त और स्कॉर्पियो गाड़ी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/जे. के. बत्ता

न्यू चंडीगढ़, 29 जून। पुलिस स्टेशन माजरी, न्यू चंडीगढ़ की पुलिस पार्टी ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। इंस्पेक्टर योगेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने 20 किलो चूरा पोस्त और एक स्कॉर्पियो कार सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री हरमन दीप सिंह हंस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, यह कार्रवाई 28 जून 2025 को उस समय की गई जब पुलिस अधीक्षक मुल्लांपुर, मोहित अग्रवाल के मार्गदर्शन में पुलिस पार्टी गाँव दुल्लवान सेंट्रल रोड, गांव अभिपुर में नाके पर मौजूद थी। नाके पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी को रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर एक बैग से सफेद धागे से बंधा प्लास्टिक का थैला बरामद हुआ, जिसमें 20 किलो चूरा पोस्त पाया गया। इस गाड़ी को गुरमीत सिंह उर्फ गीता (पुत्र केहर चंद), निवासी गांव मिर्जापुर, मोहाली चला रहा था। उसके साथ जसविंदर सिंह उर्फ गोगा (पुत्र रूर सिंह) और रणदीप सिंह उर्फ लक्की (पुत्र बलदेव सिंह), निवासी गांव मिर्जापुर, न्यू चंडीगढ़ भी मौजूद थे। तीनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया और उनके खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। दिनांक 29 जून 2025 को तीनों आरोपियों को माननीय ड्यूटी मजिस्ट्रेट, खरड़ की अदालत में पेश किया गया, जहाँ अदालत ने उन्हें 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि तस्करी के इस नेटवर्क की पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES

DRAW TIME: 06:00 PM ONWARDS DRAW DATE:29/06/2025

RESULT OF PUNJAB STATE DEAR 10 IRON SUNDAY WEEKLY LOTTERY

MRP Rs 10/- Per Ticket

1st Prize Amount (10)Rs.10,000/-,Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.500/-, Total Prize Amount Rs.10500/- each)

2777

2nd Prize Amount (10)Rs.2000/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.200/-, Total Prize Amount Rs.2200/- each)

9847

3rd Prize Amount (100)Rs.500/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.50/-, Total Prize Amount Rs.550/- each)

2280	2951	3209	3413	3771	6570	7452	8004	8364	9768

4th Prize Amount (100)Rs.200/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.20/-, Total Prize Amount Rs.220/- each)

0496	0644	0986	2057	2626	3203	3239	4696	7460	7857

5th Prize Amount (2000)Rs.100/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.10/-, Total Prize Amount Rs.110/- each)

0001	0072	0103	0113	0159	0186	0214	0365	0370	0471
0478	0536	0680	0730	0782	0805	0816	0845	0866	0870
0952	0978	0997	1091	1175	1201	1284	1339	1365	1404
1409	1418	1434	1439	1479	1505	1568	1591	1603	1644
1720	1806	1820	1859	1985	2073	2081	2116	2178	2185
2189	2207	2227	2248	2301	2535	2565	2573	2609	2654
2683	2691	2772	2808	2919	2930	2938	3177	3231	3237
3301	3406	3471	3541	3586	3625	3673	3678	3726	3763
3779	3801	3811	3823	3880	3985	4003	4013	4089	4103
4116	4125	4143	4290	4296	4299	4338	4523	4561	4619
4643	4718	4892	5054	5077	5118	5136	5178	5220	5281
5352	5460	5491	5562	5610	5615	5670	5674	5700	5807
5812	5860	5868	6006	6090	6093	6146	6168	6230	6299
6334	6337	6348	6424	6473	6485	6571	6607	6734	6915
6934	6940	6954	6961	6967	7112	7237	7287	7310	7312
7343	7361	7458	7531	7648	7684	7836	7841	7866	7885
8014	8040	8067	8099	8107	8140	8243	8278	8322	8343
8406	8477	8545	8709	8790	8793	8953	8979	8999	9024
9060	9122	9168	9177	9180	9276	9303	9307	9354	9377
9478	9514	9543	9714	9799	9816	9834	9927	9947	9995

Issued by DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES
Kindly Check The Final Result With Official Gazette Notification

गुलमोहर सिटी एक्सटेंशन सोसाइटी प्रबंधन की तैयारियों से राहत, विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने किया दौरा और की सराहना

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 29 जून। हलका डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने रविवार सुबह गुलमोहर सिटी एक्सटेंशन सोसाइटी का दौरा किया और सोसाइटी के निवासियों तथा प्रबंधन को आश्वासन दिया कि अगर कभी बाढ़ जैसी आपात स्थिति पैदा होती है, तो सरकार और प्रशासन की ओर से लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि सोसाइटी के कुछ इलाकों में जलभराव हो गया है। इसी को लेकर हलका विधायक ने सुबह-सुबह ही संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। विधायक रंधावा ने सोसाइटी के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया और देखा कि कहीं कोई जलभराव या क्षति तो नहीं हुई है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि हालात बिल्कुल सामान्य हैं। सोसाइटी के अंदर कहीं भी पानी जमा नहीं हुआ है। इस मौके पर सोसाइटी की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी रोहिणी कौशल और डायरेक्टर अफरोज आलम ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एक दिन पहले जरूर तेज बारिश हुई थी, लेकिन पहले से की गई पुख्ता तैयारियों के चलते सोसाइटी में जलभराव की समस्या पैदा नहीं हुई। उन्होंने बताया कि सोसाइटी प्रबंधन ने समय रहते जलनिकासी की उचित व्यवस्था कर ली थी। जगह-जगह पानी के बहाव के लिए पाइपलाइन और ड्रेनेज सिस्टम को साफ करवाया गया था। इसके अलावा बाढ़ या जलभराव से बचाव के लिए सोसाइटी के चारों ओर कंक्रीट की दीवार बनाई गई है, ताकि बाहर का पानी अंदर न घुस सके। इसी कारण एक दिन पहले हुई जोरदार बारिश के बावजूद न तो किसी को कोई परेशानी हुई और न ही किसी प्रकार का नुकसान हुआ।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने सोसाइटी प्रबंधन की तैयारियों की सराहना की और कहा कि लोगों को सुरक्षित और सुविधा जनक माहौल देना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि डेराबस्सी हलके में कहीं भी कोई आपात स्थिति पैदा होती है, तो प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और लोगों को समय पर मदद पहुंचाई जाएगी। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि मॉनसून के इस मौसम में हर इलाके की स्थिति पर पैनी नजर रखी जाए और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त रहे। विधायक रंधावा ने कहा कि सोसाइटी के निवासियों को किसी भी तरह की समस्या होने पर वह सीधे उनसे या प्रशासन से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार और स्थानीय निकाय विभाग पूरी तरह तैयार हैं ताकि आने वाले समय में किसी भी प्रकार की बाढ़ या जलभराव की स्थिति से निपटा जा सके।

नशा तस्कर बाइक समेत गिरफ्तार

गुरप्रीत सिंह उर्फ साजन के पास से 2 किलो 503 ग्राम हेरोइन बरामद हुई

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं 29 जून। सीआईए स्टाफ की पुलिस ने एक नशा तस्कर को बाइक समेत गिरफ्तार किया है। आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ साजन के पास से 2 किलो 503 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। वह गुरदासपुर जिले के गांव बढ़ाला ग्रथिया सेखवा बटाला का रहने वाला है। पकड़े गए तस्कर से पुलिस की टीम द्वारा पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को किशनपुरा चौक पर गश्त के दौरान सूचना मिली थी। आरोपी जगराओं की तरफ से हेरोइन लेकर आ रहा था। नाकाबंदी कर उसे पकड़ा गया। तलाशी में हेरोइन के अलावा एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा और छोटे लिफाफे भी मिले। जांच अधिकारी एसआई गुरसेवक सिंह ने बताया कि आरोपी पर 2020 में अमृतसर में असला एक्ट का केस दर्ज है। जांच में कई बड़े तस्करों से उसके संबंध सामने आए हैं। पुलिस को पाकिस्तान कनेक्शन के भी सुराग मिले हैं। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपी पाकिस्तान से इतनी मात्रा में हेरोइन कैसे मंगवा रहा था। नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस साथ ही उसके नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। आरोपी के मोबाइल की भी जांच चल रही है। उसे कोर्ट में पेश कर तीन दिन का रिमांड लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को गुरुग्राम में सुना गया

प्रधानमंत्री के अनुभवों को सांझा करने से अन्य लोगों को मिलती है प्रेरणा : नायब सैनी

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल कौशिक रहे उपस्थित

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर आमजन से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में सक्रिय सहभागिता का किया आह्वान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज गुरुग्राम में सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल कौशिक, उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने बादशाहपुर विधानसभा के बूथ संख्या 4 में स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उस पर संवाद किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में अपनी स्वयं की मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को सांझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से एक बड़ा लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी व आमजन को मिलता है।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा नेताओं द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड लाभ पत्र भी वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना है। गुरुग्राम में आयोजित यह कार्यक्रम जनसंपर्क और जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने वाला रहा, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ वाटिका चौक के नजदीक वन विभाग द्वारा बादशाहपुर ड्रेन के ऊपर विकसित किए गए फॉरेस्ट कॉरिडोर पर पौधारोपण कर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प ले। यह प्रयास न केवल हरियाणा को हरा- भरा बनाने में सहायक होगा बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी योगदान देगा।

इस अवसर पर सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, पूर्व सांसद एवं भाजपा के संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ सुधा यादव, डीसी अजय कुमार, निगमायुक्त प्रदीप दहिया, पूर्व विधायक संजय सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, निगम पार्षद कुलदीप यादव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व विधायक नसीम अहमद की मां के देहांत पर किया शोक व्यक्त

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पूर्व विधायक नसीम अहमद के फिरोजपुर झिरका स्थित निवास स्थान पर पहुंचकर उनकी माता के देहांत पर शोक प्रकट किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कामना की तथा परिवार को इस अपूरणीय क्षति से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत जुम्मी बेगम की सादगी समाज के लिए एक मिसाल है। वे धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं और उन्होंने हमेशा समाज व गरीब कल्याण के लिए कार्य किया, उनका इस दुनिया से जाना हमारे लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है: सुमित नरवाल

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। गांव चोचडा के सरकारी स्कूल में आज विर्क हस्पताल एवं सुमित नरवाल वेलफेयर फाउंडेशन` सौजन्य से फ्री मेडिकल कैंप एवं रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। इस मेडिकल कैंप में हड्डी एवं जोड़ों के रोगों के विशेषज्ञ विर्क हॉस्पिटल से डॉ आशुतोष एवम उनकी टीम ने इन रोंगो से पीड़ित रोगियों का निःशुल्क चेक अप करते हुए दवाईयां दी गई। इस निशुल्क मेडिकल कैंप में फ्री ब्लड शुगर टेस्ट के अलावा हड्डियों की मजबूती चेक करने वाला बीएमडी टेस्ट भी निशुल्क किया गया। इस मौके पर क्रिकेटर एवं समाजसेवी सुमित नरवाल ने कहा नर सेवा – नारायण सेवा मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है, और जब किसी जरूरतमंद की सहायता की जाए, तो वह सेवा स्वयं नारायण की सेवा के समान हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और बीमारियों का जल्द पता लगाना ताकि उनका समय पर इलाज किया जा सके। यह शिविर उन लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसानी से नहीं पहुंच पाते हैं। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों में मास्टर सुरेश, डॉ रमेश, मोहन शर्मा, मास्टर सूबे सिंह, डॉ विक्रम, मास्टर सतबीर, सतीश शर्मा, दीपक शर्मा कालू, रामनिवास बेनीवाल आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बुलेट पटाखा का 28 हजार रुपए का कटा चालान

हांसी (अप्रस/दिनकर गावड़ी)। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा–निर्देशों के अनुसार ट्रैफिक पुलिस हांसी ने यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्ती दिखाते हुए एक बुलेट चालाक का 28 हजार रुपए का चालान किया। ट्रैफिक एसएचओ सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि नियमित चेकिंग के दौरान नेशनल हाईवे नजदीक बरवाला पुल पर एक बुलेट मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को कागजात जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि उसकी बाईक से पटाखा की आवाज निकल रही थी। ट्रैफिक पुलिस ने इस उल्लंघन के आधार पर बाइक का कुल 28 हजार रुपए का चालान किया। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने आमजन से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और स्वयं की व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह जानलेवा भी हो सकता है।

घर से दो शव मिलने से फैली सनसनी

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। शहर में रतिया रोड पर शिवम कांप्लेक्स के सामने एक पुराने मकान में दो महिलाओं के शव मिलने से शहर में सनसनी फैल गई लोगों ने बताया कि मकान से बदबू आने पर पड़ोसियों ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को सूचित किया और 112 टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा कि मकान में दो शव महिलाओं के पड़े हुए थे जिन में एक महिला सुजीत कौर उम्र 92 वर्ष व दूसरी महिला उसी की ही बेटी हरभजन कौर उम्र 65 वर्ष मृत अवस्था में पड़ी मिली। पड़ोसियों ने बताया कि हरभजन कौर लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थी और दूसरी मौत अभी शंका का विषय बनी हुई है सभी आसपास के लोग कोई भी घटना होने का अंदेशा जाता रहे हैं पुलिस मामले की जांच कर रही है यह भी पता लगा है कि सुरजीत सिंह के बेटे बिल्लू की मौत अभी कुछ दिन पहले ही हुई है अभी तक अन्य परिवार के कोई भी सदस्यों ने पुलिस के सामने कोई भी किसी प्रकार की भी शिकायत दर्ज नहीं करवाई है सारे शहर में इस घटना पर पूरा रोष है पुलिस जल्दी से जल्दी घटना पर जांच कर दूध का दूध पानी का पानी करने में लगी है।

भाविप ने पार्क में पौधरोपण किया

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। आज भारत विकास परिषद के संस्थापक डॉ सूरज प्रकाश जी की जयंती के उपलक्ष्य में सेक्टर 13 के पार्क (सरकारी उच्च विद्यालय के साथ) में पौधरोपण का कार्य संपन्न किया गया। शाखा अध्यक्षा डॉ स्वर्णलता काठपा ने डॉ सूरज प्रकाश जी के परिषद के प्रति समर्पण भाव को याद करते हुए सभी आगंतुक सदस्यों का अभिवादन किया। ओ पी सुखीजा ने वृक्षों के महत्व को चंद काव्यमई पंक्तियों द्वारा प्रस्तुत किया व योगेन्द्र कौशिक द्वारा जल की अहमियत काव्यरूप में वर्णित की गई। सदस्यों द्वारा लगभग 20 छायादार वृक्षों जैसे गुलमोहर, नीम, अमलतास, लसोड़ा, अमरूद, बरगद, पीपल, हारश्रिंगार, अपराजिता बेल, इत्यादि को रोपित किया गया। सभी ने उत्साह पूर्वक सहयोग दिया। उदयभान जी व माली प्रीतम ने प्रकल्प से जुड़े एहम कार्यों को अंज़ाम दिया। आए हुए सभी सदस्यों को ठंडा जल पेय व खाद्य पदार्थ वितरित किए गए। इस प्रकल्प को सफ़ल बनाने में डॉ स्वर्णलता काठपाल (अध्यक्षा), राजेश गोगिया (कोषाध्यक्ष), विनीता गेरा (उपाध्यक्ष, महिला सहभागिता), डॉ हर्ष सेठी(उपाध्यक्ष, पर्यावरण), हरीश शर्मा (उपाध्यक्ष, सेवा), हरमीत सिंह(उपाध्यक्ष, संस्कार), डॉ नीना अरोड़ा (पूर्व अध्यक्षा), प्रो नरेश बत्रा, कर्नल बी सी काठपाल, भूषण गोयल, अंजू शर्मा, डॉ सुरेश सिंघला, पूनम सिंघला, योगेंद्र कौशिक, अजीत सिंह राही, नीना अग्रवाल व पूनम दिवान की सहभागिता रही जिसके लिए शाखा की तरफ से तह दिल से साधुवाद।

महाभारत कालीन तीर्थों की होगी कायाकल्प, सुदर्शन चक्र चौक बनेगा भव्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कुरुक्षेत्र में 48 कोस के महाभारत कालीन तीर्थों के जीर्णोद्धार का रोडमैप तैयार किया है। तीर्थों का न केवल कायाकल्प होगा, बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी इन्हे भव्य बनाया जाएगा। ज्योतिसर स्थित गीता की उद्गम स्थली और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय थर्ड गेट स्थित सुदर्शन चक्र चौक का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

48 कोस तीर्थ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने रविवार को जारी जानकारी में बताया कि सुदर्शन चक्र चौक कुरुक्षेत्र से पिहोवा और कैथल जाने वाले मार्ग पर स्थित है,जोकि उपेक्षा का दंश झेल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि सुदर्शन चक्र चौक का स्वरूप बढ़ाया जाए, यहां पर रंग बिरंगी लाइटों के साथ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भी स्थापित करने की परियोजना तैयार की जाए।

कुरुक्षेत्र भ्रमण पर आने वाले श्रद्धालु व पर्यटक भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र की महत्ता को जान सकें और साक्षात भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र के साथ सहजता के साथ दर्शन कर सकें। ज्योतिसर स्थित गीता स्थली में भव्य प्रवेश द्वार तैयार किया जाएगा। मुख्य सड़क पर हरियाली बढ़ाने के साथ रंगी-बिरंगी लाइटों से सुंदरीकरण किया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ की सड़क पर पार्किंग व्यवस्था तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा गीता स्थली में प्रवेश द्वार की परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क के दोनों ओर हरे-भरे पौधे लगाए जाएंगे, जोकि प्रवेश द्वार से लेकर मंदिर परिसर की शोभा को बढ़ाएंगे।

सतपुला पार्क और झील का किया कायापलट

लिबर्टी शूज ने कर दिखाया कमालः करवाया सात सौ साल पुरानी ऐतिहासिक झील को रीजनरेट

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

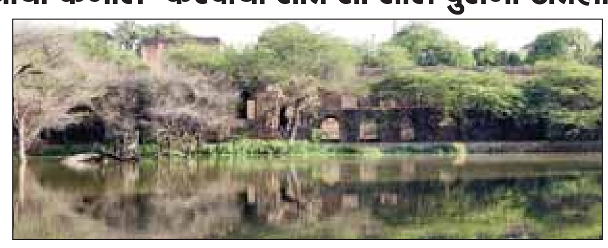

करनाल, 29 जून। लिबर्टी शूज लिमिटेड और संजीब बंसल चैरिटेबुल ट्रस्ट के आर्थिक सहयोग से रोटरी क्लब ऑफ साउथ सैंट्रल दिल्ली ने इंटेक के साथ मिल कर भारत की राजधानी दिल्ली में सात सौ साल पुरानी झील को दो सालों में पुनर्जीवित कर दिया। सतपुला झील फिर से जिंदा हो उठी। लिबर्टी शूज केवल कारोबार में ही आगे नहीं हैं बल्कि सामाजिक सरौकार के साथ पुरातन इतिहास को जीवित करने में भी सबसे आगे हैं। जो झील दो साल पहले गंदा नाला थी। जहां सूखे क्षेत्र में बच्चे क्रि केट खेला करते थे। उसको कायाकल्प करने का लिबर्टी शूज तथा संजीब बंसल चैरिटेबुल ट्रस्ट के सहयोग से रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ सैंट्रल तथा इंटेक ने बीड़ा उठाया। दो साल में इसे पूरा कर दिखाया। धरा की कौख सींचने के साथ अपने वजूद को नीले हरे नीर से दिखाने लगी हैं। जीवों वनस्पतियों की अद्भुत दुनिया के संग इठलाने लगी है। कभी बड़े कैंचमैंट एरिया का पानी इसी बांध से होकर दि ल्ली सल्तनत के चौथे शहर जहांपनाह को सिंचित करता था। इस बारे में जानकारी देते हुए लिबर्टी शूज के एमडी शम्मी बंसल ने बताया कि अब तक सवा चार सौ करोड लीटर अमृत तुल्य पानी धरा की कौख को सिंचित कर चुका है। 40 एकड़ में फैले सतपुला पार्क अब पिकनिक स्पार्ट के रूप में विकसित हो चुका है। यहां पर झील तथा दूसरी तरफ डीडीए ने व्यू प्वाइंट बना रखा है। साल 2022 तक झील केवल नाम था सूख चुकी झील के आसपास बच्चों के लिए खेल का मैदान था। राजस्थान में चैक डेम बनाकर भूगर्भ जल को सिंचित करने वाली रोटरी क्लब ने लिबर्टी शूज के सहयोग से इसे पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी ली। इस भागीरथी प्रोजेक्ट को डीडीए और दिल्ली जल बोर्ड के सहयोग से काम शुरू किया। लिबर्टी शूज के एमडी शम्मी बंसल ने बताया कि इस को दो साल में पूरा कर दिया। इसे अब डीडीए को सुपुर्द कर दिया। श्री बंसल ने बताया कि झील को पुनर्जीवित करने राह में सबसे बड़ी चुनौति पानी के स्त्रोत की थी। भूगर्भजल का स्तर साठ मीटर नीचे था। ऐसे में बगल से गुजरने वाले सतपुला नाले के पानी को शोधित कर झील में डालने का निर्णरू लिया गया। इसके लिए ईको इंजीनियर्ड अरण्यदीप और कंस्ट्रक्शन वेटलैंड सिस्टम स्थापित किए गए।

80 हजार शुल्क जमा करवाने के बाद भी आरटीआई एक्टिविस्ट को नहीं दी पूरी जानकारी

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र, 29 जून। सूचना का अधिकार का तात्पर्य है सूचना पाने का अधिकार, सरकार ने आम आदमी के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) लागू भी कर दिया लेकिन जिम्मेदार अधिकारी सूचना के अधिकार का खुलेआम उल्लंघन करते देखे जा सकते है। जिम्मेदार अधिकारी आरटीआई में जानकारी देने से बचते है और अगर कोई आवेदक अपील में चला जाए तो यह अधिकारी आधी अधूरी जानकारी दे कर अपना पल्ला झा? लेते है। आरटीआई में जानकारी लेने वाला कितने कष्ट में है इसका ताजा मामला मुख्यमंत्री की कर्मभूमि के जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी विभाग से जु?ा है। विभाग के बेखौफ अधिकारी कैसे एक आरटीआई एक्टिविस्ट से 80 हजार रुपये जमा करवाने के बाद भी पूरी जानकारी नही दे रहे। आरटीआई एक्टिविस्ट अरोड़ा बताते है कि उन्होंने 30 जनवरी 2025 को कार्यकारी अभियंता जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी विभाग कुरुक्षेत्र में सरकारी नियमानुसार आरटीआई लगाई थी जिसके लिए नियमानुसार सरकारी फीस का पोस्टल आर्डर भी लगाया था। जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी विभाग कुरुक्षेत्र ने 3 फरवरी को उन्हें दो पत्र एक ही दिन में लिख दिए जिनके रेफरेंस नंबर अलग अलग थे। एक पत्र में उन्होंने सूचना देने के नाम पर 85000 रुपये मांग लिए उसी दिन के दूसरे पत्र में उन्होंने अपने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि तय समय सीमा में सूचना उपलब्ध करवाए और सूचना के लिए कितने पैसे जमा करवाने है वो भी बताया जाए। कमाल की बात तो यह है दोनों पत्र एक ही दिन लिख दिए जो अपने आप में ही अजूबा है। सरकारी अधिकारी कानून को अपने हिसाब से कैसे तोड़ते है यह इनके हाथ में है। आवेदक ने भी हार न मानते हुए विभाग में 14 फरवरी 2025 को 10 हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करवा कर विभाग को पत्र के माध्यम से निवेदन किया कि पैसे किस हिसाब से मांगे है। कृपया बताया जाए लेकिन विभाग के अधिकारियों के कान पर जूं नही रेंगी और विभाग ने पत्र लिखा की बकाया पैसे जमा करवाए। कानून तो?ने वाले अधिकारीयों से हार कर प्राथी ने 70 हजार 5 मार्च 2025 को बैंकर चेक बनवा कर जमा करवा दिया लेकिन विभाग ने पैसे लेने के बाद भी सूचना उपलब्ध नही करवाई।

गाद से भरे नाले को खुलवाने पहुंचे पार्षद मनीष बेनीवाल

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालखा, 29 जून। विधायक मनमोहन भ?ाना ने काफी पहले नपा अधिकारियो को मानसून से पहले शहर में जल भराव की स्थिति से निपटने के उद्देश्य से निर्देश दिए थे कि बारिश शुरू होने से पहले ही नपाअपने क्षेत्र के नालों की सफाई करा लें। जिससे बारिश में जलनिकासी व जलभराव की समस्या न हो। पर अभी तक यहां नाला सफाई नहीं कराई गई थी। जबकि बारिश का समय है। मानसून भले न आया हो, पर नाला सफाई पहले होनी चाहिए थी। सफाई न होने को लेकर वार्डवासियों में बारिश के समय जलभराव की आशंका सता रही थी। बार-बार वार्ड पार्षद एवं अधिकारियों को वार्ड वासी गुहार लगा चुके थे। शहर में गंदे नाले में कीच भरा होनें के कारण शहर वासी नपा अधिकारियों वार्ड पार्षद से बार-बार सीवर लाइन बिछाने की मांग कर रहे थे। ऐसे में वार्डवासियो की समस्या के मद्देनजर वार्ड 10 पार्षद मनीष बेनीवाल ने बीड़ा उठाया। इसी क?ी में रविवार बारिश के मौसम में जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याओं से बचने के लिए वार्ड पार्षद मनीष बेनिवाल नें वार्ड 10 और 11 के अंतर्गत नाले की सफाई कराई। इस दौरान वार्ड 10 से पार्षद मनीष बेनीवाल ने बताया कि बार-बार वार्डवासियो की जल भराव की समस्या की शिकायत मिल रही थी। जिसको लेकर रविवार को विशेष अभियान चला कर नालो की सफाई की गई। नालो में करीब चार से पांच फुट तक गाद जमी हुई हैं।

महिला की हत्या की वारदात का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 29 जून। गंगाराम कॉलोनी में किराए पर रह रही यूपी के फिरोजाबाद जिले के केलई गांव निवासी महिला ऊषा 40 की हत्या की वारदात का पर्दाफास कर सीआईए वन पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान यूपी के बदायू जिले के अमरदई गांव निवासी महेंद्र पाल के रूप में हुई है।

सीआईए वन प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि 27 जून को सुबह गंगाराम कॉलोनी में किराए के कमरे में यूपी निवासी महिला ऊषा का शव मिला था। मकान मालिक काबडी गांव निवासी सलिंद्र पुत्र जगपाल ने थाना पुराना औद्योगिक में शिकायत देकर हत्या का अभियोग दर्ज कराया था।

सालिंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसने गंगाराम कॉलोनी पीपल वाली गली में मकान बनाकर कमरे किराए पर दिए हुए हैं। कमरा नंबर 25 में करीब डेढ़ माह से उषा देवी किराए पर रह रही थी। उसके साथ यूपी के शहजानपुर के रामपुरा का महेंद्र पाल नाम का युवक भी रहता था। दोनों की आपस में अक्सर कहासुनी होती रहती थी। 27 जून को सुबह वह मकान पर आया तो बाहर एक साड़ी बंधी हुई थी। कमरा नंबर 25 में गया तो उषा का शव पड़ा था। पास में खून बिखरा था। महेंद्र पाल कमरे पर नहीं था उसे शक है कि महेंद्र पाल ने तेज हथियार से उषा की हत्या की है।

पुलिस ने महिला का शव सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया था। शनिवार को परिजन पानीपत पहुंचे। शव की शिनाख्त पश्चात पोस्टमार्टम करवा जनसेवा दल की मदद से मृतका के शव का अंतिम संस्कार कर दिया था, और आरोपी धरपकड़ शुरू कर दी थी।

आज समाज को संतों के मार्गदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत : सुभाष बराला

स्वामी राघवानंद बोले- अब वह युवा चरित्र निर्माण पर करेंगे काम

अर्थ प्रकाश/सुरेश सिसोदिया

जींद, 29 जून। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि संत महात्माओं ने समाज को न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन दिया, बल्कि सामाजिक सुधार, शिक्षा, और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, हमेशा लोगों को धर्म और आध्यात्मिकता का सही मार्ग दिखाया है। संतों का जीवन सनातन धर्म को आगे बढ़ाने व समाज परोपकार के लिए समर्पित रहा है द्य उन्होंने यह बात शनिवार देर सांय स्वामी द्योतराम महाराज की 82 वीं पुण्यतिथि पर पाण्डु पिंडारा तीर्थ के सत्संग भवन में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कही।

कार्यक्रम में वशिष्ठ अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा है कि आज समाज को संतो के मार्गदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत है। आज यहां पांडू पिंडारा में प्राचीन पांडू मंदिर में आयोजित संत सम्मेलन में बोलते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा कि भगवान को भी ऋषियों के मार्गदर्शन की जरूरत पड़ती रही है और रामायण और महाभारत इसके जीते जागते प्रमाण हैं। स्वामी राघवानंद जी महाराज द्वारा स्वामी द्योतराम की 82वीं पुण्यतिथि पर आयोजित संत सम्मेलन में मुख्य रूप से स्वामी रामेश्वरानंद, स्वामी जीत्वानंद, स्वामी नवल किशोर ने भी मुख्य रूप से भाग लिया। आज के इस कार्यक्रम में आरएसएस के जिला प्रचारक, जिला परिषद चेयरपर्सन के प्रतिनिधि कुलदीप रंधावा, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का काम कर रही है। उन्होंने संतो द्वारा पांडू पिंडारा तीर्थ के विकास पर जोर देने के लिए कोई वायदा करने से तो इंकार किया लेकिन कहा कि इस पर उन्होंने होमवर्क नहीं किया है। लेकिन इस तीर्थ के विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहेगी।

स्वामी राघवानंद जी महाराज ने संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आश्रम में जो काम निर्माण संबंधी होना था, वह लगभग अब हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब वह युवा निर्माण पर जोर देंगे और आने वाले समय में इसके परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि संस्कार आज की सबसे बड़ी जरूरत है और इस कार्य में प्रथम गुरु से लेकर सप्तम गुरु तक सभी को योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पांडू पर डाला तीर्थ आज भी चमत्कार दिखाता है और अगर इसमें साफ सफाई पर ध्यान दिया जाए तो यह चमत्कारों की खान हो जाएगा। संत सम्मेलन से पहले यहां 48 घंटे के अखंड अमृतवाणी पाठ का भोग लगाया गया। संत सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में साधु संतों ने भाग लिया। राजस्थान और पंजाब से बड़ी संख्या में संत आए हुए थे। इस अवसर पर विशाल भंडारे का अभी आयोजन किया गया।

नीतीश कुमार के नेतृत्व को और अधिक मजबूती देना अत्यंत आवश्यक : उमेश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटना, 29 जून। बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने आज कहा कि न्याय के साथ विकास की गति निरंतर आगे बढ़ती रहे, इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को और अधिक मजबूती देना अत्यंत आवश्यक है।

श्री कुशवाहा ने रविवार को यहां जदयू की ओर से 29 जून से 14 जुलाई तक राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित की जा रही पंचायतवार, वार्डवार बूथ समिति के द्वितीय चरण की बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुये कहा कि न्याय के साथ विकास की गति निरंतर आगे ब?ती रहे, इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व को और अधिक मजबूती देना अत्यंत आवश्यक है।

श्री कुशवाहा ने बूथ समिति के सभी सदस्यों से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ाएं और श्री कुमार की नीतियों, विकास कार्यों एवं विचारों को घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि ''2025 में 225 और फिर से नीतीश'' के संकल्प को साकार करने के लिए पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ निभानी है।

बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने आज कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का अल्पसंख्यकों के प्रति हमदर्दी महज दिखावा है, जो केवल राजनीतिक स्वार्थ और वोट बैंक की लालसा से प्रेरित रहा है।

श्री कुशवाहा ने रविवार को यहां बयान जारी करते हुए कहा कि परिवारवाद की मानसिकता रखने वाले लोग समाज के सच्चे हितैषी नहीं हो सकते, और बिहार की जनता इस सच्चाई को भली-भांति समझ चुकी है।उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल के 15 वर्षों में अल्पसंख्यकों के वास्तविक सशक्तिकरण के लिये ऐसा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं हुआ, जिसे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भागलपुर दंगे के मुख्य आरोपी को संरक्षण दिया और उसे सार्वजनिक मंच पर सम्मानित कर अल्पसंख्यक समाज की भावनाओं को गहरा आघात पहुँचाया, जिसे समाज आज तक नहीं भूल पाया है।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों की रक्षा, उनके सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं, वे पूरे देश में अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में जहाँ अल्पसंख्यक कल्याण बजट मात्र 3.53 करोड़ था, वह अब बढ़कर 1004.22 करोड़ से अधिक हो चुका है, जो इस दिशा में सरकार की संकल्पबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने उर्दू शिक्षकों की नियुक्ति, मदरसा शिक्षकों को वेतनमान, 8000 से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी, मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना, तालिमी मरकज की स्थापना तथा मदरसों के समुचित विकास जैसे ठोस कदम उठाकर अल्पसंख्यक समाज को मजबूत आधार प्रदान किया है। इन प्रयासों के माध्यम से अल्पसंख्यक समाज को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिये अनेक लोककल्याणकारी योजनाएं चलाई गई हैं, जो नीतीश सरकार की दूरदर्शी सोच और 'न्याय के साथ विकास' की नीति को प्रतिबिंबित करती हैं।

केशव महाराज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले स्पिनर बने

बुलावायो (अप्रस)। जिम्बाब्वे के खिलाफ क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे टेस्ट मैच में कप्तान केशव महाराज ने इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले स्पिन गेंदबाज बन गए। केशव महाराज ने रविवार को जिंबाब्वे के क्रेग एर्विन को आउट कर टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे किए। महाराज ने यह उपलब्धि अपने 59वें टेस्ट में हासिल की है। जिम्बाब्वे की पहली पारी में महाराज ने तीन विकेट लिए। टेस्ट में महाराज के अब 202 विकेट हो गए हैं। महाराज टेस्ट करियर में 11 बार एक पारी में पांच विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा, छह बार वह एक पारी में चार विकेट ले चुके हैं। एक पारी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 129 रन देकर नौ विकेट है। वहीं, एक मैच में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 283 रन देकर 12 विकेट है। टेस्ट में 200 विकेट लेने वाले केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका के नौवें गेंदबाज हैं। देश के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज डेल स्टेन हैं। उन्होंने 93 मैचों में 22.95 की औसत से 439 विकेट लिए हैं।

भारत के खिलाफ पहले टी-20 मैच में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड महिला टीम पर जुर्माना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 29 जून। भारत के खिलाफ शनिवार को खेले गए पहले टी20 मैच में इंग्लैंड महिला टीम को हार का सामना करना पड़ा था। हार के साथ इंग्लैंड टीम पर धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

इंग्लैंड ने गेंदबाजी के दौरान निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके थे। इस वजह से टीम पर जुर्माना लगाया गया। आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल की हेलेन पैक ने यह जुर्माना लगाया।

मैदानी अंपायर जैकलीन विलियम्स और जेम्स मिडलब्रुक, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और चौथे अंपायर अन्ना हैरिस ने आरोप तय किए। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपराध और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनकी टीम द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

नॉटिंघम में खेले गए मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारतीय टीम ने कप्तान स्मृति मंधाना के पहले टी20 शतक (62 गेंद में 112 रन) की बदौलत 5 विकेट पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। शतक लगाते ही स्मृति मंधाना भारत की पहली महिला बल्लेबाज बन गई, जिनके तीनों ही फॉर्मेट में शतक है।

भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ सबसे बड़ा टी20 स्कोर बनाया। 211 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड भारतीय टीम की घातक गेंदबाजी के सामने सिर्फ 14.5 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई और 97 रन से हार गई। इस प्रारूप में इंग्लैंड की रनों के अंतर के लिहाज से यह सबसे बड़ी हार थी।

इस मैच में भारतीय टीम की नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर नहीं खेली। इंजरी की वजह से वह बाहर थी। इसी वजह से उनकी जगह कप्तानी मंधाना ने की।

न्यूज ब्रीफ

15वीं श्री खाटू श्याम यात्रा का अयोजन

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अरविंद मोहन शर्मा)। श्री श्याम दिवाने सेवा मंडल द्वार 15वी खाटू श्याम यात्रा का आयोजन बड़ी धूम धाम से किया गया। इस अवसर पर धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के श्रधालुओ को बाबा श्री खाटू श्याम जी और श्री बाला जी महाराज के शुभ दर्शन करवाये। यात्रा की शुरुआत 28 जून को हुई। धर्मक्षेत्र से लगभाग 41 लोगो ने यात्रा का लाभ उठाया और खाटू श्याम और बलाल जी के दर्शन कर अपना जीवन सफल बनाया। संस्था के वरिष्ठ पद अधिकारी श्री दिवाकर बंसल जी ने बताया कि यह 15वीं बस यात्रा श्री श्याम दीवाने सेवा मंडल द्वार अयोजित की गई है। इस प्रकार की धार्मिक यात्रा का आयोजन इनकी संस्था समय समय पर करवाती रहती है। दिवाकर जी ने यह भी बताया कि श्याम दीवाने एक ऐसी संस्था है जो हमेशा सेवा समर्पित रहती है। उनके द्वारा गरीब कन्याओं का विवाह, गरीब परिवार को खाने की सेवा, गरीब बच्चों को पढ़ाई में योगदान, इत्यादि सेवा निरंतर की जाती है. भूखे को अन्न प्यासे को पानी उपलब्ध करवाने की सच्ची निष्ठा से ईमानदारी से काम करती है।उन्हें बताया कि भगतो की इच्छा से इस यात्रा की योजना बनाई गई है। धर्मक्षेत्र के भक्तों ने यात्रा का खूब आनंद लिया। इस अनमोल अवसर पर अजय शर्मा, दिवाकर बैसाख, अनिमेष शर्मा, निर्मल अरोड़ा, कंचन शर्मा, कंचन शर्मा, सरोज शर्मा, सुनील अरोरा, नीव , कंचन शर्मा आदि गणमान्य व्यक्ति मोजुद रहे।

पेड़ पर्यावरण के रक्षक, हवा को बनाते हैं स्वच्छ

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। पर्यावरण संरक्षण के साथ अपने संस्कारों का समावेश करने के उद्देश्य से एक पेड़ मां के नाम अभियान में पार्षद मनीष बेनिवाल नें शहर के गोल?न पार्क में वार्ड वासियो के साथ मिलकर पौधरोपण किया। इस अवसर पर पार्षद मनीष बेनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत को हरित बनाने व आस पास हरियाली लाने को अपनी ज़िम्मेदारी समझते हुए पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण व वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण को हरित व प्रदूषण रहित रखने का संदेश दिया। उन्होंने युवापीढ़ी को अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। पेड़ पर्यावरण के रक्षक हैं,ये हवा को स्वच्छ बनाते हैं, वायु, जल व ध्वनि प्रदूषण से कई बीमारियां होती हैं जिसे रोकना जरूरी है। पर्यावरण असंतुलन से दुनियां चिंतित है। समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो मानव जीवन संकट में पड़ सकता है। हमें भी पौधरोपण का संकल्प लेना चाहिये। नदियों को प्रदूषण से बचाना चाहिए। प्लास्टिक का उपयोग बंद करना चाहिए। पर्यावरण बचाने के लिए सभी को ठोस कदम उठाने होंगे।

निशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर का आयोजन

अम्बाला (अप्रस)। बराड़ा के संत द्वारा हरि मंदिर में आज एक निशुल्क फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य लोगों को विभिन्न प्रकार के शारीरिक दर्द और समस्याओं से राहत दिलाना था। शिविर में करीब 70 रोगियों की जांच की गई और उन्हें फिजियोथैरेपी की विधियों के माध्यम से उपचार दिया गया। इस अवसर पर पार्षद अमित मक्कड़, नलनीस कालड़ा और सुरेश मक्कड़ ने बताया कि यह शिविर खासतौर पर बराड़ा के लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और उपचार की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। शिविर में घुटनों के दर्द, पीठ के दर्द और अन्य शारीरिक समस्याओं का इलाज किया गया। शिविर में फिजियोथैरेपी की कई विशेष तकनीकों का इस्तेमाल किया गया, जिससे रोगियों को तत्काल राहत मिली।

धरतीपुत्र कर्ज में दबने के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर : कसाना

आरोप- किसानों केम्मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार गंभीर नहीं

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 29 जून। युवा भाकियू चढूनी हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना ने कहा कि किसान मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार गंभीर नहीं है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य, महंगाई जैसी समस्याएं आने वाले समय में विकराल रूप धारण करेंगे। किसान कर्ज में दब चुका है ऐसी स्थिति में उसे आत्महत्या करनी पड़ रही है। विक्रम कसाना उत्तराखंड के जनपद हरिद्वार में आयोजित भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर के समापन के बाद आज ढांड में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की केन्द्र सरकार को सत्ता चलाते हुए 11 वर्ष पूर्ण हो गए हैं, लेकिन देश का किसान, मजदूर, आदिवासी, दलित, शोषित, पिछडा वर्ग आज भी अपने वजूद को तलाश रहा है। हक व अधिकारों से वंचित यह सभी वर्ग केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर अपने कई सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश का किसान पिछले कई वर्षों से एमएसपी को गारंटी कानून बनाने की मांग कर रहा है। सरकार के द्वारा एमएसपी को गारंटी कानून का दर्जा आज तक क्यों नहीं दिया गया और साथ ही स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को आज तक लागू क्यों नहीं किया गया। संपूर्ण कर्ज माफी फसलों के वाजिब भाव न होना देश के किसान, मजदूर को कर्ज लेने पर मजबूर कर रहे हैं। सरकार की असफल नीतियों का खामियाजा देश के कई महत्वपूर्ण वर्ग झेल रहे हैं।

चुनिंदा उद्योगपतियों का कर्ज बिना किसी सार्वजनिक सूचना के माफ कर दिया जाता है, लेकिन देश के किसान का संपूर्ण कर्ज क्यों माफ नहीं किया जा रहा है। किसान नेता विक्रम कसाना ने कहा कि भूमि अधिग्रहण-राष्ट्रीयकृत हाईवे और संस्थाओं के नाम पर देशभर में अधिग्रहण का कार्य जोरो-शोरों से चला हुआ है। कारपोरेट घराने अपनी मनमर्जी से जमीनों का अधिग्रहण कर रहे हैं। सरकार के द्वारा 2013 में बनाए गए भूमि अधिग्रहण एक्ट को भी अप्रभावी साबित कर दिया गया है। जीएसटी मुक्त खेती-देश का किसान कोरोना जैसी महामारी के समय पर भी अन्न उत्पादन कर देश का पेट भर रहा था, लेकिन दुर्भाग्य है कि खेती में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं पर देश के अन्नदाता को जीएसटी देना पड़ता है। प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना देश का किसान प्रत्येक वर्ष प्राकृतिक आपदाओं का शिकार होता है, जिसका सीधा प्रभाव देश के खाद्यान्न और आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। उसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का भी लाभ नहीं मिल पाता है। कागजों में यह योजना पूर्ण रूप से कार्य कर रही है, लेकिन धरातल पर यह अप्रभावी है। इस मौके पर उनके साथ कई किसान मौजूद थे।

फ़ोर्टिस के डॉक्टरों ने साझा किए तनाव से निपटने और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के अपने तरीके

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। जैसे ही 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे मनाया जा रहा है, फ़ोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने डॉक्टरों के जीवन के एक अत्यंत महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर नज़रअंदाज़ किए जाने वाले पहलू–उनके अपने मानसिक स्वास्थ्य–पर प्रकाश डाला।

डॉ. अतुल जोशी, डायरेक्टर, जनरल सर्जरी, लैप्रोस्कोपिक व ऑन्कोलॉजी सर्जन, फ़ोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली ने कहा कि अनगिनत कार्य घंटे, मजबूत कार्य संस्कृति, मरीजों के लिए हर समय उपलब्ध रहना, एक बेहद समझदार पत्नी और समर्पित टीम–ये सभी मेरे पिछले 17 वर्षों के सफर को संभव बना पाए। मेरे लिए सर्जरी करना कभी 'काम' नहीं रहा, बल्कि यह मेरे लिए पूजा के समान है। नियमित छोटे मेडिटेशन सेशन और योग मेरे जीवन में जादू की तरह काम करते हैं। साल में दो बार मैं अवकाश लेकर देशभर के ज़रूरतमंद लोगों की सेवा करने के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविरों में भाग लेता हूँ।

डॉ. हरदीप सिंह, सीनियर कंसल्टेंट, डिपार्टमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ का कहना है कि भले ही डॉक्टरों को संकट प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जाती है, लेकिन मानसिक और भावनात्मक असर बहुत गहरा होता है।

हर जीवन जिसे हम छूते हैं, हमारे भीतर एक छाप छोड़ता है। इसलिए मैं प्रतिदिन ध्यान और पठन का अभ्यास करता हूँ– यह मुझे अपनी भावनाओं को समझने और मानसिक रूप से संतुलित रहने में मदद करता है। वे शाम के समय संगीत सुनना भी बेहद पसंद है, जिससे वे गंभीर क्लीनिकल घंटों के बाद खुद को शांत और तरोताज़ा महसूस करते हैं।

डॉ. स्वप्ना मिसरा, डायरेक्टर, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ने कहा, डॉक्टर होना एक सौभाग्य है, लेकिन इसका दबाव कभी खत्म नहीं होता। मैं बागवानी और शाम की सैर के माध्यम से खुद को रिलैक्स करती हूँ–ये छोटे लेकिन प्रभावशाली आत्म-देखभाल के तरीके हैं। डॉ. मिसरा को एडवेंचर स्पोर्ट्स का भी शौक है, और जब भी समय मिलता है, वे अपने व्यस्त दिनचर्या से ब्रेक लेकर उसमें भाग लेती हैं। इन सभी डॉक्टरों ने इस बात पर जोर दिया कि डॉक्टर्स डे पर प्रशंसा तो अच्छी लगती है, लेकिन डॉक्टरों को सबसे ज़्यादा ज़रूरत एक सहयोगात्मक कार्य वातावरण की होती है, जो उन्हें फ़ोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली में मिलता है। यहां उन्हें भावनात्मक रूप से संभलने, साथियों से सहयोग पाने और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं की पूरी व्यवस्था है।

जैन धर्म तार्किक और वैज्ञानिक आधारों को प्रमाणित करता है : डा. सरिता

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 29 जून। जैन साध्वी डा. सरिता ने आज 36 साल बाद हनुमान गली के एस एस जैन सभा के जैन स्थानक में प्रवचन दिए। उन्होंने रिमझिम बारिश के दौरान प्रवचन दिए। उन्होंने अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने कहा कि उस समय अर्वन एस्टेट नहीं था। उन्होंने बताया कि इससे पहले उन्होंने 1972 और 1989 में चातुर्मास किया था। उसके बाद वह यहां पर पहुंचीं हैं। उस समय की यादें उन्होंने ताजा कीं। करनाल में वह चार महीने तक रहेंगी। वह अपनी शिष्याओं के साथ यहां पहुंचीं। यहां पर जैन साध्वी ने कहा कि वह जैन आचार्य शिब मुनि के संघ में हैं। इस संघ में लगभग 1300 जैन साध्वी और साध्वियां हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने कहा कि वह करनाल प्रवास के दौरान युवाओं को जैन धर्म के नजदीक लाएंगी। उन्होंने कहा कि जैन धर्म तार्किक और वैज्ञानिक हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की तरफ सभी की निगाहें लगी हुई हैं। विश्व में जो भी समस्याएं हैं उनका निदान जैन दर्शन से ही हो सकता है। इसकी प्रमाणिकता कौविड के दौरान साबित हो गई थीं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की तरफ युवा भी आकर्षित हो रहे हैं। जैन महासाध्वी डा.. सरिता के साथ डा. शुभा जी महाराज, महा साध्वी ऊषा जी महाराज थीं। इस अवसर पर अशोक जैन, नवीन जैन, विनोद जैन, परमीत जैन, सतीश जैन, सुभाष जैन, संयम ज्ैन, विक्की जैन, संजय जैन, ललित जैन, सौरभ जैन, प्रेम जैन,सचिन जैन, कल्ली जैन, कर्मबीर चौहान, गौरव जैन,मनोज जैन, मुदित जैन, रिषू, कल्ली, विक्की, जिनेश, विकास ने जैन साध्वियों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर जैन भजन सुधा जैन तथा मंजू जैन ने प्रस्तुत किए। उसके बाद प्रवीण और पवन जैन ने भजन गाए। कार्यक्रम करा संचालन नवीन जैन ने किया।

एनएचपीसी ने पंप स्टोरेज और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए आईओसीएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंप स्टोरेज और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास हेतु एनएचपीसी व आईओसीएल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरानएनएचपीसी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री आर.के. चौधरी, निदेशक (वित्त) श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (तकनीकी) श्री सुप्रकाश अधिकारी, कार्यपालक निदेशक (एसबीडी एंड सी) व महाप्रबंधक (एसबीडी एंड सी) तथा आईओसीएल के निदेशक (पी एंड बीडी) व मुख्य महाप्रबंधक (एसडी)।

फरीदाबाद, 29 जून। एनएचपीसी ने 27 जून 2025 को भारत और विदेशों में संयुक्त उद्यम मोड में पंप स्टोरेज और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास तथा इन क्षेत्रों में नए अवसरों की खोज के लिए आईओसीएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एनएचपीसी की ओर से कार्यपालक निदेशक (एसबीडी एंड सी) श्री रजत गुप्ता और आईओसीएल की ओर से कार्यपालक निदेशक (एसडी) श्री प्रवीण डोंगरे ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एनएचपीसी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक श्री आर.के. चौधरी, निदेशक (वित्त) श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (तकनीकी) श्री सुप्रकाश अधिकारी, महाप्रबंधक (एसबीडी एंड सी) तथा आईओसीएल के निदेशक (पी एंड बीडी) श्री सुमन कुमार एवं श्री मनोज नंदा, मुख्य महाप्रबंधक (एसडी) उपस्थित थे। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एनएचपीसी और आईओसीएल के बीच दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा देना है, ताकि इस क्षेत्र में अवसरों की खोज की जा सके और देश तथा विदेशों में पंप स्टोरेज, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का विकास किया जा सके। इस सहयोग से दोनों कंपनियों के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के तेजी से विस्तार के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

सरकार सबको साथ लेकर चलते हुए करवा रही एक समान विकास कार्य : रणबीर गंगवा

अर्थ प्रकाश/सुकरमपाल

रोहतक, 29 जून। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ प्रदेश के सभी हिस्सों में एक समान कार्य करवाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा स्थानीय गुरू नानकपुरा में 24 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित बरसाती जल डिस्पोजल केन्द्र के उद्घाटन के उपरांत उपस्थितगण को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रोहतक शहर की भौगोलिक स्थिति कटोरानुमा है तथा वर्षा के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव हो जाता था। सरकार द्वारा नागरिकों की इस समस्या के निदान के लिए बरसाती जल डिस्पोजल सैंटर का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर में नल व नल में स्वच्छ जल के सपने को साकार करने की दिशा में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा स्वच्छ पेयजल, बेहतर सीवर व्यवस्था व बरसाती जल निकासी के प्रबंधों को निरंतर बेहतर किया जा रहा है। भविष्य में भी सरकार द्वारा नागरिकों को सभी मूलभूत बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि लगभग 24 करोड़ रूपए की धनराशि से निर्मित डिस्पोजल से महावीर कॉलोनी, सैनीपुरा, संजय कॉलोनी, न्यू चमनपुरा कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी और साई दास कॉलोनी आदि क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। डिस्पोजल केंद्र में एक बड़ा एकीकृत टैंक बनाया गया है। डिस्पोजल में तीन स्क्रीनिंग चैंबर भी बनाए गए हैं तथा इसके अलावा तीन इनलेट चैंबर बनाए गए हैं। डिस्पोजल केंद्र में एक नाबदान, पांच नॉन क्लॉग सीवरेज सबमर्सीबल पंप, 5 स्प्लिट केसिंग होरिजेंटल सीवरेज पंप, एक पंप चैंबर, 4 डीजे सेट, दो ट्रांसफार्मर, स्टार्म लाइन तथा एचडीपीई पाइपलाइन लगाई गई है। रणबीर गंगवा ने कहा कि पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर लगातार इस क्षेत्र के नागरिकों की चिंता करते हैं तथा हमेशा लोगों की परेशानियों को दूर करवाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर के प्रयासों से ही इस डिस्पोजल का निर्माण हुआ है। इस डिस्पोजल को जल्द तैयार करवाने के लिए पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने अथक मेहनत की है। डिस्पोजल का कार्य जल सम्पन्न करवाने के लिए मनीष कुमार ग्रोवर निरीक्षण के लिए एक बार यहां पर तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल को भी लेकर आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पीने के पानी व सीवरेज इत्यादि की सभी समस्याओं को दूर किया जा रहा है। पूर्व मंत्री द्वारा इस क्षेत्र की मांग के अनुसार नई परियोजना तैयार करवाकर उन्हें धरातल पर लागू करवा रहे हैं। बॉक्स रोहतक की जनता की समस्याओं का किया जाए निरंतर समाधान - पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री से कहा कि वे निरंतर इस क्षेत्र के नागरिकों की पानी, सीवर व जल निकासी से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों से सीवर इत्यादि की समस्या के बारे में बातचीत कर सरकार को एक प्रोजेक्ट भेजा है, जिसे सिरे चढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सबका साथ-सबका विकास व सबका विश्वास के साथ निरंतर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कालोनियों में वर्षा के जल की निकासी के लिए उन्होंने इस परियोजना को सरकार को भेजा था, जिसे आज धरातल पर लागू कर दिया गया है। इस क्षेत्र की समस्या का पूर्व मंत्री बनवारी लाल ने निरीक्षण किया था तथा आज डिस्पोजल सैंटर के निर्माण के साथ लोगों को बड़ी सौगात मिली है। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष सतीश नांदल, पार्षद सुरेश किराड़, कपिल नागपाल, अंजू सैनी, निर्मल बैरागी, मंडल अध्यक्ष रॉकी सहगल, बबीता, राजीव भाकर, हैप्पी अनिल, संजय दुरेजा, सुभाष सौलंकी, धर्मसिंह प्रजापति व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

▲ अधिकतम 29 डिग्री से.
डिग्री से. 25 न्यूनतम ▼
सूर्योदय 5.23 बजे
सूर्यास्त 7.30 बजे

सोना 24 कैरेट	97,570.00
सेंसेक्स	84,058.90
अमेरिका	85.49
कैनेडियन	62.38
आस्ट्रेलिन	55.76

अगले चार दिन भारी बरसात की आशंका, चंडीगढ़ में हुई 119 एमएम बारिश

- चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली व जीरकपुर के कई इलाकों में सड़कों व घरों में घुसा पानी
- ट्रैफिक भी शनिवार रात से हो रही बारिश के चलते रैंग रैंग कर चल रहा
- कुछ इलाकों में पेड़ भी गिरे, बिजली सेवा भी हुई ठप

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 जून। ट्राईसिटी में शनिवार शाम से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला रविवार सुबह तक जारी रहा। ट्राईसिटी के अधिकांश इलाकों में अच्छी खासी बारिश हुई जिसके बाद लोगों को कई दिन से चल रही हुमस से छुटकारा मिला। चंडीगढ़ में बीते 24 घंटे में 119 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई है। बीच में तेज धूप निकलने से काफी ह्यूमीडिटी हो गई थी जिसके कारण लोग पसीने से तरबतर रहे। गर्मी से तो छुटकारा मिला और तापमान बारिश के बाद तेजी से नीचे गिरा लेकिन चंडीगढ़ सहित पंचकूला, मोहाली व जीरकपुर के कई इलाकों में इस बारिश के बाद पानी भर गया। बारिश के चलते बहुत से इलाकों में बिजली भी उड़ गई सडक़ों पर वाहन शनिवार देर रात तक रैंगते दिखाई दिये और कई जगह जाम की स्थिति भी बनी रही। उधर चंडीगढ़ नगर निगम के रोड-गलियों को साफ करने के दावे की भी पोल खुल गई। बहुत सी जगहों पर पानी भर गया। इंडस्ट्रियल एरिया एक में सीटीयू डिपो के करीब बने रेलवे अंडरब्रिज के नीचे प्रशासन ने एहतियातन पानी भरने के बाद ट्रैफिक बंद कर दिया। सेक्टर 26 बापूधाम और पुलिस लाइन के बीच हाल ही में पाइपलाइन डाली गई थी लेकिन उसे पक्का नहीं किया गया था जिसके चलते बारिश आने के बाद यहां गाडियां धंसने की सूचनाएं मिल रही हैं। यही हाल हल्लोमाजरा से पंचकूला की ओर जाने वाली सडक़ का है। जहां मौलीजागरां के पास साइडों पर पेवर ब्लॉक फैंसिंग लगाने का काम चल रहा है। खुदाई के चलते यहां मिट्टी सडक़ से नहीं उठाई गई जिसके चलते खूब कीचड़ हो गया और पानी भी रूक रहा है। सेक्टर 22, चंडीगढ़ में सरकारी मकान पर पेड़ भी गिर गया। गनीमत रही कि कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ। सेक्टर 38 में बारिश का पानी घरों के अंदर तक घुस गया। लोग बाल्टियां लेकर घरों से बाहर पानी निकालते दिखे। लोग नगर निगम के रोड गली साफ करने के दावों से बहुत नाराज दिखे और उन्होंने कहा कि अगर सफाई की होती तो घरों में पानी न घुसता। हर साल नगर निगम दावे करता है लेकिन एक अच्छी खासी बारिश ही उनके दावों की पोल खोल देती है।

बारिश के बाद तापमान में जोरदार गिरावट दर्ज की गई और शहरवासियों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को भारी बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन की और से शहरवासियों को सलाह दी गई है कि अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहें, अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें और जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतें।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार रात 10.30 बजे हल्की बारिश शुरू हुई, जो शनिवार देर रात तक जारी रही। सेक्टर-39 स्थित मौसम केंद्र में 34 एमएम जबकि एयरपोर्ट स्थित वेधशाला में 29.6 एमएम बारिश दर्ज की गई। शनिवार रात 11.30 बजे फिर से 29 एमएम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में चंडीगढ़ में 119 एमएम बारिश हो चुकी है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री नीचे रहा। हवा में नमी की मात्रा 95 फीसदी दर्ज की गई, जिससे उमस भी महसूस की गई।

मोहाली, पंचकूला व जीरकपुर में भी बुरे हाल

मोहाली व पंचकूला के कई इलाकों में भी बारिश के बाद जबरदस्त पानी भर गया। यहां भी नगर निगम के दावों की पूरी पोल खुली दिखाई दी जब सडक़ों पर खूब जमा पानी दिखाई दिया। स्कूटर-मोटरसाइकिल व साइकिल से चलने वालों को इस दौरान खूब परेशानी हुई। बड़ी गाडियां उन पर छींटे मारकर निकलती रही। जीरकपुर में मेन सडक़ों व गलियों में पानी भरने से जाम की स्थिति बनी रही। वाहन धीमी गति से चलते रहे जिससे ट्रैफिक पुलिस को व्यवस्था बनाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सबसे ज्यादा दिक्कत जीरकपुर की कालोनियों में लोगों को आ रही है। यहां सडक़ें पूरी तरह से टूटी पड़ी हैं और कई जगह तो सीवरेज के ढक्कन भी खुले पड़े हैं। पानी की निकासी के कोई प्रबंध नहीं हैं लिहाजा पानी सडक़ों पर मजा है। लोगों को इसी में से निकल कर जाना पड़ रहा है। यहां भी नगर कौंसिल की ओर से रोड गलियों से पानी निकासी के कोई प्रबंध दिखाई नहीं दिये। जीरकपुर व पंचकूला सहित चंडीगढ़ से गुजरने वाले नालों में भी इस बारिश के बाद उफान दिखाई दिया। लोगों को प्रशासन ने सचेत किया है कि इन नालों के आसपास न जाएं।

रविवार से मंगलवार तक बारिश

मौसम विभाग के निदेशक सुरेंद्र पाल ने बताया कि हवाओं की दिशा बदलने और अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण चंडीगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में अगले दो-तीन दिन अच्छी बारिश की संभावना है। रविवार और सोमवार को तेज बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री, न्यूनतम 24 डिग्री रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 जुलाई के बाद टर्फ लाइन बंगाल की खाड़ी से उत्तर प्रदेश के बजाय मध्य प्रदेश की ओर शिफ्ट हो जाएगी, जिससे मध्य भारत में बारिश बढ़ेगी,जबकि उत्तर भारत में बारिश थोड़ी कम हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

मानसून के मौसम में एसबीआई जनरल के मोटर इंश्योरेंस के साथ चिंता मुक्त होकर ड्राइव करें

चंडीगढ़ (अप्रस)। मानसून का मौसम ताज़गी भरी बारिश के ज़रिए बहुत ज़रूरी राहत लेकर आता है, लेकिन यह व्हीकल ओनर के लिए कई तरह की चुनौतियां भी पेश करता है। सड़कों पर पानी भर जाना, अप्रत्याशित बाढ़, फिसलन भरी सड़कें और कम दृश्यता से ड्राइविंग जोखिम काफ़ी बढ़ जाता है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस इस मौसम से जुड़ी अनूठी चिंताओं को पहचानता है और व्हीकल ओनर से सही मोटर बीमा कवरेज को पहले से ही सुरक्षित करने का आग्रह करता है। एक व्यापक मोटर बीमा पॉलिसी न केवल आपके वाहन को संभावित नुकसान से बचाती है, बल्कि आपको बारिश से भीगी सड़कों पर मन की शांति के साथ चलने का आत्मविश्वास भी देती है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री उदयन जोशी ने कहा, 卐मानसून वाहनों के लिए मुश्किल हो सकता है, लेकिन सही कवरेज और कुछ सावधानियों के साथ, सुरक्षित रहना और बिना किसी चिंता के मानसून का आनंद लेना संभव है। हम सभी व्हीकल ओनर से आग्रह करते हैं कि वे अपने बीमा की समीक्षा करें और सुनिश्चित करें कि यह पानी से होने वाले नुकसान जैसे मानसून-विशिष्ट जोखिमों से निपटने के लिए तैयार है।

महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन में एडीएएस फीचर्स और नया जेड8 टी वेरिएंट लॉन्च

चंडीगढ़ (अप्रस)। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी स्कॉर्पियो-एन में लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम पेश किया है। साथ ही नया जेड 8 टी वेरिएंट लॉन्च कर जेड 8 रेंज को और दमदार और सुलभ बना दिया है। इस मौके पर कंपनी ने स्कॉर्पियो-एन की तीसरी वर्षगांठ भी मनाई, जिसे अब तक 2.5 लाख से अधिक ग्राहक अपना चुके हैं। एडीएएस में स्पीड लिमिट असिस्ट और फ्रंट व्हीकल स्टार्ट अलर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं, जो महिंद्रा की किसी आईसीई एसयूवी में पहली बार दिए गए हैं। स्पीड लिमिट असिस्ट सड़क की गति सीमा के अनुसार अलर्ट देता है, जबकि फ्रंट व्हीकल स्टार्ट अलर्ट सामने खड़ी गाड़ी के चलने पर ड्राइवर को विजुअल, साउंड और हैप्टिक फीडबैक के जरिए सतर्क करता है। ये फीचर्स स्कॉर्पियो-एन की 5-स्टार जीएनसीएपी सेफ्टी रेटिंग को और मजबूती देते हैं।

चंडीगढ़ प्रशासन का ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम

उर्जा संरक्षण और सतत भवन कोड को अपनाने की प्रक्रिया शुरू की

- चंडीगढ़ इस दिशा में अग्रणी केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल हो गया है
- 1,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी नए भवनों को प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन को अधिकतम करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 जून। चंडीगढ़ ने पर्यावरण के अनुकूल शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर ने ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन कोड (ईसीएसबीसी) को अपनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे चंडीगढ़ इस दिशा में अग्रणी केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल हो गया है। इस कोड के लागू होने के बाद 1,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी नए भवनों को प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन को अधिकतम करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, ताकि कृत्रिम प्रकाश और एयर कंडीशनिंग पर निर्भरता कम हो। इस पहल का उद्देश्य बिजली और पानी की बचत, कुशल अपशिष्ट निपटान, और मिट्टी के संरक्षण को बढ़ावा देना है। नए नियमों में दीवारों, छतों और खिड़कियों में थर्मल इन्सुलेशन, ग्रीन रूफ और वर्टिकल गार्डन जैसी तकनीकों को प्रोत्साहन, और ऊर्जा खपत को कम करने के लिए स्वचालित एचवीएसी (हीटिंग, वेंटिलेशन, और एयर कंडीशनिंग) सिस्टम शामिल हैं। इसके अलावा, वास्तविक समय में ऊर्जा उपयोग की निगरानी के लिए बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम (बीएमएस) का व्यापक उपयोग किया जाएगा। केंद्र सरकार के तहत ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) ने हाल ही में ईसीएसबीसी को अधिसूचित किया है। चंडीगढ़ इझसे लागू करने की दिशा में काम शुरू करने वाला पहला केंद्र शासित प्रदेश है, और अगले छह महीनों में इसे लागू करने की उम्मीद है। वर्तमान में, शहर चंडीगढ़ ऊर्जा संरक्षण भवन कोड-2024 (सीईसीबीसी) का पालन करता है, जो बड़े भवनों में प्रतिवर्ष 20-30 फीसदी बिजली की बचत करता है। नया कोड स्थिरता पर जोर देता है, जिसमें कार्बन-आधारित डिज़ाइन, नेट-ज़ीरो उत्सर्जन, संसाधन दक्षता, स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग, और निर्माण स्थल पर ही अपशिष्ट प्रबंधन शामिल है। यूटी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मौजूदा कोड को ईसीएसबीसी से प्रतिस्थापित किया जाएगा हालांकि, इस प्रक्रिया में अभी कुछ समय लगेगा, क्योंकि नगर निगम और पर्यावरण विभाग जैसे विभागों को इस पूरी प्रक्रिया में शामिल करना होगा। जल्द ही एक संयुक्त समिति का गठन किया जाएगा, जो कोड के विशिष्ट प्रावधानों पर विचार-विमर्श करेगी। इसको लेकर एक महीने के भीतर सभी हितधारकों की बैठक होने की संभावना है।

अधिसूचना के बाद, इसे भवन उपनियमों में एकीकरण के लिए इस्टेट ऑफिस को भेजा जाएगा। चंडीगढ़ का यह कदम न केवल ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए एक मॉडल के रूप में भी उभरेगा।

चंडीगढ़ में तीसरी बार आर्किटेक्चर रीकनेक्ट समिट का सफल आयोजन

आर्किटेक्टों ने अपने विचार और नई तकनीक की जानकारी साझा की

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 जून। चंडीगढ़ में आर्किटेक्चर रीकनेक्ट समिट 2025 का एक दिवसीय आयोजन हुआ, जिसमे चंडीगढ़ और आसपास के अलावा अन्य शहरो के जैसे जानेमाने आर्किटेक्चरो ने हिस्सा लिया। सरब मारवाह प्रधान वास्तुकार सरब आर्किटेक्ट्स एवं और कंसल्टेंट्स, दिग्गविजय राजदेव प्रधान वास्तुकार दिग्गविजय आर्किटेक्ट्स, मोहिता वशिष्ठ पार्टनर क्रिएटिव कंसोर्टियम, इशान चोना निदेशक इमारात डिज़ाइनर्स, कार्तिक कपिला संस्थापक पर्पस डिजाइनलाइफ, वर्षा नंदवानी प्रधान वास्तुकार एबरेंस डिज़ाइन स्टूडियो, प्रेरणा कालेरू प्रधान वास्तुकार स्टूडियो अर्डेंटे, ध्रुव सर्वेश्वर लाल प्रधान वास्तुकार ध्रुव सर्वेश्वर लाल एंड एसोसिएट्स, हिमांशु सूरी प्रधान वास्तुकार आर्किटेक्ट सूरी एंड एसोसिएट्स, राहुल बंबा प्रधान वास्तुकार वास्तुकार राहुल बंबा, अमृत पंवार प्रधान वास्तुकार आर्किटेक्चर एन्यू, पूर्णिमा शर्मा प्रधान वास्तुकार एसडी शर्मा एंड एसोसिएट्स, रश्मी शर्मा प्रधान वास्तुकार स्याल एंड एसोसिएट्स, राजिंदर सिंह संधू प्रधान वास्तुकार फाउंटेनहेड, आशिमा वशिष्ठ सह-संस्थापक एवी कंसल्टेंट जैसे जानेमाने आर्किटेक्चरो ने पार्टिसिपेंट्स किया।

आयोजक अरमान खान के अनुसार इस समिट को सफल बनाने में उनके सहयोगी आशीष शर्मा, अमीना, प्राची, रितिका, शिवेश, छवि जैन ने अहम् भूमिका निभाई है।

समिट के आयोजक अरमान खान के अनुसार उनका यह 32 वा आर्किटेक्चर समिट है। पूर्व में वह नई दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, अहमदबाद, पुणे, कोलकता, हैदराबाद, बैंगलोर, चेन्नई, कोच्चि, चंडीगढ़, लुधियाना, गोहाटी, इंदौर, रांची, जम्मू कश्मीर के साथ ही दो बार नेपाल में भी कर चुके है।

ह्यूमन राइट्स सेफ्टी ट्रस्ट के तीन वर्ष पूरे होने पर केक काटा

वृद्ध आश्रम के सदस्य हुए भावुक, बुजुर्गों के साथ बिताया समय

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 जून। ह्यूमन राइट्स सेफ्टी ट्रस्ट के तीन वर्ष पूरे होने की खुशी में ह्यूमन राइट्स सेफ्टी ट्रस्ट की चेयरपर्सन सरिता मलिक के नेतृत्व में वृद्ध आश्रम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, यूपी व भारत के अन्य राज्यों से आए सदस्यों ने केक काटा और बुजुर्गों के साथ समय बिताया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए ह्यूमन राइट्स सेफ्टी ट्रस्ट की चेयरपर्सन सरिता मलिक ने कहा कि ह्यूमन राइट्स सेफ्टी ट्रस्ट आज किसी पहचान का मोहताज नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों की मेहनत के कारण ही आज ट्रस्ट के सदस्य ट्रस्ट के तीन वर्ष पूरे होने की खुशी में एकत्रित हुए हैं और तीसरी वर्षगांठ मनाई गई। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था के सदस्यों ने एक बैठक में सलाह दी थी कि इस बार ट्रस्ट के तीन वर्ष पूरे होने की खुशी बुजुर्गों के साथ मनाई जाए और अपने जीवन के अच्छे पलों को साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि आज इस बैठक के दौरान जब हम बुजुर्गों के साथ अपने खुशी के पल साझा कर रहे हैं तो हमारी आंखें भर आई। उन्होंने कहा कि आज मुझे बहुत दुख हुआ कि कैसे लोग अपने बुजुर्ग माता-पिता को छोड़कर यहां रहने को मजबूर हैं। इस अवसर पर चेयर पर्सन मैडम सरिता मलिक दीपांशु मलिक मैडम बेला मोदी भावना चौधरी ललित कपूर स्वीटी कपूर सुनील शर्मा प्रवीण मल सोनू सेठी सोनू सेठी नवीन सागवान व अन्य सदस्य मौजूद थे।

चंडीगढ़ के स्पोर्ट्स इनफ्रास्ट्रक्चर का बदलेगा नक्शा

- बुनियादी सुविधाओं पर 300 करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 जून। चंडीगढ़ में खेलों का नक्शा बदलने की दृष्टि से अगले दो साल में इनफ्रास्ट्रक्चर पर भारी भरकम राशि खर्च करने की योजना है। जानकारी के अनुसार 2 साल में खेल सुविधाएं बेहतर करने के लिये करीब 300 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। इस योजना में नए स्टेडियम बनाना और पुराने स्टेडियमों को ठीक करना शामिल है। हर खेल परिसर और स्टेडियम में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि सुरक्षा बेहतर हो सके। सभी स्टेडियमों को जोडऩे के लिए सेक्टर-42 में एक बड़ा कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां से सब पर निगरानी रखी जाएगी। अगले 2 सालों में पूरा प्रोजेक्ट पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद चंडीगढ़ में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं होंगी, जिससे खिलाडिय़ों को ट्रेनिंग और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतरीन माहौल मिलेगा। यहां 210 करोड़ रुपए खर्च कर एक बड़ा इंडोर स्पोर्ट्स हॉल, ऑल वेदर स्विमिंग पूल और गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। इंडोर हॉल में बैडमिंटन, बॉक्सिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, कबड्डी, नेटबॉल और जिम्नास्टिक जैसे 12 खेल होंगे। इसमें 4,000 लोगों के बैठने की जगह होगी और खिलाडिय़ों के लिए कोचिंग, फिटनेस और मेडिकल सुविधाएं भी होंगी। स्वीमिंग कॉम्प्लेक्स में ओलंपिक साइज का पूल, डाइविंग पूल और प्रैक्टिस पूल होगा। हॉस्टल में 300 लड़कियां रह सकेंगी। इसमें रसोई, डाइनिंग हॉल, स्टडी रूम और रेस्ट रूम जैसी सुविधाएं मिलेंगी। क्रिकेट स्टेडियम में नई पिच, नई लाइट्स और मैदान को सुधारने का काम होगा। सुखना लेक परिसर में मिट्टी के टेनिस कोर्ट को सिंथेटिक (कृत्रिम) कोर्ट में बदला जाएगा।

सत्य पाल जैन ने हिंदू धर्म पर पुस्तक का किया विमोचन

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

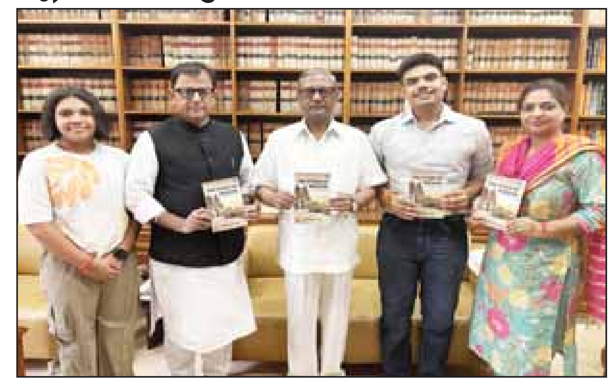

चंडीगढ़, 29 जून। चण्डीगढ़ के पूर्व सांसद एवं भारत सरकार के अपर महासालिसिटर श्री सत्य पाल जैन ने आज सेंट जोंस स्कूल चण्डीगढ़ के विद्यार्थी श्री कृशांग गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक 'The Ethos of Hinduism – हिंदू धर्म का लोकाचार'(हिंदू धर्म पर एक पुस्तक) का विमोचन किया।

इस अवसर पर चण्डीगढ़ के पूर्व महापौर देवेश मोदगिल भी उपस्थित थे।

श्री कृषांग गुप्ता सेंट जोंस स्कूल चण्डीगढ़ में 11वीं कक्षा के विद्यार्थी है और उन्होंने इस पुस्तक में भारतवर्ष में विभिन्न स्थानों पर बड़े हिंदू मंदिरों में जाकर अपने अनुभवों को तथा इन मंदिरों की धार्मिक एवं सामाजिक महत्वता पर लेख लिखे हैं। इनमें प्रमुख तौर पर कामयाख्या देवी मंदिर, सालासर बालाजी मंदिर, जगन्नाथ पुरी मंदिर, खाटु श्याम मंदिर, अमरनाथ मंदिर, वैष्णों देवी मंदिर तथा बदरीनाथ मंदिर शामिल है।

श्री कृशांग गुप्ता ने श्री जैन एवं श्री मोदगिल को बताया कि जब भी वे स्कूल के किसी टूर के संबंध में बाहर जाते थे तो वे वहां के ऐतिहासिक हिंदू मंदिरों के दर्शन भी करने जाते थे तथा उन मंदिरों एवं हिंदू धार्मिक स्थलों का गहराई से अध्ययन करते थे। इसी माध्यम से उन्होंने यह पुस्तक लिखी है।

श्री जैन एवं श्री मोदगिल ने श्री कृशांग गुप्ता के प्रयासों एवं धार्मिक जिज्ञासा की भरपूर प्रशंसा की तथा आशा व्यक्त की कि श्री कृशांग गुप्ता भविष्य में भी ऐसी धार्मिक एवं साहित्यक रचनायें रचित करते रहेंगे।

एमसी चंडीगढ़ ने मानसून की तैयारियों के लिए 18 बाढ़ नियंत्रण दल और 7 नियंत्रण कक्ष बनाए

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 28 जून। आगामी मानसून सीजन की प्रत्याशा में, चंडीगढ़ नगर निगम के आयुक्त श्री अमित कुमार, आईएएस ने आज यहां 18 विशेष बाढ़ नियंत्रण दलों की समीक्षा बैठक बुलाई। एमसीसी ने शहर भर में 7 बाढ़/जल-जमाव नियंत्रण कक्ष भी चालू कर दिए हैं। जल-जमाव और बारिश से संबंधित आपात स्थितियों के त्वरित समाधान और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए ये व्यवस्थाएं 20 जून से 30 सितंबर, 2025 तक लागू रहेंगी। प्रत्येक नियंत्रण कक्ष 24×7 काम करेगा, जिसमें तीन शिफ्टों में नामित टीमें काम करेंगी। नागरिक समर्पित नियंत्रण कक्ष फोन नंबरों के माध्यम से जल-जमाव के बारे में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

नियंत्रण कक्ष विवरण और संपर्क नंबर: सेक्टर 11 फायर स्टेशन- सेक्टर 1-6, 11-12, धनास, सारंगपुर, खुड्डा क्षेत्रों को कवर करता है 0172-2747820, सेक्टर 38 फायर स्टेशन- सेक्टर 36-42, दादूमाजरा, मलोया, बटरेला को कवर करता है, 0172-2690523, सेक्टर 17 फायर स्टेशन- सेक्टर 9,10,15-18, 21-24 को कवर करता है 0172-2703507, औद्योगिक क्षेत्र चरण-I फायर स्टेशन - सेक्टर 20, 28-30, रायपुर, दरिया को कवर करता है, 0172-2655816, औद्योगिक क्षेत्र चरण-II फायर स्टेशन - सेक्टर 31 को कवर करता है, 47-50, हल्लोमाजरा, 0172-2642611, सेक्टर 32 फायर स्टेशन - सेक्टर 32-35, 43-46, 51-52, 61 को कवर करता है 0172-2648610, मनीमाजरा फायर स्टेशन- मनीमाजरा, आईटी पार्क, किशनगढ़, मौली जागरण, सेक्टर 7-8, 19, 26-27 को कवर करता है, 0172-2734656, प्रत्येक नियंत्रण कक्ष में फील्ड मैनेजर (एफएम), मल्टी-टास्क वर्कर (एमटीडब्ल्यू) और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों सहित समर्पित फील्ड टीमें हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रत्येक नियंत्रण कक्ष में संपर्क के एकल बिंदु (एसपीओसी) के रूप में काम करेंगे, जो विभागों में समन्वय करेंगे।

विशेष उपाय और विभागीय भूमिकाएं

* सार्वजनिक स्वास्थ्य, बीएंडआर, बागवानी, एमओएच, विद्युत और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों वाली 18 आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमें शहर के प्रमुख क्षेत्रों में तैनात की गई हैं।
* ड्राइवरों के साथ 5 पानी के टैंकर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगे।
* आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित अग्निशमन विभाग के कर्मियों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से तैनात किया जाएगा।
* ढहने वाली जगहों पर बैरिकेडिंग का काम बीएंडआर विंग द्वारा किया जाएगा।
* मानसून अवधि के दौरान कर्मचारियों को कोई आकस्मिक या अर्जित अवकाश नहीं दिया जाएगा।
* सभी विभागों को तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने और अपनी मौजूदा ताकत से आवश्यक जनशक्ति प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।
* गतिशीलता के लिए प्रत्येक नियंत्रण कक्ष में दो प्रवर्तन वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे।

नगर निगम नागरिकों से मानसून के दौरान सहयोग करने और त्वरित निवारण के लिए समर्पित नंबरों का उपयोग करके जल-जमाव की समस्याओं की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह करता है।

नगर निगम ने खराब मौसम की भविष्यवाणी के बीच सुरक्षा उपायों पर सार्वजनिक परामर्श जारी किया

आयुक्त ने इंजीनियरिंग विंग की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

मौसम विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर, जिसमें आने वाले दिनों में संभावित बारिश और तूफान की स्थिति का संकेत दिया गया है, नगर निगम चंडीगढ़ ने शहर के सभी निवासियों और आगंतुकों के लिए एहतियाती परामर्श जारी किया है। सलाह के बारे में बोलते हुए निगम आयुक्त अमित कुमार ने यहां कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और जान-माल की क्षति को रोकने के लिए, निम्नलिखित दिशानिर्देश जारी किए जाते हैं। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान भारी, उग आए या पुराने पेड़ों के नीचे वाहन पार्क करने से बचें। बारिश या तेज हवाओं के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने या आश्रय लेने से बचें, खासकर उन पेड़ों के नीचे जो पुराने या संरचनात्मक रूप से कमजोर दिखाई देते हैं। भारी बारिश या तूफानी परिस्थितियों के दौरान पेड़ों से घिरी सड़कों पर यात्रा और पैदल चलने वालों की आवाजाही को सीमित करें, जब तक कि बिल्कुल आवश्यक न हो। बिजली के खंभों, स्ट्रीट लाइटों या पार्क लाइट फिक्स्चर को न छुएं क्योंकि बारिश के दौरान या उसके बाद इनसे बिजली का करंट लगने का गंभीर खतरा हो सकता है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों और बिजली के प्रतिष्ठानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। उन्होंने सभी नागरिकों से सावधानी बरतने और अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरा सहयोग करने की अपील की। ये उपाय सार्वजनिक सुरक्षा और शहर के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के सामूहिक हित में लागू किए जा रहे हैं। चंडीगढ़ नगर निगम एक स्वच्छ, हरा-भरा और सुरक्षित शहर सुंदर बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रयास में अपने निवासियों से निरंतर सहयोग की अपील करता है। अपडेट या आपातकालीन स्थिति के लिए, नागरिकों को आधिकारिक चैनलों और हेल्पलाइन नंबरों के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।

सम्पादकीय

बंगाल को चाहिए बदलाव, न बनने दें अपराधियों का गढ़

पश्चिम बंगाल आजकल रेप, हत्या की वारदातों, हिंसा, जुलूस, प्रदर्शन, पुलिस दमन, अराजकता का शिकार नजर आता है, जोकि हैरान करता है। अपराध से कोई राज्य नहीं बच सकता, क्योंकि कब, कहां, कैसे अपराध घट जाए, इसे कोई नहीं बता सकता। हालांकि राज्य सरकार का यह दायित्व है कि वह कानून और पुलिस बल के जरिये व्यवस्था और अनुशासन कायम करे। लेकिन पश्चिम बंगाल में व्यवस्था का मखौल बनता नजर आता है। सबसे चिंताजनक यह है कि सत्ताधारी पार्टी से संबद्ध एक अधिवक्ता ही कानून की छात्रा से रेप का आरोपी मिलता है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक मेडिकल छात्रा से रेप की वारदात के बाद अब एक लॉ कॉलेज में एक छात्रा से रेप की वारदात को अंजाम दिया गया है, यह कितना शर्मनाक और दुखद है कि जब पूरा देश इसे लेकर आहत है, तब पश्चिम बंगाल और वहां शासन कर रही एक महिला नेता की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अपने राजनीतिक विरोधियों को परास्त करने की मंशा यहां एक पार्टी की नेता एवं उनके अनुसरणकर्ताओं को इतनी पसंद है कि वे उन आहत, प्रताड़ित लोगों के दर्द को अनदेखा करते जाते हैं, जोकि आज के समय में बंगाल की रोजाना की कहानी हो गया है। उस प्रदेश की हालत का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जहां अपराध घटने पर शिकायत देने से भी जनता घबराती हो, क्योंकि अपराध को अंजाम देने वाले अपराधी एक पार्टी विशेष से ही जुड़े हैं, वहीं पुलिस प्रशासन के लोगों को कार्रवाई न करने के संभव है सरकारी आदेश हासिल हैं।

> **पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम एक समय इस प्रकार लिया जाता था कि वे निर्बलों की मददगार हैं। उन्होंने सडक़ से लेकर संसद तक देश के कमजोर तबकों के लिए काम किया लेकिन फिर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके तेवर जिस प्रकार से बदले हैं, वह उन सभी लोगों को चिंतित करता है जोकि नेताओं में अच्छाई को तलाशते हैं। इस मामले से पहले बंगाल में जितने भी हिंसा और प्रदर्शन के मामले सामने आए हैं, उनके राज्य सरकार की भूमिका बेहद संशयपूर्ण रही है। संदेशखाली जिसमें एक अप्रवासी ने आकर महिलाओं का यौन शोषण किया और अवैध धंधों के बल पर अपना वर्चस्व कायम कर लिया, पर कार्रवाई करते हुए प्रदेश सरकार घबराती रही**

बंगाल बौद्धिकों का प्रदेश रहा है, यह जगह कविवर रविंद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, नेता जी सुभाष बोस एवं अन्य अगण्य ऐसी विभूतियों का घर रही है, जिन्होंने न केवल देश अपितु पूरे विश्व को ज्ञान और उदार चरित्र का संदेश दिया। उन लोगों के कर्म, उनका चरित्र और उनके आदर्शों को रहती दुनिया तक याद रखा जाएगा। हालांकि उसी प्रदेश में आजकल अस्पताल या फिर लॉ कॉलेज के अंदर रेप एवं हत्या हो जाती है और फिर अपराधी को पकडऩे के बजाय शासन तंत्र उसे बचाने में लग जाता है। यह कितना बड़ा अन्याय है कि जिन लोगों पर नागरिकों को न्याय दिलाने का दायित्व है, वही उन अपराधियों के मददगार बन रहे हैं। इसकी वजह से वह जनता जिसका जमीर जिंदा है, सड़क पर आ जाती है, लेकिन सड़क पर उसे पुलिस की लाठियां खानी पड़ती हैं, तेज पानी की बौछारें झेलनी पड़ती हैं और फिर पुलिस केस भी झेलने पड़ते हैं। इससे पहले आरजी कर अस्पताल के अंदर रेप एवं मर्डर मामले में जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई थी, वे हैरान करने वाली रहीं। अब लॉ कॉलेज में रेप की वारदात के बाद कोलकाता में कोलाहल है, लेकिन सवाल यही है कि क्या आरजी कर अस्पताल की भांति फिर एक आंदोलन खड़ा होगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम एक समय इस प्रकार लिया जाता था कि वे निर्बलों की मददगार हैं। उन्होंने सडक़ से लेकर संसद तक देश के कमजोर तबकों के लिए काम किया लेकिन फिर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके तेवर जिस प्रकार से बदले हैं, वह उन सभी लोगों को चिंतित करता है जोकि नेताओं में अच्छाई को तलाशते हैं। इस मामले से पहले बंगाल में जितने भी हिंसा और प्रदर्शन के मामले सामने आए हैं, उनके राज्य सरकार की भूमिका बेहद संशयपूर्ण रही है। संदेशखाली जिसमें एक अप्रवासी ने आकर महिलाओं का यौन शोषण किया और अवैध धंधों के बल पर अपना वर्चस्व कायम कर लिया, पर कार्रवाई करते हुए प्रदेश सरकार घबराती रही। न जाने क्यों जैसे प्रदेश सरकार केंद्र सरकार से टकराने को तैयार रहती है लेकिन राज्य में अपराध की रोकथाम और रोजगार एवं काम-धंधे विकसित करने की जरूरत सरकार को नहीं लगती। क्या आजकल जैसे हालात कोलकाता हैं, कोई कंपनी यहां अपनी इकाई स्थापित करना चाहेगी। न जाने कब हड़ताल हो जाए, कब भारत बंद हो जाए, कब हिंसक होकर लोग सडक़ पर उतर जाएं। कहां आगजनी हो जाए और सबकुछ स्वाह हो जाए। वास्तव में बंगाल की जनता को इस पर चिंतन करना चाहिए कि आखिर किस प्रकार का समाज आज बंगाल में आकार ले रहा है। क्या सच की आवाज को दबाया जाना चाहिए। आखिर राज्य में कानून-व्यवस्था इतनी बद क्यों है। क्यों यहां अपराध घटने पर पीड़ित को अपना मुंह बंद रखने को मजबूर किया जाता है। बंगाल को बदलाव चाहिए, इसे क्यों अपराधियों का गढ़ बना दिया गया है।

‘यह बच्ची अकेली है, मैं इसे पापा का प्यार दूंगा, आप मुझसे शादी कर लें’

दैनिक अर्थ प्रकाश

डॉ. स्वतन्त्र जैन
मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता

‘प्रिय पाठकों, गत कुछ वर्षों से मैं ‘आपकी उलझनें-हमारे प्रयास’ नाम से एक कॉलम के जरिए आपकी मानसिक उलझनों के हल के लिए लेख लिख रही थी। अब मैं आपसे अपने एडवेंचर (adventures) से भरपूर जीवन की कुछ stories साझा कर रही हूँ ताकि आप भी इनसे कुछ प्रेरणा लेकर अपने नैतिक, मानवीय और सामाजिक दायित्व को निभाने का प्रयास कर सकें। पाठकों से अनुरोध है कि stories पसंद आएं, तो कमेन्ट और शेयर जरूर करें और अपने प्रश्न/कमेन्ट अर्थ-प्रकाश कार्यालय या लेखिका के मोबाइल नंबर- 9254588689 पर WhatsApp या jainswatantra@gmail.com पर मेल करें।’ मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए मेरा निम्न tube cannel देखें- https://youtube.com/@swatantrajain7274?

घटना जुलाई 1989 की है, मैं कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजी विभाग में कार्यरत थी। पर उस दिन मैं ‘चाइल्ड राइट्स’ पर एक सेमिनार अटेन्ड कर रही थी। मुसलाधार बारिश हो रही थी और मेरी 10 वर्षीय बेटी घर में अकेले थी। बेटी को बहुत अच्छी तरह समझाया हुआ था कि किसी भी अजनबी के लिए दरवाजा नहीं खोलना।

परंतु 11-12 बजे के बीच मेरा चंडीगढ़ का एक पुराना schizophrenic पेशन्ट (नेवी का एक lieutenant ऑफिसर, जिसे चंडीगढ़ में मैंने अपनी कॉन्सलिंग से ठीक किया था), ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी। बेटी ने दरवाजे पर लगे शीशे से देखा तो उसे पहचान कर दरवाज़ा खोल दिया।

बेटी ने बाद में बताया कि वह तेज बारिश की वजह से पूरा भीगा हुआ था। जब मैं 2 बजे के करीब अपनी एक फ्रेंड के साथ घर पहुंची तो उसने ही दरवाजा खोल कर मेरा स्वागत किया। पर उसे अचानक यूं, और वो भी केवल-मात्र underwear में देख कर डर के मारे मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज़िंदगी में शायद मैं पहली और अंतिम बार इस तरह से डरी थी। क्योंकि उस 45-50 साल के नंग-धड़ंग आदमी को अपनी 10 साल की बच्ची के साथ घर में अकेले देख कर किसीकी भी रूह कांप सकती थी। फ़िर भी मैंने खुद को संभालते हुए बेटी की ओर ध्यान से देखा तो उसे बिल्कुल नॉर्मल हालत और मूड में पा कर कुछ राहत मिली। फ़िर भी उस पर बरसने से पहले मैंने बेटी को एक-तरफ लेजा कर पूछा कि कहीं उसने उसे किसी भी तरह छेड़ा या परेशान तो नहीं किया? बेटी ने ‘ना’ में गर्दन हिला कर मुझे अत्यंत राहत प्रदान की।

किन्तु उस दिन उसके प्रति मेरा गुस्सा चरम-सीमा पर था। फ़िर भी पूरी शालीनता लेकिन बेहद सख्त लहजे में मैंने उससे पूछा, ‘ऐसे बिना appointment के मेरे घर में मेरे ना होते हुए भी अंदर घुसने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?’ जवाब में उसने कहा, ‘अब बेटी ने दरवाजा खोल दिया तो मैं अंदर आ गया।’ इस पर मैंने कहा, ‘यह तो बच्ची है, जब इसने आपको बोला कि मम्मी घर पर नहीं है, तो तुमने फ़िर भी अंदर आने की जिद्द क्यों की? बारिश थी, या कुछ भी हालात थे, आपको यूं मेरे घर में मेरी absence में घुसने का अधिकार कैसे मिल गया? आप नेवी के ज़िम्मेवार अफसर होते हुए भी ऐसी भयंकर गलती कैसे कर सकते हैं? और फ़िर आते ही अपने सारे कपड़े उतार कर आराम से कैसे घूम सकते हैं? अब इसी वक्त यहाँ से चले जाएं। फ़िर कभी appointment लेकर ही आना।’

परंतु वह वापिस जाने के लिए तैयार ही नहीं था, क्योंकि वह तो कुछ और ही सोच कर आया था। मुझे कहने लगा, ‘यह बच्ची अकेली है, इसे पापा का प्यार चाहिए। मैं इसे पापा का प्यार दूंगा, आप मुझ से शादी कर लें’ (गौरतलब है कि मेरे पति एक महीने पहले ही स्वर्ग सिधार गए थे, और यह बात उसे किसी ने बता दी थी।)

मैंने कहा, ‘यह marriage का प्रपोज़ल देने की आपने हिम्मत कैसे की? मुझे किसी शादी की ज़रूरत नहीं, आप अभी के अभी यहाँ से चले जाएं’।

परंतु वह था कि वापिस जाने के लिए तैयार ही नहीं था। उसी समय मुझसे मेरिज करने की जिद्द करके बैठा था। मेरी फ्रेंड और मैं उसे गुस्से और शांति दोनों तरह से समझा कर हर तरह से कोशिश कर हार गए, पर वह जनाब टस से मस नहीं हुआ। अंत में मैंने अपने cousin को फोन करके बुलाया, वह पुलिस इन्स्पेक्टर को साथ ले कर आए, तब वह मुश्किल से घर से बाहर निकला, और हमने चैन की सांस ली।

आज भी जब कभी वह घटना याद आ जाती है, तो मेरी रूह कांप जाती है और मन-ही-मन में ईश्वर का लाख-लाख धन्यवाद करती हूँ कि उसकी असीम कृपा से उस दिन कुछ अनहोनी होने से बच गई। हो सकता है, वो अपने प्रपोज़ल के लिए गंभीर हो, परंतु इस तरह जबरदस्ती घर में मेरे बिना होते हुए, पूरे कपड़े निकाल कर बेटी के सामने केवल अन्डर्वेर में घूमते हुए, बेटी और मुझ पर हक जमाने की हिम्मत करने की उसने सोची भी कैसे? उसके बाद से तो मैं दुगनी-तिगुनी सावधान हो गई थी।

हरियाणा की डायरीः साप्ताहिक कॉलम

स्पीकर की मेहमान नवाजी

लेखकः चंद्रशेखर धरणी
स्वतंत्र पत्रकार

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण एक बेहतरीन मेहमान नवाज भी हैं। हरियाणा विधानसभा कमेटी रूम नंबर एक में शुक्रवार को उनके द्वारा बुलाई गई प्रेस कांग्रेस उपरांत यह दृश्य देखने को मिले। कल्याण ने मीडिया के साथ बैठ कमेटी रूम में लंच किया व टेबल पर मौजूद अधिकांश पत्रकारों को सर्व करने की हिदायत भी कर्मचारियों को दी। कल्याण जो पेशे से इंजीनियर है।एक कोमल हृदय इंसान व मधुर भाषी व्यक्तित्व के साथ एक कुशल मेजबान भी हैं।कल्याण जहां व्यवहार कुशल हैं वहीं सबसे सामंजस्य रखते हैं चाहे उनके स्टाफ के कर्मचारी हों या अधिकारी। विधानसभा पटल पर वह अपनी योग्यता व कुशलता लगातार प्रमाणित कर चुके हैं।

बाबा का गुस्सा

हाल ही में अपने पैर के अंगूठे का एक्सरे सिविल हस्पताल अम्बाला कैंट करवाने गए बाबा यानी अनिल विज को हस्पताल की चरमराई व्यवस्था देख कर खूब गुस्सा आया।गुस्सा आना स्वाभाविक भी था स्वास्थ्य मंत्री रहते जिस हस्पताल में हर सुविधा दी हो,वहां चरमराई व्यवस्था देख वहां खड़े आधिकारियों को खूब लताड़ लगाई।साथ ही ए सी एस स्वास्थ्य विभाग को फोन कर उचित कार्यवाही करने के आदेश भी केबिनेट मंत्री ने दिए।बाबा को अब गुस्सा काफी लंबे समय बाद आया है।जिस हस्पताल में ए सी न चल रहे हो,एक्सरे मशीन प्रॉपर काम न कर रही हो।अब देखना है कि अम्बाला कैंट जो बाबा का अपना विधान सभा क्षेत्र है।वहां व्यवस्था सुधरवाना उनका दायित्व भी है।

देवेंद्र कल्याण ने संभाला कार्यभार

1990 बैच के आईआरएस अफसर देवेंद्र कल्याण ने हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी संभाल ली है। उन्होंने समयबद्ध तरीके से निष्पक्ष चुनाव,पारदर्शी व्यवस्था आदि को प्राथमिकता देने की बात कही है। यहां पर उल्लेखनीय है कि 190 बैच के आईआरएस (भारतीय राजस्व सेवा) अधिकारी देवेंद्र कल्याण बीती चार मई को सेवानिवृत्त हो गए हैं। वे रिटायर होने से ठीक पहले हरियाणा सरकार में सेवाएं दे रहे थे लेकिन रिटायर होने से पहले मूल विभाग में चले गए थे। जहां से सेवानिवृत्त होने के बाद में उन्हें भाजपा की राज्य सरकार ने नई जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके काफी समय पहले से कयास लगाए जा रहे थे। वे लगभग दो साल तक हरियाणा के आबकारी व कराधान विभाग में बतौर प्रमुख सचिव सेवाएं दी थी। बीती मई में वे बतौर मुख्य आयकर आयुक्त के पद से रिटायर हुए हैं। कल्याण ने आयकर विभाग में रहते हुए देश के विभिन्न राज्यों में आयकर विभाग में सेवाएं देने का काम किया। बाद में उन्हें डेपुटेशन पर हरियाणा भेजा गया था।

महिला शक्ति की महिमा

हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर के कहा कि महिला शक्ति की महिमा को हमारी सरकार ने हमेशा से प्रोत्साहित किया है। हमने लाड़ली योजना और ड्रोन दीदी जैसी कई योजनाएं लागू की और पंचायत में महिला आरक्षण को साकार रूप दिया है। श्री नागर आज चंडीगढ़ में आयोजित इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) के हरियाणा, पंजाब, जम्मू - कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के क्षेत्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे।इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी को सराहते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि यहाँ मौजूद एक - एक महिला देश प्रदेश के विकास की एक मजबूत कड़ी है। श्री नागर ने कहा कि आंकड़ें बताते हैं कि भारत में डायरेक्ट सेलिंग का मार्किट अब 22 हज़ार करोड़ रुपए को पार कर चुका है। इस कारोबार से लगभग 88 लाख लोगों का जुड़ना दर्शाता है कि यह उद्योग उन्हें बिना किसी निवेश के रोज़गार तथा आजीविका और आय के वैकल्पिक साधन उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से डिग्री लेकर निकलने वाला युवा वर्ग भी इस कारोबार से जुड़ रहा है और इसे एक बेहतर कैरियर के तौर पर देखने लगा है जो कि सराहनीय है।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

शेयर घोटाले के किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगाः राव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने आज फिर कहा कि शेयर एवं प्रतिभूति घोटाले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि हथियारों की अप्रसार संधि पर भारत द्वारा हस्ताक्षर करने का तब तक सवाल ही पैदा नहीं होता जब तक 1995 में इस पर फिर से विचार नहीं किया जाता।

अपनी सरकार के एक साल पूरा करने के मौके पर आज प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने यहां एक पत्रकार सम्मेलन को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालातों पर नजर डालने पर जाना जा सकता है कि देश में हालात सुधरे हैं। उन्होंने कहा कि नई आर्थिक नीतियों के तहत किये जा रहे सुधार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि इस वर्ष के दौरान कांग्रेसी घोषणा पत्र के अनुसार कीमतों पर काबू नहीं डाला जा सका, लेकिन नई आर्थिक नीतियों की बदौलत देश में विदेशी मुद्रा भण्डार व मुद्रा स्फीति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अपने पहले औपचारिक पत्रकार सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब व असम में पहले की तुलना में हालात सुधरे हैं। इन राज्यों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया आरंभ किये जाने का व्यापक स्वागत हुआ है। पंजाब पर बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इस संबंध में वे राजीव लौंगोवाल समझौते में विश्वास रखते हैं। श्रभ राव ने पंजाब समस्या को व्यापक आम सहमति द्वारा हल किए जाने की बात भी कही। पंजाब व जम्मू-कश्मीर को स्वायत्तता देने के बारे में उन्होंने कहा कि अभी इस पर विचार किए जाने का समय नहीं आया।

डेढ़ घंटे के इस पत्रकार सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए उन्होंने आम सहमति बनाने का हर संभव प्रयास किया है। उपराष्ट्रपति चुनाव के विषय में उन्होंने कहा कि ये मुद्दा 16 जुलाई के बाद उस समय सामने आयेगा जब ये पद खाली हो जायेगा।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1870-अदा केपले अमेरिका में लॉ कॉलेज के ग्रेजुएट करने वाली पहली महिला बनी।
1876-सर्बिया ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1914-दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए आंदोलन करने के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पहली बार गिरफ्तार हुए।
1917-भारत के प्रसिद्ध दिग्गज राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद और विचारक दादा भाई नौरोजी का निधन।
1928-हिन्दी फ़िल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार कल्याणजी का जन्म।
1933-फासीवाद के खिलाफ एंटवर्प में 50 हजार लोगों ने प्रदर्शन किया।
1937-दुनिया का पहला इमरजेंसी नम्बर 999 को लंदन में जारी किया गया।
1938-बच्चों का पसंदीदा कार्टून सुपरमैन पहली बार कॉमिक में नजर आया।
1947-भारत के विभाजन की घोषणा के बाद बंगाल और पंजाब के लिए बाउंड्री कमीशन के सदस्यों की घोषणा।
1956-भारतीय पत्रकार और राजनेता हरिवंश नारायण सिंह का जन्म।
1962-रवांडा और बुरुंडी आजाद हुए।
1969-भारतीय राजनीतिज्ञ और राज्य सभा सांसद भूपेन्द्र यादव का जन्म।
1985-भारत के प्रसिद्ध चित्रकार के. एच. आरा का निधन।
1997-हांगकांग से ब्रिटिश हुकूमत खत्म।
1999-आस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री तथा नेशनल पार्टी के नेता टीम फ़िशर का इस्तीफ़ा।
2000-अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अमेरिका में डिजिटल हस्ताक्षर को कानूनी मान्यता दी।
2002-ब्राजील ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबाल के विश्व कप पर कब्ज़ा किया।
2003-चार आस्कर पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री कैथरीन हेपबर्न का निधन।
2005-ब्राजील ने कनफ़ेडरेशन फुटबाल कप जीता।
2006-फ़ुटबाल विश्वकप में जर्मनी ने अर्जेन्टीना को हराया।
2007-संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आम सहमति से शांति रक्षण विभाग के बंटवारे का निर्णय किया।
2007-भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष एवं तेरहवीं लोकसभा के सांसद साहिब सिंह वर्मा का निधन।
2008-रविकांत, उमा शंकर चौधरी व विमल चन्द्र पाण्डेय को संयुक्त रूप से भारतीय ज्ञानपीठ का नवलेखन पुरस्कार प्रदान किया गया।
2012-मोहम्मद मुर्सी मिस्र के राष्ट्रपति बने।
2014-फीफा विश्व कप में फ्रांस ने नाइजीरिया को 2-0 से हराया।

बोल ब्यूटीफुल

हर्ष गोयनकाः हम ऐसे लोग हैं, जो

दूसरे देश में दो लोगों को लंच करते देखकर ईर्ष्या करने लगते हैं। किसी दूर देश में कोई छोटा-मोटा भी चुनाव जीतता है तो हम चिंतित हो अपनी नींद खराब कर लेते हैं, जबकि अपने देश में खराब सड़कें, बेरोजगारी और महंगाई देखकर भी हमें कुछ फर्क नहीं पड़ता। कहते हैं कि ‘सब ठीक है’।

रजत शर्माः दत्तात्रेय होसबाले ने जो

कहा, वह गलत नहीं है, लेकिन सामने बिहार का चुनाव है, इसलिए कांग्रेस और राजद को मौका मिल गया। उन्होंने इसे मौका बना दिया। वरना राहुल गांधी हो, तेजस्वी यादव हों, इनको शायद पता ही नहीं होगा कि संविधान में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़ने पर खूब बहस हुई थी।

खंडहर होते तरावड़ी, हांसी और बठिंडा के किले जो थे कभी उत्तरी भारत के सुरक्षा कवच

> घायल अवस्था में सीना ताने खडे किलों के बुर्ज बता रहे है अपने पराक्रम की गौरव गाथा।
>
> इन्ही किलों में तैयारी होती थी रण की रणनीति
>
> किले, दुर्ग, बर्ज, नक्कासियां और मोर्चे बनाने में करीगिरों का कौशल आज भी ब्यान कर रहा है तत्कालीन इतिहास के अमित पन्नों की पहचान
>
> कैसी रही होंगी उस समय की सुबह,शाम और त्यौहारों पर सजने वाले मेले

हम भारतवासी,मै वक्त हूं के तहत आज हिंदु सम्राट पृथ्वीराज चौहान के सामराज्य,राष्ट हित में रचे गए गौरवशाली इतिहास के अमिट पन्नों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। वतन की आन बान शान के लिए बलिदान देने तथा गौरवशाली इतिहास रचने की परम्परा आदि काल से हमारी संस्कृति की पहचान रही है। देश के कर्णाधारों, वीरों, वीरांगनाओं ने वक्त पडने पर अपने रक्त को तेल और अस्थियों को बाती बनाकर वतन के चमन को सींचा। यही कारण है कि आज समूची दुनिया में हमारी संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों में समाहित आदर्शो एवं संस्कारों का बोलबाला है। वतन की रक्षा के लिए मर मिटने की भावना एवं जोशीला जज्बा हमारे पुरखों की देन है,लेकिन समय-समय पर होने वाली भूल तथा गलतियां भी हमारे लिए नासूर बन गई। समय की सुइयों ने इतिहास के वो उतार-चढाव देखे है,जिनकी यादें केवल किताबों के अमिट पन्नों तक ही नहीं,बल्कि प्रत्यक्ष रूप में भी विद्यमान है।वक्त की रेत पर लिखे गए संदर्भ एवं प्रसंग आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

-- खैर छोडिए नही, अंगीकृत करिये।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब वीरों, इतिहासकारों लेखकों तथा समाज सुधारकों ने सफलता के परचम लहराये, उनसे हुई छोटी सी भूल लकडी में लगे दीमक की तरह भावी पीढ़ी को कचोटकर खाती रही। कुछ गद्दारों ने अपने नाम के साथ-साथ भारत की सभ्यता, संस्कारमय संस्कृती तथा आदर्शों को भी मिट्टी में मिलाने का काम किया, काश ये भूलें ना होती तो हिन्दुस्तान का इतिहास ही कुछ और ही होता। आज हमारे देश की सीमाएं कई अन्य देशों के साथ मिली होती। सामरिक, वाणिज्यिक, आर्थिक तथा भौगोलिक दृष्टि से हम अपेक्षाकृत बेहतर और मजबूत होते। खैर छोडिए नहीं वक्त कहता है अंगीकृत करिये,जहन में बिठाईए वरना इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। ठीक वैसे ही जैसे हम अपने पुरखों की भूल को लेकर पश्चाताप कर रहे है।

पराक्रमी योद्धाओं द्वारा वक्त की रेत और समय की दहलीज पर दरवाजे पर लिखी गौरव गाथा हमारी ताकत।

मैं वक्त हूं के तहत आज इस लेख में पराक्रमी भारत सम्राट पृथ्वीराज चौहान द्वारा रचे गए बहादुरी के इतिहास में, प्रेम प्रसंग के साथ-साथ,मातृभूमि की प्रतिष्ठा के बचाव के लिए दिया गया बलिदान तथा भूल हमारे जहन में कई प्रकार के प्रश्न पैदा करते है,जिनके उत्तर ढूंढने के लिए अनेक बुद्धिजीवियों ने प्रयास किए, लेकिन बात

सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटने वाली ही प्रतीत हुई। सांभर नरेश दिल्ली सम्राट पृथ्वीराज चौहान के विषय मे जानने के लिए इतिहास के पन्ने ही काफी नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय लोक कथाएँ तथा जागा भाटों के बही खाते भी अपना अहम स्थान रखते हैं। पृथ्वीराज चौहान की याद आते ही इतिहास के सैकड़ों वर्ष पुराने परिदृश्य जान लेने की व्याकुलता बिजली की तरह कोंधने लगती हैं। ऐसी जिज्ञासा होना स्वभाविक है। क्योकि हमारे पूर्वजों ने वक्त की रेत और समय की दहलीज तथा दरवाजे पर अतीत में ऐसी गौरव गाथा रची, जिनका विदेशी भी लोहा मानते है।उनकी यादगारें मानस पटल पर अंकित होने लगती है कि किस प्रकार उन्होने अपने बाहुबल,प्रबुद्ध व्यक्ति में समाहित उच्च आदर्शों एवं संस्कारों से ऐसी बहादुरी की मिसाल कायम की,जो भावी पीढ़ियों के लिए किसी प्रेरणा के कम नही।विभिन्न चैनलों पर दर्जनों ऐसे धारावाहिक चले या चल रहे है, जिनका सम्बन्ध सीधा हमारी संस्कृति,गौरव शाली इतिहास की परम्परा एवं बलिदान से है।

भठिंडा और असिगढ़ यानि हांसी क्षेत्र में हुए युद्ध मेंजान बचा कर भागी थी गौरी की सेना। प्राप्त जानकारी कि अनुसार गजनी सुल्तान गौरी दर्रा खैबर पार करके सिंध के सुल्तान दाहिर और लाहौर के सुल्तान मलिक खुसरों को हराकर हिन्दुस्तान की तत्कालीन राजधानी इन्द्रप्रस्थ की सरहद भठिंडा के मोहाने पर आ पहुचा,जहां पर परम पराक्रमी योद्धा अंनगपाल तोमर के दोहते तथा अजमेर के शासक सोमेश्वर के यशस्वी और पराक्रमी पुत्र पृथ्वी राज चौहान का राज्य था। गौरी चौहान की वीरता के किस्से कंई बार सुन चुका था और उसे युद्ध में पराजित करके हिन्दूस्तान पर कब्जा करना चाहता था।इस लिए 11वीं शताबदी के अन्त में उसने कंई बार आक्रमण किया। भठिडा तथा हांसी क्षेत्र में लड़े गए युद्ध में गौरी को भारी नुकसान उठाना पडा।वह और उसकी सेना बडी मुश्किल से अपनी जान बचाकर भागा।इसके बाद भी उसे कई बार हार का मुंह देखना पडा। जनश्रुति के अनुसार गौरी ने छल कपट का सहारा लेते हुए बुर्के में सैनिकों को जासूसी के लिए भेजा लेकिन हांसी के गवर्नर ने उन्हे बंदी बना लिया। इस प्रकार गौरी तिलमिला उठा।उसने बठिंडा तथा हिसार की और कुच किया। कहा जाता है कि उस समय हांसी युद्ध का अखाड़ा बना हुआ था।इस युद्ध में एक बार फिर दोनों सेनाओं में घमासान युद्ध लडा गया।फिर गौरी की हार हुई और वह जान बचाकर भाग निकला।इन युद्धों में अनेक रजवाड़ों ने भी चौहान का साथ दिया।पृथ्वी राज के बहनोई रावल समर सिंह ने कंई लडाईयों में बहादूरी के परचम लहराए तथा गौरी को खदेडने में अहम् भूमिका निभाई। समर सिंह उस समय चितौड़ के शासक थे।

चौहान ने भागते दुश्मन गौरी को छोड़ दिया--यही भूल चौहान तथा भारत के लिए साबित हुई सबसे बडी भूलः चौहान ने इस जीत के बाद सरहदें मजबूत बनाने के लिए हांसी में किले का निर्माण करवाया तथा तराइन में भी सरहदों को मजबूत किया ताकि फिर से कोई विदेशी आक्रमण ना कर सके। %%चौहानी तलवार नामक पुस्तक में लिखा है कि गौरी के चचेरे भाई मीर हुसैन ने चौहान के पास आकर शरण मांगी कि गौरी उसकी प्रेमिका को छीन कर उससे शादी करना चाहता हैं।चौहान ने उसे शरण दी तथा हांसी का गवर्नर भी नियुक्त कर दिया। गौरी आगबबूला हो गया तथा मीर हुसैन को वापिस भेजने के लिए कहा ।चौहान ने गौरी की इस मांग को ठुकरा दिया।गौरी ने फिर से हांसी पर चढाई कर दी। इस युद्ध में मीर हुसैन बड़ी बहादुरी से लडा लेकिन जब तक चौहान की सेंना पहुच पाती तब तक मीर मारा जा चुका था।चौहान ने गौरी की सेना पर जबरदस्त आक्रमण किया, जिसमें गौरी घायल हो गया। उसका सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक उसे मैदान से बाहर ले गया।यदि चौहान चाहता तो गौरी सहित उसकी सेना को नेस्तानाबूद कर सकता था लेकिन चौहान ने भागते दुश्मन को बक्श दिया। यही भूल चौहान तथा भारत के लिए बहुत बड़ी भूल सिद्ध हुई।

लगातार...

प्रदेश सरकार नशे के विरूद्ध शीघ्र शुरू करेगी व्यापक अभियान: सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री ने शिमला में 12वीं हिमाचल प्रदेश पुलिस हाफ मैराथन विजेताओं को किया सम्मानित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 29 जून। नशे के विरूद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा आज शिमला में 12वीं हिमाचल प्रदेश पुलिस हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मैराथन विजेताओं को सम्मानित किया। इस मैराथन में पुरूष, महिला और वरिष्ठ नागरिक (75 वर्ष से अधिक) श्रेणी के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने नशे संबंधी गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने नशे संबंधी गतिविधियों में शामिल 80 सरकारी कर्मचारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई है। नशे की तस्करी संबंधी मामलों में पुलिस कर्मियों की संलिप्तता भी सामने आई है और राज्य सरकार पुलिस बल में अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस मैनुअल में संशोधन पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार निकट भविष्य में बड़े स्तर पर नशा विरोधी अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है। नशे पर अंकुश लगाने के लिए पंचायत स्तर पर मैपिंग करवाई जा रही है। सरकार नशे की तस्करी पर रोक लगाने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन कर रही है जिसके लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग को मजबूत करने के लिए 500 नए पद भरे जाएंगे।

नशे के प्रति राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं जिनको नशे की बुराई से बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में द्विआयामी रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है जिसमें नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और नशे के आदि लोगों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाकर काम किया जा रहा है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने पीआइटी-एनडीपीएस अधिनियम को लागू किया है जिसे पिछली भाजपा सरकार पांच साल के कार्यकाल के दौरान लागू नहीं कर पाई। इस अधिनियम के तहत 40 डिटेंशन आदेशों को मंजूरी दी गई जिनमें से इस वर्ष 36 आदेश जारी किए गए। सरकार ने नशे के तस्करों के विरूद्ध कड़ा रूख अपनाते हुए सात नशा तस्करों की संपत्तियों को गिराया गया है और अन्य के खिलाफ सक्रियता से कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हिमाचल प्रदेश एंटी ड्रग्स एक्ट पारित किया है जिससे अपराधियों और पीड़ितों के बीच अन्तर किया जा सकता है। नशे से पीड़ित लोगों के पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार कार्य कर रही है ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाफ मैराथन (21.5 किलोमीटर) पुरूष वर्ग के विजेता रविदास और महिला वर्ग की विजेता रूबी कश्यप को 51-51 हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त मिनी मैराथन (10 किलोमीटर) पुरूष वर्ग के विजेता रवि चौधरी, महिला वर्ग में सुनीता, ड्रीम रन (3 किलोमीटर) 16 से 30 आयुवर्ग (पुरूष) वर्ग के प्रथम विजेता मोहम्मद सोहेल, (महिला) वर्ग के लिए विपाशा वर्मा, 31 से 45 आयुवर्ग (पुरूष) वर्ग के प्रथम विजेता नागेंद्र पाल, महिला वर्ग के लिए प्रतिभा, 46 से 60 आयुवर्ग (पुरूष) वर्ग के प्रथम विजेता कुलदीप, महिला वर्ग में विजेता, 10 से 15 आयुवर्ग के लिए पुरूष वर्ग में हर्ष कुमार, महिला वर्ग रीतिका वर्मा को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने 'हार्मनी ऑफ पाइन' के नशे पर जन जागरूकता आधारित एक विशेष गीत भी जारी किया

मुख्यमंत्री ने 'हार्मनी ऑफ पाइन' के नशे पर जन जागरूकता आधारित एक विशेष गीत को भी जारी किया। विधायक हरीश जनारथा, महापौर सुरेन्द्र चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान (मीडिया) सलाहकार नरेश चौहान, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत, पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अन्य गणमान्य इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल ने 'नशे को मात, दंगे एक साथ' थीम पर आधारित 12वीं हाफ मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 29 जून। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा आयोजित 12वीं हाफ मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मैराथन का 'नशे को मात, देंगे एक साथ' थीम पर आयोजन करवाया गया।

भारी बारिश के बावजूद मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों, खासकर युवाओं की हौंसला अफजाई करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजन सहित सभी वर्गो के लोग इस मैराथन में भाग ले रहे हैं, जो नशे के खिलाफ सामूहिक भावना को प्रदर्शित कर रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के लोग हिमाचल को नशामुक्त राज्य बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि 'नशे को मात, देंगे एक साथ' अभियान की पहुंच हर घर तक सुनिश्चित की जानी चाहिए और उन्होंने इस अभियान के लिए पुलिस विभाग के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि देवभूमि हिमाचल प्रदेश की पहचान यहां संस्कृति और परम्पराओं में निहित है और हमें इसकी सांस्कृतिक पहचान को कायम रखना चाहिए। राज्य से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए राज्यपाल ने जनसहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग से ऐसे जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए जिससे हम समाज से इस बुराई को समाप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रतिभागियों को सभी प्रकार के नशीले पदार्थो से दूर रहने की शपथ दिलवाई।

श्री शुक्ल ने राज्य पुलिस द्वारा लगाई गई एक प्रदर्शनी का भी शुभारम्भ किया तथा नशे के विरुद्ध अभियान के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए 'हस्ताक्षर बोर्ड' पर हस्ताक्षर किए। मैराथन को चार श्रेणियों हाफ मैराथन, मिनी मैराथन, ड्रीम रन तथा दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए विशेष दौड़ में विभाजित किया गया है। हाफ मैराथन के विजेता को 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी, राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पाइनग्रोव स्कूल सुबाथू में क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 29 जून। पाइनग्रोव स्कूल, सुबाथू में स्वास्थ्य और कल्याण पर दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन हंसराज पब्लिक स्कूल, पंचकूला की प्रिंसिपल जया भारद्वाज और जीएनपीएस डलहौजी के प्रिंसिपल नवदीप भंडारी ने किया। पाइनग्रोव और अन्य संस्थानों जैसे लोरेटो कॉन्वेंट तारा हॉल, शिमला; आनंद स्कूल, सोलन; टीवी पब्लिक स्कूल, सोलन; डीएवी अंबुजा विद्या निकेतन, सोलन; गुरुकुल पीच वैली इंटरनेशनल स्कूल, राजगढ़, सिरमौर; और पीएनएन मोहन गीता आदर्श विद्यालय, सोलन के कुल 54 शिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में स्कूल जाने वाले बच्चों में समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मॉड्यूल पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वस्थ रूप से बड़ा होना, भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंध, मूल्य और जिम्मेदार नागरिकता, लैंगिक समानता, और पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता। सत्रों ने जीवन कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, समावेशिता और समग्र स्वास्थ्य जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। और महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई जैसे कि पदार्थो के दुरुपयोग की रोकथाम और प्रबंधन, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना, प्रजनन स्वास्थ्य और एचआईवी की रोकथाम, हिंसा और चोटों के खिलाफ सुरक्षा और इंटरनेट, गैजेट्स और मीडिया का सुरक्षित उपयोग हुआ। इन सत्रों में इंटरैक्टिव चर्चाएँ, वास्तविक जीवन के उदाहरण और केस-आधारित शिक्षा शामिल थी। कुल मिलाकर, प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों को सुरक्षित, स्वस्थ और अधिक समावेशी शिक्षण वातावरण को पोषित करने के लिए व्यावहारिक उपकरण और अंतर्दृष्टि प्रदान की।

शराब ठेके के विरोध में लोगों के साथ विधायक जीतराम कटवाल भी हुए लामबंद

अर्थ प्रकाश/देश राज

बरठीं, 29 जून। विकासखंड झंडूता के अंतर्गत ग्राम पंचायत सुन्हानी के बरड़ गांव में लोगों द्वारा विरोध किए जाने के बावजूद भी प्रदेश सरकार व आबकारी कराधान विभाग द्वारा जबरन खोले गए ठेके के विरोध में झंडुता विधानसभा क्षेत्र के विधायक जीतराम कटवाल भी लोगों के समर्थन में उतर आए हैं। कटवाल ने लोगों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद कहा कि कांग्रेस सरकार के व्यवस्था परिवर्तन का असली चेहरा अब जनता के सामने आ चुका है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर सरकार द्वारा शिक्षा संस्थानों को बंद किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर गांव- गांव में शराब के ठेके तेजी से खोले जा रहे हैं। कटवाल ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पहले तो व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर कई स्कूलों को बंद किया और अब गांव -गांव में शराब के ठेके खोलकर नशे को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने वोट हथियाने के लिए 1500 का शुगुफा छोड़ा लेकिन सरकार बनाने के बाद 1500 की जगह पर अब ग्रामीणों को शराब के ठेके खोलकर नशेड़ी बनाने का कार्य किया जा रहा है जो अति दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार वह विभाग ने नशा निवारण दिवस के ऊपर इस ठेके को खोलकर अपनी असलियत लोगों के सामने रख दी है। उन्होंने बताया कि ठेके को बंद करने के लिए उन्होंने जहां विभागीय अधिकारियों से बातचीत की वहीं इस ठेके को बंद करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी अवगत करवाया है लेकिन इसके बावजूद भी ठेके को बंद करने के लिए कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है जिस कारण ग्रामीणों में भी खास रोज व्याप्त है उन्होंने सरकार व विभाग को चेताया कि रिहायशी इलाकों में खोले गए शराब के ठेकों को दो दिन के भीतर बंद नहीं किया, तो भाजपा लोगों के साथ मिलकर सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि लोगों का विरोध करने के बावजूद भी ठीक हूं को अहमियत दी जा रही है उन्होंने कहा सरकार यदि खोलना चाहती है तो ग्रामीण क्षेत्रों में कोई आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी या पशु औषधालय खोल कर लोगों को असलियत दे सकती है लेकिन सरकार युवा पीढ़ी को नशेड़ी बनने पर उतारू है जिसको सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय बंद किए जा चुके हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। खासकर दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में बच्चों को अब मीलों दूर पढ़ने जाना पड़ रहा है।

इसके विपरीत सरकार नशे के व्यापार को खुली छूट दे रही है, जिससे युवा पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ता जा रहा है। धरना प्रदर्शन में उपस्थित समस्त महिलाओं व ग्रामीणों ने एक स्वर से कहा कि यह ठेका उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं चाहिए उधर दुकान के मालिक तुलसीराम व विचित्र सिंह ने बताया कि आबकारी एवं कराधान विभाग वह ठेकेदार ने उनको गुमराह कर शराब का ठेका वहां पर खोल दिया गया है।

इस मौके पर महिला मंडल बरड़ की प्रधान अनीता देवी शिव गौरी महिला मंडल की प्रधान सोनू कुमारी बीडीसी सदस्य रक्षा धीमान पंचायत सदस्य कुलदीप सिंह कांता वर्मा मदनलाल केशव दयाल सोहन सिंह चमन लाल चरण सिंह रमेश कोंडल उषा देवी बलवंत सिंह सीताराम बलदेव हंसराज शर्मा उत्तम सिंह देशराज विशाल कुमार हरिराम लखविंदर सिंह सहित अन्य ग्रामीण व महिलाएं उपस्थित थीं।

सोलन पुलिस का नशे पर प्रहार, कुख्यात तस्कर उवेद खान तीन महीने के लिए जेल भेजा

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 29 जून। जिला सोलन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए कुख्यात आदतन अपराधी उवेद खान को निवारक हिरासत (प्रिवेंटिव डिटेंशन) में लेकर तीन महीने के लिए जेल भेज दिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार के आदेशानुसार, पुलिस थाना कंडाघाट की टीम ने उवेद खान, निवासी गाँव सिरीनगर, कंडाघाट, को धारा 3(1) PIT NDPS एक्ट 1988 के तहत हिरासत में लिया। यह कार्रवाई नशा तस्करी में बार-बार संलिप्त होने वाले अपराधियों को रोकने के लिए की गई है।

जिला पुलिस के अनुसार, उवेद खान के खिलाफ नशा तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं, जिनमें शिमला के बालूगंज, कुल्लू के आनी, पंजाब के लालडू, सोलन सदर और कंडाघाट थानों में मुकदमे शामिल हैं। इन मामलों में उसके पास से 48 ग्राम चिट्टा/हेरोइन और 415 ग्राम चरस बरामद की गई थी। जमानत पर रिहा होने के बावजूद उवेद खान नशा तस्करी में सक्रिय रहा, जिसके चलते पुलिस ने सख्त कदम उठाया।

सोलन पुलिस ने नशा तस्करी के आदतन अपराधियों के खिलाफ PIT NDPS एक्ट 1988 के तहत कार्रवाई के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को 15 प्रस्ताव भेजे थे। इनमें से पांच कुख्यात अपराधियों को पहले ही निवारक हिरासत में जेल भेजा जा चुका है, और अब उवेद खान छठा अपराधी है, जिसे जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया है। जिला पुलिस ने बताया कि इस तरह की कार्रवाइयाँ भविष्य में भी जारी रहेंगी ताकि नशा तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

हिमाचल रतन सम्मान से नवाजे गए हिमाचली प्रसिद्ध लोक गायक इंद्र जीत

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ईशा देओल के हाथ से मिला सम्मान

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 29 जून। कुल्लू मनाली की खूबसूरत वादियों में बसा एक छोटा सा गांवज्दोगरी । यहीं से शुरू हुई एक आवाज़ की यात्रा जो आज न सिर्फ हिमाचल की पहचान है, बल्कि लोकसंस्कृति का एक वैश्विक प्रतीक बन चुकी है। नाम है इंद्रजीत 12 मार्च 1992 को जन्मे इंद्रजीत ने बचपन से ही संगीत में रुचि दिखाई, पर न कोई गुरु, न संसाधनजफिर भी हौसला था बुलंद। मात्र 16 साल की उम्र में, खुद लिखे और कंपोज किए गए 10 गीतों की पहली वीडियो एल्बम 'दिल का क्या कसूर' सीडी पर लॉन्च की , वो दौर डिजिटल क्रांति से पहले का था।पर इंद्रजीत की सोच बहुत आगे की थी।

समय के साथ उन्होंने जो किया, वो किसी क्रांति से कम नहीं था। उन्होंने फिल्मों या चमक-दमक की दुनिया से दूर रहकर, हिमाचल की मिट्टी, उसकी बोली, उसकी टोपी और संस्कृति को संजोयाज और पूरे गर्व से दुनिया के सामने रखा। उन्होंने विलुप्त होती जा रही लोकसंस्कृति को एक नया जीवन दिया। अपने शब्दों और सुरों के माध्यम से।

2016 में आया उनका सुपरहिट गीत 'हाड़े मेरे मामुआ', जिसने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद 'लाड़ी शाऊणी', 'पाखली माणू', 'बुधुआ मामा', 'साजा लागा माघे रा' जैसे गीतों ने यूट्यूब पर करोड़ों दिलों को छू लिया और हिमाचल की विरासत को एक नए युग से जोड़ा।

उनकी कलम केवल मनोरंजन नहीं करती। वह सामाजिक संदेश भी देती है। जहां एक ओर 'अठारह करडू' जैसे गीत देव संस्कृति को समर्पित हैं, वहीं 'मता केरदे नशा' युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा देता है।

जब इंद्रजीत ने हिमाचल के छह बार मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह के जीवन पर आधारित गीत को अपनी मधुर आवाज़ में प्रस्तुत किया, तो उसे सुनकर स्वयं वीरभद्र सिंह की आंखें भी नम हो गई थीं। मुख्यमंत्री हो या राज्यपाल, सभी ने उनके गीतों को सम्मान दिया है। आज इंद्रजीत सिर्फ एक गायक नहीं, बल्कि एक मिशन हैं । हिमाचल की लोकसंस्कृति को जीवित रखना और उसे वैश्विक मंच पर स्थापित करना—इसी मिशन पर वह कार्य कर रहे हैं। 100 से अधिक गीत, देश-विदेश में अनेकों मंचों पर प्रस्तुति, और लाखों दिलों की धड़कन बन चुके हैं। उनके इस अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय मंचों पर सम्मानित किया है हाल ही देहरादून में 3 फिंगर एंटरटेनमेंट लिमिटेड कंपनी द्वारा आयोजित एक्सीलेंस आईकॉनिक अवार्ड 2025 के तहत हिमाचली प्रसिद्ध लोक गायक इंद्रजीत को हिमाचल रतन सम्मान से नवाजा गया। ये सामान बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ईशा देओल के हाथों से दिया गया गया है। लोक गायक इंद्र जीत ने ये अवार्ड अपने सभी चाहने वालों और हिमाचल प्रदेश के सभी लोगों को समर्पित किया इस समारोह में देश के अलग अलग राज्य से आए हुए अपने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने बालों को भी सम्मानित किया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा में लिया भाग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नाहन, 29 जून। हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने आज नाहन शहर में आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पावन अवसर पर उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी नाहन शहर में भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से निकाली जा रही है।

डॉ. बिंदल ने इस रथ यात्रा में शामिल होने को अपने लिए सौभाग्य का क्षण बताया और कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से इस तरह के पवित्र आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ. बिंदल ने आयोजकों को उनकी उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए बधाई दी और भगवान श्री जगन्नाथ जी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह रथ यात्रा भक्तों के बीच आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करती है और समाज में सकारात्मकता का प्रसार करती है।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स बैठक आयोजित: डीसी बिलासपुर ने हर माह की 14 तारीख को जिले में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाने के दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश /अजय मल्होत्रा

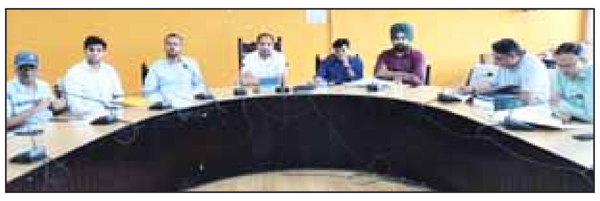

शाहतलाई, 29 जून। जिला मुख्यालय बिलासपुर में एनजीटी मामलों से संबंधित जिला स्तरीय विशेष टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त राहुल कुमार ने की। बैठक में जिले में कचरा प्रबंधन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन की दिशा में प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि नगर परिषद बिलासपुर से प्रतिदिन लगभग 4.7 टन, नगर परिषद घुमारवीं से 2.7 टन, नगर पंचायत तलाई से 2.0 टन और नगर परिषद नैना देवी से लगभग 400 किलोग्राम ठोस कचरा उत्पन्न हो रहा है। इसके अतिरिक्त, जिला के चार उपमंडलों, चार विकास खंडों और सात तहसीलों के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन लगभग 290 किलोग्राम कचरे का उत्पादन हो रहा है। उपायुक्त राहुल कुमार ने निर्देश दिए कि इन सभी क्षेत्रों में ठोस कचरे के संग्रहण, पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण की विशेष योजनाएं तैयार कर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी नगर परिषद, नगर पंचायत एवं खंड विकास अधिकारी प्रत्येक माह की 14 तारीख को जिलेभर में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाना सुनिश्चित करें।

शहरी क्षेत्रों तथा उनके आसपास अनाधिकृत रूप से कूड़ा फेंके जाने वाले स्थलों की पहचान कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उपायुक्त ने सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए चालान जारी करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में चलने वाली सभी निजी और सरकारी बसों तथा टैक्सियों में कचरा पात्र होना अनिवार्य है। इसके लिए विशेष जांच अभियान चलाया जाए।

उपायुक्त ने नगर परिषद अधिकारियों को निर्देश दिए कि ठोस कचरे को स्रोत पर ही गीला व सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र किया जाए और उसका निपटान वैज्ञानिक तरीके से सुनिश्चित किया जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिल सके।

संकट की घड़ी में शकुंतला देवी के लिए सहारा बना हिमाचल भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड

पति की अकस्मात मृत्यु पर मिली 4.20 लाख रुपये की आर्थिक मदद, जीवन की संघर्षपूर्ण चुनौतियों से पार पाने में हुई मददगार साबित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 29 जून। ज़िंदगी में कभी-कभी ऐसी घटनाएं घटती हैं जिनसे पार पाना किसी चुनौती से कम नहीं होता। जिला ऊना के ठठल गांव की शकुंतला देवी के जीवन में भी ऐसा संकटपूर्ण क्षण तब आया, जब एक सड़क दुर्घटना में उनके पति रमन कुमार का दुखद निधन हो गया। परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य चला गया और पूरे घर पर दुख और चिंता के बादल छा गए।

ऐसे कठिन समय में हिमाचल प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड शकुंतला देवी के लिए संबल बनकर सामने आया। रमन कुमार एक निर्माण इकाई से संबद्ध थे और इस नाते कामगार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत थे। उनके असामयिक निधन के बाद बोर्ड ने 4.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की, जो न केवल परिवार के लिए तत्काल सहारा बनी, बल्कि उनके दो बेटों और एक बेटी की शिक्षा तथा पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने की बुनियाद भी साबित हुई।

शकुंतला देवी बताती हैं कि पति की अचानक मौत के बाद वे पूरी तरह टूट चुकी थीं, भविष्य को लेकर मन में डर और असमंजस था। लेकिन कामगार कल्याण बोर्ड की ओर से मिली सहायता ने न सिर्फ उन्हें जीवन की नई दिशा दी, बल्कि यह भरोसा भी दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है।

उनके बच्चे अब उच्च शिक्षा की तैयारी में जुटे हैं और घर की स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। वे भावुक होकर कहती हैं कि यह सहायता उनके लिए बहुत बड़ा सहारा बनी।

बोर्ड से पंजीकृत श्रमिकों तक पहुंच रही है मददः नरदेव सिंह कंवर

हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष नरवेद सिंह कंवर का कहना है कि सरकार का उद्देश्य यही है कि प्रदेश का कोई भी श्रमिक अपनी सामाजिक और पारिवारिक ज़रूरतों के लिए अकेला महसूस न करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मार्गदर्शन में बोर्ड पारदर्शी और सरल प्रक्रिया के तहत श्रमिकों को सहायता पहुंचा रहा है और सभी जिलों में क्रियान्वयन की सतत निगरानी की जा रही है। हमारी प्राथमिकता है कि योजनाएं ज़मीन पर असर दिखाएं और श्रमिकों के जीवन में आसानी हो।

हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की योजनाएं: श्रमिकों के लिए कल्याणकारी सहायता

जिला श्रमिक कल्याण अधिकारी अमन शर्मा बताते हैं कि हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से श्रमिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह, पेंशन और आवास जैसे क्षेत्रों में वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। ऊना जिले में पंजीकृत सैकड़ों श्रमिक इन योजनाओं से लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि सभी लाभार्थियों को पारदर्शी और सरल प्रक्रिया के तहत योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इन योजनाओं में शादी के लिए वित्तीय सहायता–लाभार्थी के स्वयं के विवाह तथा दो बच्चों के विवाह के लिए 51– 51 हज़ार, मातृत्व और पितृत्व प्रसुविधा के तहत महिला लाभार्थी को प्रसव अवधि के समय अथवा बच्चे के जन्म पर 25 हज़ार, पंजीकृत कर्मकार की पत्नी को दो प्रसवों तक 6 हज़ार, पुरूष लाभार्थी को पितृत्व सुविधा के तहत बच्चे के जन्म पर 1 हज़ार और महिला लाभार्थी को 90 दिन से 26 सप्ताह तक मातृत्व अवकाश की राशि प्रदान की जाती है। चिकित्सा सहायता में लाभार्थी और उसके आश्रितों को चिकित्सा के चिकित्सीय उपचार के लिए 50 हज़ार से 5 लाख, शिक्षा के लिए प्रथम कक्षा से पीएचडी तक 8400 से 1.20 लाख रुपये, 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर लाभार्थी को 1 हज़ार रूपये पैंशन सुविधा, दुर्घटना एव बीमारी के चलते हुई विकलांगता की स्थिति में 500 रुपये दिव्यांग पेंशन, कामगार बोर्ड में पंजीकृत सदस्य की मृत्यु होने पर नाम निर्देशितों / उनके आश्रितों को 2 से 4 लाख, अंतिम संस्कार के लिए 20 हज़ार रुपये की आर्थिकी सहायता, बेटी जन्म उपहार योजना के तहत 51 हज़ार रुपये, मानसिक रूप से मंद बच्चों की देखभाल के लिए 20 हज़ार प्रतिवर्ष, विधवा पेंशन योजना के तहत 1500 रूपये प्रतिमाह, होस्टल सुविधा योजना के तहत 20 हज़ार रुपये प्रतिवर्ष, मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 1.50 लाख रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की जाती है।

विधायक के ग्राउंड जीरो पर उतरने के बाद ही क्यों जागते हैं नगर परिषद के अधिकारी?

क्या नगर परिषद के अधिकारियों को नहीं है अपनी जिम्मेदारी का एहसास?

अधिकारी की जिम्मेवारी की जाएगी तय, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को नहीं जाएगा बक्शा : कुलजीत सिंह रंधावा

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 29 जून। जीरकपुर में मानसून के आते ही जलजमाव की समस्या एक आम बात हो गई है। हर साल बारिश के मौसम में, जीरकपुर में सड़कों और अलग-अलग सोसाइटीज में पानी भर जाता है, जिससे यातायात बाधित होता है और लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह समस्या मुख्य रूप से जीरकपुर में उचित जल निकासी प्रणाली की कमी के कारण होती है। जीरकपुर क्षेत्र में मानसून की पहली बरसात के पढ़ते ही चारों तरफ जल जमाव हो गया। इस स्थिति का जायजा लेने के लिए खुद विधायक कुलजीत सिंह रंधावा अपनी टीम के साथ जीरकपुर के अलग-अलग स्थानों पर ग्राउंड जीरो पर नजर आए। उन्होंने इस मौके पर अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि हर एक अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने वीआईपी रोड, ढकोली एवं बलटाना क्षेत्र का तूफानी दौरा किया। इस मौके पर उनकी टीम के गुरप्रीत सिंह विर्क, प्रताप विर्क, नदीम अहमद, करमजीत चौहान, गुरप्रीत पुढा, हरजोत सिंह के साथ नगर परिषद जीरकपुर के कार्यकारी अधिकारी जगजीत सिंह जज, सेनेटरी इंस्पेक्टर रंजीत सिंह, सवनीत सिंह और ठेकेदार जतिंदर सिंह मौजूद रहे।

अधिकारियों की उदासीनता

कुछ स्थानीय निवासियों का आरोप है कि स्थानीय अधिकारियों ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया है और उचित उपाय नहीं किए जाते। स्थानीय अधिकारियों को इस समस्या को गंभीरता से लेना होगा और उचित उपाय करने होंगे।

नगर परिषद व ड्रेनेज विभाग के बीच नहीं तालमेल

नगर परिषद और ड्रेनेज विभाग में आपसी तालमेल न होने का खामियाजा शहर के लोगों को भुगतना पड़ेगा। पिछले वर्ष जुलाई में शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए थे। ऐसे में पानी निकलने की जगह नहीं मिल पाती। इसी के चलते कॉलोनियों व मेन रोड पर बारिश के दौरान पानी भर जाता है।

सड़कों पर जलभराव

बारिश के मौसम में, जीरकपुर की सड़कें अक्सर पानी से भर जाती हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाई होती है।जलभराव के कारण, सड़कों पर वाहनों की आवाजाही धीमी हो जाती है, जिससे लंबे-लंबे जाम लग जाते हैं।जलजमाव के कारण, नागरिकों को अपने घरों से बाहर निकलने और अपने दैनिक कार्यों को करने में कठिनाई होती है।पानी जमा होने से मच्छरों और अन्य कीड़ों का प्रजनन होता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।जीरकपुर में चंडीगढ़ की तरह एक मजबूत जल निकासी प्रणाली नहीं है, जो बारिश के पानी को प्रभावी ढंग से निकाल सके।कई जगहों पर, नालों और नालियों को अतिक्रमण करके या कचरा डालकर अवरुद्ध कर दिया गया है, जिससे पानी का बहाव बाधित होता है।जीरकपुर में अनियोजित शहरीकरण के कारण, कई निचले इलाकों में पानी जमा हो जाता है।

वार्ड 27 में खुले पड़े चैंबर, सीवर ओवरफ्लो, कहीं मरम्मत के लिए खोदी गई सड़कें

पिछले 15 दिन से सुध लेने नहीं आया कोई अधिकारी

जल्द ही हालत न बदले तो लोगों को सड़कों पर आंदोलन के लिए होना पड़ेगा मजबूर : योगेश अरोड़ा

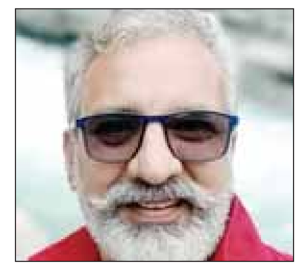

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 29 जून। जीरकपुर क्षेत्र में स्थित वार्ड 27 का हाल हमेशा से ही बुरा हाल है उस पर सोने पर सुहागा यह है की पिछले 15 दिनों से सड़कों की मरम्मत के नाम पर खोदी गई सड़क को दोबारा ठीक करने कोई नहीं आया, ओर अब मानसून के आने के बाद वह पानी भरने से कीचड़ हो गया। इस सड़क के बिल्कुल साथ ही शिव द्वार मन्दिर है। शिवा इन्क्लेव से मन्दिर आने वालों के लिए रास्ता बदलने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया। स्थनीय लोगों का कहना है कि लगभग 8 महीने पहले पानी की पाइप डालने की लिए सड़क की एक साइड 3 फुट तक खोदी गई थी ,अब उस 3 फुट को ठीक करने के लिए पूरी सड़क तोड़ने की क्या जरूरत थी, कंही कुछ घोटाला तो नहीं हो रहा है,ओर जब तोड़ दी गई थी तो बनाने में इतने दिन क्यो? लोगो का कहना ही कि अब मानसून आ गया है।अब हालात और भी बदतर होने वाले है। यहाँ पर जगह जगह में मेनहोल टूटे पड़े है। दुर्गा माता मंदिर के पास वाला में मेनहोल हमेशा ही टूटा रहता है अक्सर यहाँ पर दुर्घटना होती रहती है। इस वार्ड में कभी बिजली की दिक्कत, कभी पानी की, ओर सड़कें ओर सीवरेज का तो हमेशा ही बुरा हाल रहता है। थोड़ी से बरसात आने पर ही सड़कों ओर पानी खड़ा हो जाता है,ओर 2 साल पहले का मंजर याद कर के रूह कांप जाती है। लोगो का कहना ना जाने कब सुधरने शुरू होगे वार्ड 27 के हालत इस इंतजार में दिन गिन रहे है।

स्थानीय समाजसेवी योगेश अरोड़ा के कहना है कि पिछले वर्ष तबाही का मंजर याद कर उनकी रूह आज भी कांप पर जाती है। उन्होंने बताया कि पिछली बार वार्ड नंबर 27 में बरसात के कारण लोगों का काफी नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही हालत न बदले तो लोगो को सड़कों पर आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा यां मजबूरन यह से पलायन करना पड़ेगा।

सेक्टर-43 में बड़ा हादसा टला : सड़क धंसी, 35 टन माल से भरा ट्रक जमीन में धंसा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। चंडीगढ़ के सेक्टर-43 स्थित हाउस नंबर 1807 के पास रेजिडेंशियल एरिया में एक 18 टायर वाला भारी ट्रक, जिसमें करीब 35 टन माल लदा हुआ था, सड़क में धंस गया। यह ट्रक रिहायशी इलाके में कैसे पहुंचा, इस पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बाद प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। गनीमत रही कि घटना के समय सड़क पर कोई पैदल यात्री या वाहन नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय निवासी और पार्षद प्रेमलता इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि अगर कोई जनहानि हो जाती तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती? यह घटना चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। अब सवाल यह है कि-

भारी वाहन रिहायशी क्षेत्र में क्यों और कैसे दाखिल हुआ?

क्या सड़क की गुणवत्ता की जांच समय-समय पर होती है?

अगर हादसा होता, तो जिम्मेदार कौन होता-प्रशासन, ठेकेदार या ट्रक मालिक?

स्थानीय लोग प्रशासन से जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

एनएसएसओ क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने मनाया 19वां सांख्यिकी दिवस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। अर्थशास्त्र, योजना एवं सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर पी.सी. महालनोबिस के अतुलनीय योगदान की स्मृति में एनएसएसओ (एफओडी) के क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने 29 जून 2025 को मिनी हॉल, केंद्रीय सदन, सेक्टर-9, चंडीगढ़ में 19वां सांख्यिकी दिवस मनाया। इस वर्ष का विषय राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष है।

समारोह का उद्घाटन उप महानिदेशक श्री दीपक मेहरा ने किया, जिन्होंने प्रो. महालनोबिस के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि, प्रेस सूचना ब्यूरो के निदेशक (सेवानिवृत्त) श्री पवित्र सिंह ने भारतीय सांख्यिकी प्रणाली में प्रो. महालनोबिस के योगदान और दैनिक जीवन में सांख्यिकी की उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए।

श्री आर.के. मोर, अतिरिक्त निदेशक, आर्थिक और सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग, हरियाणा ने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की ऐतिहासिक यात्रा साझा की, जबकि वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी (सेवानिवृत्त) श्री वासुदेव शर्मा ने डेटा संग्रहण के दौरान अपने अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने प्रो. महालनोबिस को पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन और पोस्टर प्रदर्शनी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के छात्रों सहित लगभग 60 प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी की।

ड्रेनेज वाटर सिस्टम न होने से गई बच्ची की जान परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा दे सरकार : दीपांशु बंसल

अर्थ प्रकाश/जग्गी

कालका, 29 जून। नगर परिषद कालका के क्षेत्र में ड्रेनेज वाटर सिस्टम की खराब स्थिति के कारण एक नन्हीं बच्ची की मौत हो गई है, जिससे स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार की लापरवाही उजागर हुई है। कांग्रेस छात्र इकाई एनएसयूआई लीगल सेल के राष्ट्रीय सह संयोजक दीपांशु बंसल एडवोकेट ने आरोप लगाया है कि सरकार और प्रशासन सुविधाएं मुहैया करवाने में विफल रही हैं।इतना ही नहीं,दीपांशु बंसल ने कहा कि जहां परिषद के सभी पार्षद और प्रतिनिधि समय समय पर अपने अपने वार्ड में सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए आवाज उठाते है वहां प्रदेश की ट्रिपल इंजन वाली भाजपा सरकार सुविधाएं मुहैया करवाने में विफल साबित रही है।

पिंजौर निवासी दिवगंत 9 वर्षीय बेटी के आकस्मिक निधन पर दीपांशु बंसल ने शोक प्रकट करते हुए प्रदेश सरकार से परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा देने की मांग की है,क्योंकि उस बच्ची का निधन प्रदेश सरकार की लापरवाही के चलते हुआ है।इसके साथ ही सभी बरसातो नालों की सफाई के साथ प्रॉपर वाटर ड्रेनेज सिस्टम और ऐसे नालों पर प्रॉपर ढक्कन लगाने की मांग की है।इसको लेकर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखा है।

दीपांशु बंसल ने कहा कि दो महीने पहले ही ड्रेनेज वाटर सिस्टम को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया था, लेकिन सरकार ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया। अगर समय रहते संज्ञान लेकर सुविधाएं मुहैया करवाई जातीं तो यह हादसा नहीं होता। उन्होने कहा कि उनके द्वारा प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन को समय समय पर इस मामले को लेकर सुझाव दिए जाते रहे है परन्तु शासन व प्रशासन सुझावों पर संज्ञान लेने की बजाए केवल मात्र झूठी वाहवाही लूटने में व्यस्त है।

दीपांशु बंसल ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम की खराब स्थिति के कारण जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है और सड़कों की हालत खस्ता है।आलम यह है कि पिंजौर से कालका रोड पर सड़को के दोनों ओर मलबा इकट्ठा हुआ है और इसी प्रकार से बरसाती नालों के खड्डे खुले है ,हालांकि ध्यान न रखने के कारण पानी सड़क पर रहता जी।अगर समय रहते सुविधाएं मुहैया नहीं करवाई गई तो आने वाले समय में लोगों को परेशानी हो सकती है।

श्री आशीष मुनि जी महाराज का पंचकुला में चातुर्मास प्रवेश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 29 जून। उत्तर भारतीय प्रवर्तक राष्ट्रीय संत पूज्य गुरुदेव श्री आशीष मुनि जी महाराज ठाणे 3 अपने चातुर्मास हेतु पंचकुला में नगर प्रवेश हुआ। यह प्रवेश समारोह रविवार, 29 जून को दोपहर 1:00 बजे अर्थ प्रकाश, सैक्टर 29, चण्डीगढ़ से विहार प्रारंभ होकर दोपहर 2:30 बजे जैन भवन, सैक्टर 15, पंचकुला में संपन्न हुआ। चातुर्मास के दौरान पूज्य गुरुदेव के प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 8-30 बजे से 9-30 बजे तक जैन भवन, सैक्टर 15, पंचकुला में आयोजित होंगे। जैन भवन समिति के प्रधान बृज मोहन जैन एवं महामंत्री विनोद जैन ने समस्त जैन समुदाय से अनुरोध किया है कि परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में समय पर पहुंचकर प्रवचन और दर्शन का लाभ प्राप्त करें। यह चातुर्मास जैन धर्म के अनुयायियों के लिए आध्यात्मिक उत्थान और धर्म लाभ का एक अनुपम अवसर है। सभी से निवेदन किया गया है कि इस पावन अवसर का हिस्सा बनें।

सावा एसबीआई के एससी/एसटी वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से उठाएगा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मुद्दों को उजागर करने और इन वर्ग से जुड़े कर्मियों की मांगों और समस्याओं को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखने व हल करवाने हेतु एस बी आई-सावा (चंडीगढ़ सर्कल) संस्था का गठन किया गया है। जिसको लेकर संस्था के पदाधिकारियों ने अपने विचार सांझा किए। सावा के प्रेसिडेंट प्रेम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में एस सी-एस टी वर्ग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मीडिया से बातचीत करते हुए एस सी एस टी एस बी आई आल एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन-सावा (चंडीगढ सर्कल) के जनरल सेक्रेटरी बृज लाल ने बताया कि इस संस्था का गठन एस सी/ एस टी एम्प्लाइज को दरपेश आ रही समस्याओं को हल करवाना और उन्हें मोरल सपोर्ट प्रदान करना है। बृज लाल ने आगे कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि एस सी/एस टी वर्ग से जुड़ी अन्य संस्था सेवो के अध्यक्ष दर्शन सिंह परोचा ने सावा की नीतियों की सराहना करते हुए बिना शर्त से समर्थन देने की घोषणा की है। बृज लाल ने कहा कि एससी/एसटी कल्याण के लिए सावा संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। एस बी आई के व्यापारिक लक्ष्यों और राष्ट्रीय उद्देश्यों की नीतियों और रणनीतिक दिशा का पूरा समर्थन करता है।

हम सभी सदस्यों, विशेष रूप से एस सी /एस टी अधिकारियों से आह्वान करते हैं कि वे बैंक की वृद्धि, ग्राहक सेवा उत्कृष्टता और वित्तीय समावेशन में सक्रिय भूमिका निभाएं। सावा एस बी आई प्रबंधन के साथ रचनात्मक संवाद में विश्वास रखता है, जिससे कर्मचारी कल्याण और संस्थागत प्रगति दोनों को बढ़ावा मिले। उन्होंने आगे कहा कि हम बैंक के आंतरिक सिस्टम को सुदृढ़ करने में भागीदार हैं, बशर्ते कि हमारे सदस्यों के अधिकारों से समझौता न हो।

मंदिरों को अतिक्रमण नोटिस पर हिंदू पर्व महासभा चंडीगढ़ की आपत्ति

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। हिंदू पर्व महासभा चंडीगढ़ की बैठक श्री सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर 37सी में आयोजित हुई, जिसमें शहर के विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में नगर निगम व जिला प्रशासन द्वारा मंदिरों और धार्मिक स्थलों को अतिक्रमण के नोटिस भेजने पर गंभीर चिंता जताई गई।

महासभा के महासचिव श्री कमलेश चंद्र सूरी ने कहा कि कई मंदिर प्राचीन हैं, कुछ महाभारत काल के और कुछ चंडीगढ़ के बसने से पहले के हैं, जिन्हें बिना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पूर्ण अनुपालना के नोटिस जारी किए गए हैं।

महासभा ने आग्रह किया कि प्रशासन मंदिरों को कागजात जमा करने के लिए दी गई समयसीमा 15 दिन बढ़ाए। साथ ही सभी संबंधित मंदिरों से अपील की कि वे 30 जून दोपहर 3 बजे, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन चंडीगढ़ (6वीं मंजि़ल) जाकर अपने दस्तावेज़ जमा करें।

बैठक में रमेश मल्होत्रा, वाई के सरना, लक्ष्मी नारायण सिंगला, रामधन अग्रवाल, अनुज सहगल, अजय कौशिक सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पारस हेल्थ में एडवांस्ड रोबोटिक सर्जरी प्रणाली का भव्य शुभारंभ

दुर्लभ और जटिल सर्जरी के लिए वरदान बनेगी दा विंची एक्सआई तकनीक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 29 जून। रविवार को पारस हेल्थ ने पंचकूला में पहली एडवांस्ड रोबोटिक सर्जरी प्रणाली ड्ड दा विंची एक्सआई का श्री गणेश किया। अब दुर्लभ, जटिल और उच्च जोखिम वाली सर्जरी अधिक सुरक्षित, सटीक और कम दर्दननायक होगी। यह तकनीक यूरोलॉजी, कैंसर सर्जरी, स्त्री रोग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और जनरल सर्जरी में कारगर सिद्ध होगी।

मुख्य अतिथि अजय छगती, सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, चंडीगढ़ ने अत्याधुनिक तकनीक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शहर में इस स्तर की तकनीक का आगमन बेहद सराहनीय है। रोबोटिक सर्जरी मेडिकल लाइन में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर डॉ. मनीष बंसल, तरुण भंडारी, जय कौशिक, और सीमा चौधरी ने शिरकत की।

अर्थ प्रकाश से जानकारी सांझा करते हुए विनीत अग्रवाल, सीओओ ने कहा कि पारस हेल्थ का उद्देश्य मरीजों को मेट्रो-लेवल इलाज उपलब्ध कराया है। डॉ. पंकज मित्तल, फैसिलिटी डायरेक्टर ने कहा कि यह तकनीक सर्जनों को उच्च स्तरीय नियंत्रण और स्पष्टता देते हुए मरीजों को बेहतर परिणाम और कम रिकवरी टाइम मुहैया प्रदान करेगी।

डॉ. जीएस सेठी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. राजन साहू, डॉ. करन मिधा और डॉ. अमित बंसल ने जटिल और दुर्लभ स्थिति में पारंपरिक सर्जरी को जोखिमपूर्ण बताते हुए इस तकनीक को रोगियों के लिए लाभकारी बताया।

'सहनशील बच्चे ही बड़े होकर ऊंचाईयों को छूते हैं'

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 जून। जो बच्चे बचपन में ही सहनशीलता, प्यार, नम्रता आदि मानवीय गुणों को अपनाते हैं वही बच्चे ही बड़े हो कर ऊचाईयों को छूते हैं क्योंकि ऐसे बच्चे किसी की बात पर तुरन्त प्रतिक्रिया नहीं देते, उनके साथ यदि कोई गल्त व्ययवहार करे तो उनमें बदले की भावना भी नहीं होती, उनमें दूसरों की भावनाओं को समझने उनका सम्मान करने और उनसे कुछ सीखने की क्षमता होती है, ऐसे बच्चों में चुनौतियों का सामना करने की क्षमता दूसरों के मुकाबले अधिक होती है, और वे बड़े हो कर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन करते हैं बल्कि अपने समाज व देश का नाम भी रोशन करते हैं ये उद्गार आज यहां सैक्टर 30. में स्थित निरंकारी सत्संग भवन में हुए जोन लैवल बाल समागम में हजारों की संख्या में उपस्थित बच्चों, नौजवानों, महिलाओं और पुरूषों को सम्बोधित करते हुए देहली से आए सन्त निरंकारी मण्डल के प्रचार विभाग के को-ओरडिनेटर श्री हेमराज शर्मा जी ने व्यक्त किए।

1960 के दशक में स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी में प्रोफसर वाल्टर मिशेल द्वारा बच्चों में सहनशीलता पर की गई रिसर्च की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि प्रोफैसर मिशेल ने पाया कि जिन बच्चों में बचपन में ही सहनशीलता थी वे बच्चे बड़े हो कर दूसरों के मुकाबले अच्छे अच्छे पदों पर तैनात थे या उनके बिजनैस बहुत अच्छे चल रहे थे, इसलिए बच्चों में जितना अधिक हो सके बचपन से ही सहनशीलता लाई जाए ताकि ये बड़े हो कर न केवल अपना जीवन सुखमयी तरीके से व्ययतीत कर सकें बल्कि परिवार, समाज और देश के लिए सेवक बन सकें।

बच्चों में सहनशीलता लाने की विधि की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि बच्चों को सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज द्वारा दिया जा रहा ब्रहमज्ञान प्रदान करने व अधिक से अधिक सत्संग करने से उनके अन्दर सहनशीलता का विकास होता है लेकिन इसके लिए उनके माता-पिता को भी गुरमत को अपनाने व सत्संग सेवा सिमरन में पीछे नहीं रहना इसलिए बच्चों को सत्संग में भेजना जरूरी है ताकि बच्चे बड़े हो कर एक अच्छे नागरिक बनने सके।

इस बाल समागम में छोटे से छोटे और बड़े से बड़े बच्चों ने सत्संग में दी जाने वाली शिक्षाओं को जीवन में अपनाने बारे अनेक भाषाओं का सहारा लेते हुए गीत, कविता, स्पीच व स्किट आदि के रूप में व्यक्त करके सभी श्रोताओं के मनों को मोह लिया। इस अवसर पर यहां के जोनल इन्चार्ज श्री ओ पी निरंकारी व यहां के संयोजक श्री नवनीत पाठक जी ने इस अवसर पर उपस्थित सभी बच्चों, उनके इन्चार्ज, उनके माता-पिता जिन्होंने बच्चों को यहां अपनी अपनी आईटम्ज पेश करने में सहयोग दिया सभी का हृदय से धन्यवाद किया और सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज से सभी को हर तरह के सुख प्रदान करने की प्रार्थना की।

रामचरित मानस में भाई का भाई के लिए त्याग दिखाया गया है, तभी रामायण जैसा महाग्रंथ बना : विधायक कादियान

अर्थ प्रकाश/ सुरेंद्र कुमार

गन्नौर, 29 जून। गांव पांची जाटान के उदय सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रही दिव्य श्रीराम कथा का समापन भव्य रूप से हुआ। कथा का आयोजन गोपाल सेवा ट्रस्ट वृंदावन के तत्वावधान में किया गया था। समापन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे।

उन्होंने पूजन कर कथा श्रवण किया। आयोजकों ने फूलमाला और पटका पहनाकर उनका स्वागत किया।कथावाचक श्री गोपाल कृष्ण जी महाराज ने कहा कि रामकथा सुनने और मनन करने से मनुष्य सभी पापों से मुक्त हो जाता है। इससे आत्मिक सुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जैसे गंगा अपने प्रवाह से क्षेत्र को पावन करती है, वैसे ही जहां कथा होती है, वहां का वातावरण भी पवित्र हो जाता है। कथा के दौरान जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। कथावाचक ने विधायक को आशीर्वाद स्वरूप भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट की।

रामचरित मानस में दिखाया गया है भाई का भाई के लिए त्यागः विधायक

विधायक कादियान ने कहा कि रामचरित मानस में भाई का भाई के लिए त्याग दिखाया गया है, तभी रामायण जैसा महाग्रंथ बना। जब व्यक्ति भाई के हक पर कब्जा करता है, तब महाभारत होता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम की कृपा से ही रामकथा संभव होती है। यह भक्ति और मुक्ति दोनों देने वाली है। रामकथा मनुष्य को मर्यादा में रहने की सीख देती है।रामकथा के समापन पर हवन हुआ। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

ये रहे मौके पर मौजूद

इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल गीता देवी, मुकेश देवी, निर्मला देवी, अनीता रानी, सुशीला देवी, सोमबीर, अनिल, आनंद, महासिंह सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

कुंडली : रविवार को भाजपा नेता नितिन कौशिक ने अपने कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वां संस्करण सुना। फोटो : आदेश त्यागी

ड्रेन नंबर 6 में पानी की निकासी के लिए गाद निकालने का काम शुरू

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 29 जून। ड्रेन नंबर 6 में पानी की निकासी में रुकावट न रहे इसके लिए विशेषकर पुलों के आसपास गाद निकालने का काम शुरू किया गया है। मेयर नगर निगम राजीव जैन ने मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया और ठेकेदार को सफाई अच्छे ढंग से करने के निर्देश दिए। राजीव जैन ने बताया कि बरसात के दिनों में अक्सर ड्रेन के पुलों के नीचे कूड़ा करकट इकठ्ठा हो जाता है जिसे पानी की निकासी अवरुद्ध हो जाती है इसलिए नगर निगम क्षेत्र में ड्रेन नंबर 6 के सभी पुलों के आसपास सफाई करवाई जा रही है ।उन्होंने बताया कि ट्रेन नंबर 6 को ढकने का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और पुलों को जोड़ने के लिए 9 करोड़ की लागत से कागजी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मेयर ने कहा कि ड्रेन नंबर 6 के साथ चावला कालोनी समेत अनेक कॉलोनीयों के पानी की निकासी के लिए डाली गई लाइन डालने के बाद पलक नहीं खोले गए जिससे तुरंत प्रभाव से खोलने के निर्देश भी दिए गए हैं उन्होंने कहा कि हर संभव प्रयास है कि जलभराव की समस्या कम से कम उत्पन्न हो। राजीव जैन ने कहां की बरसात के बाद ड्रेन नंबर 6 के साथ-साथ ऊबड़ खाबड़ हो चुकी जमीन को ठीक करने, बड़े-बड़े हो चुके गड्ढों को भरने का अभियान चलाया जाएगा और ड्रेन के साथ-साथ गंदगी डालने पर भी रोक लगाई जाएगी।

ज्ञानी धरम सिंह भंखरपुर की किताब 'भंखरपुर की बात' रिलीज, कवि दरबार का भी आयोजन

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 28 जून। पंजाबी साहित्य सभा, डेराबस्सी की ओर से शहीद जथेदार बख्तावर सिंह लाइब्रेरी, भंखरपुर में करवाए गए कवि दरबार के दौरान जियानी धरम सिंह भंखरपुर की नई किताब 'पुआध के मशहूर गाँव भंखरपुर की बात' रिलीज की गई। यह उनकी 16वीं किताब है। इस मौके पर सभा के प्रधान जैलदार सिंह हसमुख ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जियानी धरम सिंह भंखरपुर न केवल पुआध से जुड़े स्तरीय साहित्य की रचना कर रहे हैं बल्कि यह काम लगातार कर रहे हैं। इस मौके पर बोलते हुए प्रसिद्ध कवि और आलोचक जै पाल ने कहा कि इस किताब में न केवल गाँव भंखरपुर बल्कि आस-पास के इलाके का इतिहास भी शामिल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए रौशनी के मीनार का काम करेगा। इस मौके पर करवाए गए कवि दरबार में कवि जसवीर परागपुरी ने मौजूदा समय में पेश आ रही सबसे भयानक सामाजिक बुराई नशों पर अपनी कविता 'नशा-मुक्त पंजाब' सुनाई। मौजूदा समय में गिर रहे राजनीतिक स्तर पर कवि जै पाल ने अपनी कविता 'तीसरी माफी' से हाज़िरी लगवाई। इंसान की तरफ़ से अपने फर्ज निभाते हुए कुछ गलतियाँ भी हो सकती हैं, जीवन के इसी संतुलन पर अनिल चौहान ने अपना गीत 'मैं कोई संत फ़कीर नहीं, जो आया डेरे से' सुनाया। गीतकार जैलदार सिंह हसमुख ने पंजाबियों की खाने-पीने की गलत आदतों पर अपना गीत 'भारी खुराकें' सुनाया। जियानी धरम सिंह भंखरपुर ने भी अपनी कविताओं 'सही सलाह' और 'लंबी नज़र' से श्रोताओं से रूबरू हुए। एडवोकेट कंवलजीत सिंह ने गुरु नानक देव जी के जीवन पर आधारित अपनी कविता सुनाई। इस मौके पर इनके अलावा निरपक्ष एड के प्रधान गुरमीत सिंह, प्रोफेसर रविंदर सिंह, गुरकमल सिंह आदि भी शामिल थे। सभा के जनरल सेक्रेटरी गुर्जिंदर सिंह बड़ाणा ने रमाशंकर यादव 'विद्रोही' की हिंदी कविता 'औरत' का अनुवाद सुनाया और मंच की कार्यवाही बखूबी चलाई।

भाजपा नेता माईराम कौशिक ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुना

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 29 जून। भाजपा नेता माईराम कौशिक ने रविवार को अपने कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वां संस्करण सुना।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम एक मुहिम है, जो देश की समृद्ध संस्कृति, विरासत को बढ़ावा देती है और उनके विकसित भारत अभियान को गति देने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि की बात कार्यक्रम हर भारतीय के जीवन मे बदलाव व हर नवाचार माध्यम को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ माध्यम बन गया है।

माईराम कौशिक ने कहा कि मन की बात में प्रधानमंत्री ने योग और स्वास्थ्य को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने 21 जून को मनाए गए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की भव्यता पर बात की और बताया कि योग के जरिए हम न केवल शरीर और मन को संतुलित करते हैं, बल्कि धरती और स्वास्थ्य के प्रति वैश्विक जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

लोन वाले प्लाट का सौदा कर ठगे 55.64 लाख रूपये, दंपति समेत चार पर मामला दर्ज

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं 29 जून। एक बड़ा मामला सामने आया है। एक दंपति और उनके दो साथियों ने मिलकर एक एनआरआई व्यक्ति को अपना शिकार बनाते हुए 55.64 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। पीड़ित नरेश खुराना ने पुलिस को बताया कि आरोपियों से उनकी जान-पहचान थी। आरोपियों ने रॉयल सिटी जगराओं में एक प्लॉट का सौदा 1 करोड़ 13 लाख रुपए में किया। उन्होंने कई किश्तों में कुल 55 लाख 64 हजार रुपए एडवांस के रूप में ले लिए और इकरारनामा कर लिया। रजिस्ट्री से पहले पीड़ित को पता चला कि प्लॉट पर पहले से ही एक प्राइवेट कंपनी का लोन चल रहा है। जब उन्होंने आरोपियों से एनओसी मांगी, एनओसी ना देने पर जब उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे आरोपियों ने अपनी ऊंची पहुंच व अधिकारियों से मधुर सबंधों का रौब दिखाते हुए जान से मारने की धमकियां दीं। पीड़ित ने बताया कि वह आरोपियों से इस कदर डर गए, कि उन्होंने जगराओं शहर छोड़ कर कही और रहना शुरू कर दिया। उसके बाद पुलिस को शिकायत दर्ज कार्रवाई पुलिस ने मामले की गहराई से जांच करने के बाद दंपति समेत चार आरोपियों पर थाना सिटी में मामला दर्ज कर लिया।

विधायक निखिल मदान ने सेक्टर 23 में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, 29 जून। रविवार को विधायक निखिल मदान ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आकाशवाणी के माध्यम से देशवासियों के साथ किये जाने वाले संवाद मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर विधायक निखिल मदान के साथ सेक्टर 23 के बूथ नंबर 191 के भाजपा कार्यकर्त्ता भी मौजूद रहे। विधायक निखिल मदान ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ बैठ कर मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस दौरान उन्होंने भगवान विश्वकर्मा मंडल के अंतर्गत आने वाले 191 बूथ नंबर के कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा की नीतियों को आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की।विधायक निखिल मदान ने बताया कि नए बस स्टैंड का निर्माण और सामान्य अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण सोनीपत की सम्मानित और देवतुल्य जनता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसीलिए उन्होंने दोनों कार्य के लिए विधानसभा में मजबूत तरीके से पैरवी की थी। आज वो हरियाणा सरकार और प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का इन कार्यों को स्वीकृति देने के लिए आभार एवं धन्यवाद प्रकट करते हैं।जल्द ही दोनों कार्य को धरातल पर शुरू किया जाएगा।

इस मौके पर शशिकांत भारद्वाज, किरण बाला, अमित कौशिक, गौरव कौशिक, अमन योगी, सौरभ चाँदना, गौतम शर्मा, विक्की, तरुण नारंग, शुभम गुप्ता, रिंकू कुमार, हर्षुल कौशल, संदीप, हरीश, रमेश, नीरज, कुलदीप वत्स आदि लोग मौजूद रहे।

समृद्ध संस्कृति व विकसित भारत के विचार को समर्पित मन की बात : डॉ अरविंद शर्मा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

गोहाना, 29 जून। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम एक मुहिम है, जो देश की समृद्ध संस्कृति, विरासत को बढ़ावा देती है और उनके विकसित भारत अभियान को गति देने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि की बात कार्यक्रम हर भारतीय के जीवन मे बदलाव व हर नवाचार माध्यम को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ माध्यम बन गया है।

रविवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने अपने कैम्प कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वां संस्करण सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में हमेशा भारत की संस्कृति और इतिहास को समृद्ध बनाने और 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने का जिक्र करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में कभी भी राजनीति पर बात नहीं की, वे हमेशा राष्ट्र और समाज हित की बात करते हैं। इस बार के एपिसोड की शुरुआत प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन की चर्चा से की।

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बदौलत योग अब सिर्फ भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक जन आंदोलन बन चुका है। इस वर्ष के योग दिवस पर देशभर में दिव्यांगजनों से लेकर सुरक्षाबलों तक, सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तेलंगाना में दिव्यांगजनों के योग अभ्यास और कश्मीर में तैनात सैनिकों के योग सत्र से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भारत की एकता और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक बना है। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्राओं में स्वैच्छिक संगठनों के सेवाभाव की भी सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से कैलाश पर्वत यात्रा का ज़िक्र किया और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए काम कर रहे सेवकों और संगठनों को धन्यवाद दिया।

इसके साथ ही उन्होंने आगामी अमरनाथ यात्रा, जो 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है, का उल्लेख करते हुए सुरक्षा, सुविधा और श्रद्धा के संगम को राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक बताया। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए देश को 'ट्रैकोमा मुक्त' घोषित किया है। यह उपलब्धि न केवल चिकित्सा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह सरकार की जनस्वास्थ्य योजनाओं की सफलता का प्रमाण भी है।

भगवद् संबंध का बोध करवाते हैं गुरुदेव : स्वामी राजेंद्र दास

श्रीमद् भागवत कथा का गोंदपुर जयचंद में भव्य समापन

उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने क्षेत्रवासियों का जताया आभार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 29 जून। हरोली उपमंडल के गोंदपुर जयचंद में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा एवं ज्ञान महायज्ञ रविवार को दिव्य वातावरण और भावपूर्ण पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री की पुण्य स्मृति में करवाया गया।

कथा के अंतिम दिवस पर कथा व्यास परम पूज्य जगतगुरु स्वामी श्री राजेंद्र दास देवाचार्य जी महाराज ने श्रीकृष्ण पुत्र प्रद्युम्न जन्म कथा, स्यमंतक मणि प्रसंग, परीक्षित मोक्ष संवाद और भागवत श्रवण महात्म्य जैसे प्रसंगों के माध्यम से जीवन के गूढ़ संदेश प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव जीवन को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर करने वाला परम मार्गदर्शक है।

स्वामी जी ने तामसिक जीवनशैली पर भी चेताया और मांसाहार को आत्मिक अधोगति का कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज का समाज भौतिकता की दौड़ में मूल्यों से विमुख होता जा रहा है, जिसे केवल आध्यात्मिकता ही पुनः संतुलित कर सकती है।

उन्होंने कहा कि जीव का नित्य सम्बन्ध परमात्मा से है, लेकिन माया के जाल में फंस कर वह भगवद संबंध को विस्मृत कर देता है। उस शाश्वत सम्बद्ध का बोध गुरुदेव करवाते हैं। उन्होंने माता को ही प्रथम और श्रेष्ठ गुरु बताया जो जीवन को सही दिशा देती है।

श्रीमद् भागवत कथा के समापन के उपरांत गोन्दपुर में परम पूज्य स्वामी श्री राजेन्द्र दास देवाचार्य जी महाराज के पावन कर कमलों द्वारा एक वट वृक्ष का पौधा रोपित किया गया।

उन्होंने स्वर्गीय डॉ. सिम्मी अग्निहोत्री द्वारा अपनी सुपुत्री डॉ. आस्था अग्निहोत्री को व्यावहारिक ज्ञान के साथ प्रदान किए आध्यात्मिक ज्ञान और परमार्थ के रास्ते पर चलने की सीख की भूरि भूरि प्रशंसा की।

समापन अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने स्वामी श्री राजेंद्र दास जी महाराज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सप्ताह उनके जीवन का अत्यंत पावन, शांतिपूर्ण और प्रेरणादायक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि स्वामी जी के सान्निध्य में इस कथा को सुनना उनके समेत सभी क्षेत्रवासियों और अन्यान्य स्थलों से आए श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक सौभाग्य रहा। उन्होंने आयोजन में योगदान देने वाले श्रद्धालुओं, संतजनों और सहयोगियों का भी विशेष आभार जताया।

उपमुख्यमंत्री की सुपुत्री डॉ. आस्था अग्निहोत्री ने भी इस अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्हें मां ने हमेशा जीवन के हर मोड़ पर सही राह दिखाई, यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है। उन्होंने कथा व्यास महाराज जी के प्रति कृतज्ञता जताते हुए आयोजन में पधारे सभी श्रद्धालुओं का धन्यवाद किया।

समापन अवसर पर स्वामी कृष्णानंद जी महाराज व अन्य संत समाज के साथ साथ राजनीतिक और समाज जीवन के अनेक ख्यातिलब्ध गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस मौके स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार, श्री ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न,दून के विधायक राम कुमार चौधरी, चम्बा के विधायक नीरज नैयर, नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बावा, श्री चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू, पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कौल सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश पठानिया, पूर्व विधायक अजय महाजन, एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों और हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को भव्यता प्रदान की।

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता से, यदि कोई हो, सूचित करने और आपत्तियां मांगने के लिए है कि हमारे ग्राहक टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, प्लॉट नंबर एससीओ नंबर 56, द्वितीय तल, मध्य मार्ग, सेक्टर 26-, चंडीगढ़-160019 ने अंकित शर्मा को संपत्ति के खिलाफ ऋण मंजूर किया था, यानी दुकान नंबर 20, निचला तल, केसरी प्लाजा, वीआईपी रोड, (बिक्री विलेख संख्या 11480 दिनांक 30.01.20241 के अनुसार, 4 बिस्वा 110 वर्ग गज (कवर्ड एरिया-264 वर्ग फीट) की माप, 1 बीघे 16 बिस्वे भूमि का 41720 हिस्सा है, जो खेवट/खतौनी संख्या 51157 खसरा संख्या 711/311(1-14) और 712/646/311(0-2), टुकड़े (किते) 2, (जमाबंदी 2019-20), बिशनपुरा (हदबस्त नंबर 44), एम.सी. और उपतहसील- जीरकपुर, तहसील- डेराबस्सी, एसएएस नगर, पंजाब में शामिल है। संयुक्त उप रजिस्ट्रार जीरकपुर के कार्यालय में पंजीकृत बिक्री विलेख संख्या 1567, दिनांक 27.04.2022, शशि सतीजा पत्नी गुलशन राय सतीजा द्वारा श्री परमीत सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह के पक्ष में निष्पादित उपरोक्त संपत्ति खो गई है। यह कि उक्त बिक्री विलेख के खो जाने के संबंध में पुलिस स्टेशन, सेक्टर-17 चंडीगढ़ में एक डीडीआर संख्या ICMS/2025/021154 दिनांक 27.06.2025 दर्ज की गई थी और उसी के संबंध में एक क्षतिपूर्ति बांड संख्या IN-CH56693044767930X दिनांक 19.06.2025 गुम हो गया है। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार से बिक्री, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, विनिमय, बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, ट्रस्ट, कब्जा, सुखभोग, कुर्की या अन्य किसी भी प्रकार से कोई दावा, अधिकार, शीर्षक या हित रखता है, तो वह इस नोटिस की तारीख से 15 दिनों की अवधि के भीतर सहायक दस्तावेज/साक्ष्य के साथ लिखित रूप में नीचे हस्ताक्षरकर्ता के ध्यान में लाएगा, ऐसा न होने पर, यदि कोई दावा हो, तो उसे छोड़ दिया गया माना जाएगा और यह माना जाएगा कि उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति का किसी भी प्रकार का कोई दावा नहीं है और बाद में किया गया कोई भी दावा हमारे ग्राहकों या उनके उत्तराधिकारियों/असाइनियों को किसी भी तरह से बाध्य नहीं करेगा।

अंकुर ऋषि, एडवोकेट ऋषि एसोसिएट्स एडवोकेट और कानूनी सलाहकार,
एससीओ नंबर 87, पहली मंजिल, रॉयल एस्टेट, लोहगढ़, चंडीगढ़-अंबाला हाईवे, जीरकपुर, जिलाः एसएएस नगर, पंजाब, फोन- 99141-38484

AP-2286

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS | आज ही बुक करें PH. : 0172-2638515, 98883-03520 Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं Praveen कुमारी पत्नी संजीव Nepal वासी 23, गांव इस्लाम नगर, डाकघर कलसौरा, जिला करनाल ब्यान करती हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर Parveen कुमारी से Praveen कुमारी रखा है

मैं शिव कुमार पुत्र भूरा राम वासी मकान नं 246, गांव Koer, डाकघर माजरा रोड़ान, जिला करनाल ब्यान करता हूँ की मैंने अपनी नाबलिग पुत्री का नाम बदलकर पाखी से पाखी चौधरी रखा है

मैं शिव कुमार पुत्र भूरा राम वासी मकान नं 246, गांव Koer, डाकघर माजरा रोड़ान, जिला करनाल ब्यान करता हूँ की मैंने अपने नाबलिग पुत्र का नाम बदलकर देव से देव चौधरी रखा है

मैं कुलविंदर कौर पत्नी जोगिन्दर सिंह वासी गांव Bhatt माजरा (सरस्वती खेड़ा) तेह पेहोवा जिला कुरुक्षेत्र ने अपना नाम बदलकर सुरिंदर कौर रखा है

एपी-2285

मैं कर्म सिंह पुत्र गुजर सिंह निवासी मकान न.270 वार्ड न.6 शिव कॉलोनी असंध जिला करनाल ने अपनी (नाबालिग) पुत्री का नाम अजन दीप कौर से बदलकर अजनदीप कौर रख लिया है। सभी संबंधित नोट करे।

एपी-2288

मैं दीपांशु शर्मा पुत्र श्री रमेश कुमार शर्मा निवासी गांव बागवाली पोस्ट ऑफिस कक्कड़ माजरा, पंचकूला, हरियाणा, घोषित करता हूं कि मेरे मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र में मेरे पिता का नाम रमेश शर्मा लिखा है, जबकि उनका वास्तविक नाम रमेश कुमार शर्मा है, रमेश शर्मा और रमेश कुमार शर्मा दोनों एक ही व्यक्ति हैं।

मैं मधुर बांगड़ पुत्र देवेंद्र निवासी जींद रोड रेलवे फाटक गोहाना, सोनीपत बयान करता हूं कि मार्कशीट और आधार कार्ड में मेरा नाम मधुर दर्ज है जबकि सही नाम मधुर बांगड़ है।

एपी-2287

I, Ashima, D/o Sh. Prem Krishan Joshi, R/o 299A, Palam City, Sec. 127, Kharar, Mohali, That Changed my name Ashima Salwan to Aashima.

AP-2286

मैं राशी जैन सपुत्री धीरज जैन, निवासी सढौरा, उपतहसील सढौरा, तहसील बिलासपुर, जिला यमुनानगर कि मैने अपना नाम राशी से बदलकर राशी जैन रख लिया है।

मैं रेनू जैन पत्नी धीरज जैन, निवासी सढौरा, उपतहसील सढौरा,तहसील बिलासपुर, जिला यमुनानगर कि मैने अपना नाम रेनू से बदलकर रेनू जैन रख लिया है।

मैं धीरज जैन पुत्र श्री अमर चंद जैन, निवासी सढौरा, उपतहसील सढौरा, तहसील बिलासपुर, जिला यमुनानगर कि मैने अपना नाम धीरज से बदलकर धीरज जैन रख लिया है।

एपी-2289

मैं, कपिल सरदाना पुत्र श्री रमेश कुमार सरदाना निवासी मकान नंबर 77, आदर्श नगर, भिवानी, हरियाणा घोषणा करता हूं कि मेने अपनी बेटी का नाम सौम्या सरदाना से बदलकर सौम्या सरदाना कर दिया है।

I, Army No: JC-589192X Rank- NB/SUB Name- Ashok Kumar Presently Posted at Unit: 5 Ladakh Scouts C/o 56 APO Permanent Address: Village: Pirh, Post Office: Basona, Tehsil: Ladbharol, PO: Basona, Dist: Mandi, Himachal Pradesh- 176126 declare that I have changed My Son's Name from ADITYA to ADITYA BHARDWAJ

AP-2280

I Ram Niwas Kalra S/o Lachhman Dass R/o Hause no 3074 sector 24 D Chandigarh have changed my name from Ram Niwas Kalra to change Ram Niwas.

I Sushma Kalra w/o. Ram Niwas r/o Hause no 3074 sector 24 D Chandigarh have changed my name from Sushma Kalra to Sushma

AP-2290

बेदखली सूचना

हम रहीश अहमद पुत्र अली हसन और खुर्शीदा बेगम पत्नी रहीश अहमद, दोनों निवासी गांव- सुखदर्शनपुर, पोस्ट ऑफिस खटौली, पंचकूला, तहसील और जिला पंचकूला हरियाणा, घोषणा करते हैं कि हमारा बेटा शिकिल अहमद हमारे नियंत्रण से बाहर है। हम अपने बेटे को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करते हैं। उसके साथ कोई भी लेन-देन करने वाला व्यक्ति अपने जोखिम और लागत पर जिम्मेदार होगा। हमारा और हमारे परिवार का हमारे बेटे से कोई लेना-देना नहीं होगा।

एपी- 2280

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

कैबिनेट मंत्री ने दनौदा खुर्द के बूथ नम्बर 216 पर सुना प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम

प्रधानमंत्री के साहस और साधना के समन्वय का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण : कृष्ण बेदी

- मन की बात में ग्रामीणों की भागीदारी, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने दनोदा में दिए विकास के रुपये 25 लाख, जल संरक्षण व पर्यावरण पर दिए प्रेरणादायक संदेश
- सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की सफलता के लिए जनभागीदारी अति आवश्यक
- पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पौधारोपण, नशा मुक्ति अभियान जैसे कार्यक्रमों के प्रति होनी चाहिए जन चेतना

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 29 जून। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश की तरक्की में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की सफलता के लिए जनभागीदारी अति आवश्यक है। जनता के सहयोग से जहां विकास को गति मिलती है, वहीं सरकारी योजनाओं का पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना भी सुनिश्चित होता है। कल्याणकारी योजनाओं के जमीनी स्तर पर लागू करने में जन सहयोग की अपनी भूमिका होती है। विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पौधारोपण, नशा मुक्ति अभियान जैसे कार्यक्रमों के प्रति भी जन जागरण होना चाहिए। यह सभी वर्तमान वक्त के ज्वलंत विषय हैं और इनको जन साधारण के साथ मिलकर भी प्राप्त किया जा सकता है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को सुन रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने आकाशवाणी पर प्रसारित यह कार्यक्रम दनौदा खुर्द के बूथ नम्बर 216 पर शमशेर नैन के निवास पर सुना। मन की बात कार्यक्रम का यह 123वां एपिसोड था, जिसे कैबिनेट मंत्री के साथ ग्रामीणों ने भी सुना। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने गांव के विकास कार्यों के लिए 25 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत को अन्य जरूरी विकास कार्यों का प्रस्ताव भेजने के लिए भी कहा ताकि उनके एस्टीमेट बनाए जा सकें और ग्रामीणों को विकास परियोजनाओं का लाभ पहुंचाना भविष्य में सुनिश्चित किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशभर में लोकप्रिय बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से सीधा जुड़कर अत्यंत ज्वलंत विषयों पर चर्चा की जाती है। प्रधानमंत्री द्वारा साहस और साधना के समन्वय का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस संदेश को देश वासी आत्मसात कर किसी भी प्रकार की आपदा एवं संकट की घड़ी से पार पा सकता है। कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि वृक्षारोपण, गांव दर गांव तालाबों की सफाई, जन जन तक योग का प्रचार, जल जीवन मिशन, ग्रामीण स्तर पर ज्ञान केंद्र, व अटल सेवा केंद्रों की स्थापना जैसे आंकने में कमतर लेकिन जमीनी स्तर से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर मौजूदा केंद्र व राज्य सरकार का मुख्य फोकस है। इनमें आम जन के जीवन स्तर में आमूलचूल व सकारात्मक परिवर्तन संभावी हैं। कैबिनेट मंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे स्वयं भी मन की बात कार्यक्रम को सुनें और इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इस कार्यक्रम को सुनने से आमजन में समरसता, सहिष्णुता, एकाग्रता तथा सौहार्द के साथ जीवन जीने की प्रेरणा प्रबल होती है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का गांव में पहुंचने पर ढोल, फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

इस मौके पर शमशेर नैन, सर्वजातीय बिनैण खाप के उप प्रधान भगतराम, सरपंच सुदेश, जितेंद्र सिंह, बूथ अध्यक्ष रोहताश नैन, मंडल अध्यक्ष सत्यवान शर्मा, धर्मपाल ठेकेदार, अमित धरोदी, तेजपाल शर्मा, नरेश, राजेंद्र सिंह, कुलदीप सरपंच दबलैन, दयानंद शर्मा सैंथली, भीमसेन दनौदा, कैबिनेट मंत्री के निजी सहायक फकीर चंद, मीडिया प्रभारी संजय बल्हारा सहित अनेक ग्रामीण तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं संग सुनी पीएम के मन की बात

पीएम राजनीति की नहीं बल्कि राष्ट्र व समाज हित की करते हैं बात : ज्योति सैनी

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 29 जून। कैथल भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने बूथ नं.176 पर मण्डल अध्यक्ष गोपाल सैनी और चंदाना गेट मंडल की पूरी टीम के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 123 वे संस्करण को सुना। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर पहुंची जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में हमेशा भारत की संस्कृति और इतिहास को समृद्ध बनाने और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का जिक्र करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में कभी भी राजनीति पर बात नहीं की। वें हमेशा राष्ट्र और समाज हित की बात करते हैं। इस बार के एपिसोड की शुरुआत प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन की चर्चा से की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि योग अब सिर्फ भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक वैश्विक जन आंदोलन बन चुका है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के योग दिवस पर देशभर में दिव्यांगजनों से लेकर सुरक्षाबलों तक सभी ने बढ़-चढ?र हिस्सा लिया। खासतौर पर उन्होंने तेलंगाना में दिव्यांगजनों के योग अभ्यास और कश्मीर में तैनात सैनिकों के योग सत्र का उल्लेख करते हुए इसे भारत की एकता और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने तीर्थ यात्राओं में जुटे सेवा भाव और स्वैच्छिक संगठनों की भी सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से कैलाश पर्वत यात्रा का जिक्र किया और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए काम कर रहे सेवकों और संगठनों को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने आगामी अमरनाथ यात्रा जो 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है उसक भी उल्लेख किया। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित, मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी, ओम प्रकाश मीरा, ऊषा मचल, सुमित कल्याण, राजेश सिंगला, सोमदत्त कौशिक, सरोज कुमारी, अरुण शर्मा, महावीर सैनी, जग्गा सैनी, गोपाल वर्मा, सुशील गोयल, हर्ष गोयल, हितेश शर्मा, विक्की, अशोक सैनी, राजेश सैनी, राजेश जस्सी, विकाश सैनी, कपूर चंद लाड़ी, प्रदीप भट्ट आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने अफीम सहित दो तस्कर पकड़े

पिहोवा (अप्रस/मोहित पौलस्त्य)। थाना शहर पिहोवा में एनडीपीएस अधिनियम के तहत 210 ग्राम अफीम बरामद की गई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की कुरुक्षेत्र यूनिट ने 210 ग्राम अवैध अफीम के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के महानिदेशक ओ.पी. सिंह के दिशा-निर्देशों और प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियानों के तहत की गई। एनसीबी के कुरुक्षेत्र यूनिट प्रभारी निरीक्षक ऋषीपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा के नेतृत्व और उप पुलिस अधीक्षक जगबीर सिंह के निर्देशन में की गई। उप निरीक्षक राजेश कुमार द्वारा अपनी टीम के साथ थाना शहर पिहोवा क्षेत्र में नाका लगाया गया था, जब उन्हें गुप्त सूचना मिली कि दो तस्कर राम नाटक क्लब, पिहोवा के पास अवैध अफीम की बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने राम नाटक क्लब के पास दबिश दी और मौके से दो तस्करों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नसीब उर्फ टींडू पुत्र महावीर वासी पिहोवा और अश्विनी मसीह उर्फ गोरा पुत्र प्रकाश मसीह निवासी संधौली,हाल आबाद गऊचरान के रूप में हुई है। यूनिट के पुलिस प्रवक्ता ने बताया की आरोपियों के खिलाफ थाना शहर पिहोवा में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

डॉग स्क्वाड टीम के साथ पुलिस ने चलाया का सर्च ऑपरेशन

हांसी (अप्रस/दिनकर गावड़ी)। एंटी नार्कोटिक सेल हांसी पुलिस ने डॉग स्क्वाड टीम के साथ साईं कॉलोनी व चार कुतुब गेट क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान संदिग्ध स्थानों और व्यक्तियों की गहन जांच की गई, हालांकि कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और अपराधियों में भय पैदा करना है। उन्होंने आमजन से अपील की कि नशा बेचने वालों या किसी अपराधी की जानकारी हेल्पलाइन नंबर 1933 या कंट्रोल रूम हांसी 8813089302 पर दें, सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए पुलिस खेल गतिविधियों के जरिए जागरूकता अभियान भी चला रही है।

16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म व ब्लैकमेल के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/संजीव कुमार

व्यासपुर, 29 जून। जिला यमुनानगर के थाना छछरौली पुलिस की टीम ने 16 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसला कर नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने व ब्लैकमेल करने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए थाना छछरौली पुलिस की टीम ने 16 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसला कर जबरदस्ती घर से भगा कर नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने व ब्लैकमेल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

थाना प्रबंधक जगदीश चंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 19 जून को थाना क्षेत्र के एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिक लड़की घर में बिना किसी को बताये कहीं चली गई है। इस शिकायत पर मुकदमा दर्ज करना नाबालिक की तलाश शुरू की गई। दिनांक 22 जून को गुमशुदा लड़की का पिता अपनी लड़की को थाने में लाया। गुमशुदा नाबालिक लड़की ने अपना मेडिकल करवाने से मना कर दिया। दिनांक 25 जून को लड़की की मां ने दोबारा से शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी लड़की को गांव बुर्ज जिला अंबाला निवासी ललित उर्फ मोटा पुत्र निर्मल सिंह ने बहला फुसला कर नशीला पदार्थ खिलाकर लड़की के साथ गलत काम किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि दिनांक 19 जून को उसकी बेटी स्टेडियम में जा रही थी तो आरोपी उसको मिल गया और उसकी लड़की को बहला फुसला कर चॉकलेट दी उसमें नशीला पदार्थ खाकर उसकी लड़की बेसुध हो गई जिसको वह अपने अन्य साथी के साथ बाइक पर बिठाकर ले गए।

लीलाराम जनता के सच्चे सेवक : गौरव पाडला

कहा- लीलाराम जन जन तक पहुंचा रहे हैं सरकारी योजनाएं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कैथल, 29 जून। हिंदी सलाहकार समिति केंद्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार दूर संचार विभाग, संचार मंत्रालय के सदस्य एवं भाजपा नेता गौरव मित्तल पाडला ने कहा कि कैथल से भाजपा के पूर्व विधायक भाई लीला राम की जनता के प्रति समर्पण और सादगी उनकी पहचान बन चुकी है। लोग उन्हें जन-नेता कहकर बुलाते हैं। आज भी अपनी ईमानदारी और मिलनसार स्वभाव के कारण जनता के दिलों में पूर्व विधायक लीला राम खास जगह बना चुके है जो आज के समय में एक सच्चे जनसेवक की मिसाल बन चुके हैं। ऐसे ईमानदार और मिलनसार नेताओं की राजनीति में ज़रूरत हमेशा बनी रहेगी, क्योंकि लोकतंत्र में असली शक्ति जनता के भरोसे से ही आती है। उन्होंने कहा कि लीला राम 24 घंटे दिन रात जनता के सच्चे सेवक बनकर निस्वार्थ भाव से हलके की जनता की सेवा कर रहे है। लीला राम के कुशल नेतृत्व में जहां भाजपा समूचे जिले में दिनोंदिन मजबूत व सशक्त हो रही है। वहीं लीला राम की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्त्ता घर-घर जाकर मोदी-नायब सरकार की लाभकारी नीतियों का जन-जन तक लाभ मुहैया करवा रहे है। अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक लीला राम जमीन से जुड़े सकारात्मक सोच के धनी है और लीला राम जैसा ईमानदार, मिलनसार, हर वर्ग की आवाज उठाने वाला राजनेता कैथल हलके से होना हमारा सौभागय है। जो सदैव जनता के दुख सुख में बराबर के भागीदार होते है। भाजपा नेता गौरव पाडला ने कहा कि पूर्व विधायक लीला राम ने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल में समूचे कैथल हलके में बिना भेदभाव के करोड़ों रुपए के विकास कार्य करवाकर इतिहास रचा है और उनके द्वारा करवाए गए विकास कार्यो का आज भी हलके की जनता को पूरा लाभ मिल रहा है। गौरव पाडला ने कहा कि पूर्व विधायक लीला राम आज भी हलके में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के माध्यम से हलके में विकास कार्य करवाने में अहम भूमिका निभा रहे है। लीला राम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह सत्ता में रहते हुए भी 24 घंटे जनता के बीच रहे और सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्रों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। इसका वह विशेष ध्यान रखते हैं। अकसर बिना किसी सरकारी तामझाम के वह लोगों के बीच पहुंचते हैं, उनकी बातें सुनते हैं और मौके पर ही समस्याओं का हल निकालते हैं।

संजीव जिंदल, गर्वित धवन व मोनिका बंसल 1 जुलाई से संभालेंगे पदभार

रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब के नवनिर्वाचित प्रधानों का कार्यकाल 1 जुलाई से प्रारम्भ

अर्थ प्रकाश/शंकर लाल

लाडवा, 29 जून। शहर की अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्थाओं रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब के नए प्रधान 1 जुलाई से अपना पदभार संभालेंगे। रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान अमित सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए रोटरी क्लब का प्रधान संजीव जिंदल, रोट्रैक्ट क्लब का प्रधान गर्वित धवन व इनरव्हील क्लब का प्रधान मोनिका बंसल को चुना गया है। उनके अनुसार ये तीनो प्रधान आगामी 1 जुलाई से अपना पदभार संभालेंगे। रोटरी के नवनियुक्त प्रधान संजीव जिंदल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ क्लब के सदस्यों ने उन्हें यह पद सौंपा है, उस पर वह हर प्रकार से खरा उतरने का प्रयास करेंगे और रोटरी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामाजिक कार्यों में वृद्धि लाएंगे। उनके अनुसार 1 जुलाई को रोटरी अन्नपूर्णा दिवस पर वृद्धाश्रम में भंडारा लगाकर सत्र प्रारम्भ किया जायेगा और 5 जुलाई को पदग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा। इस बैठक में आने वाले सभी प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट चैयरमेन नियुक्त किये गए। आगामी इनरव्हील प्रधान मोनिका बंसल ने अगले वर्ष इनरव्हील द्वारा किये जाने वाले कार्यो के बारे में बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए इनरव्हील क्लब भरपूर काम करेगी। रोट्रैक्ट के अगले प्रधान गर्वित धवन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि रोट्रैक्ट लाडवा का न केवल मंडल 3080 में बहुत ब?ा नाम है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोट्रैक्ट लाडवा की अपनी अलग पहचान है जिसे वो अपने कार्यो से और ऊंचाइयों तक ले जाने का काम करेंगे। बैठक में 2 लक्की ड्रा निकाले गए जिसमें मुनीश सिंघल व अमित सिंघल विजेता रहे। इस अवसर पर रोटरी प्रधान नरेश गर्ग, विकास सिंघल, दुर्गेश गोयल, सुनील गर्ग, डॉ अमृत गर्ग, रविकांत गिरधर, पवनीश गोयल, अरुण करू?वाल, डिम्पल गुम्बर, विशाल मित्तल, राजेश वर्मा, राजेश मिगलानी, गौरव गोयल, राजेश सरदाना, नरेश कंसल, अरुण सैनी, सुमीत गर्ग, अरविन्द जिंदल, राजीव गर्ग, अमित कंसल, विपीन मित्तल, बलजीत सिंह, जसविन्दर सिंह, विकल गर्ग, अरविन्द गोयल, राजन कंसल, विनोद गर्ग, प्रदीप बांगर सहित तीनो क्लबों के सदस्यों ने नवचयनित प्रधानों को बधाई दी।

गवाह को धमकाने का आरोपी गिरफ्तार

पानीपत (अप्रस)। थाना तहसील कैंप पुलिस ने हत्या के मामले में जमानत पर आने के बाद गवाह को गवाही न देने व जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार किया।आरोपी की पहचान देसराज कॉलोनी निवासी साधु उर्फ बाबा के रूप में हुई है। थाना तहसील कैंप प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव ने बताया कि थाना तहसील कैंप में देशराज कालोनी निवासी सुखबीर ने बीती 23 अप्रैल को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके तीन बेटे थे। दूसरे नंबर के बेटे दिनेश की पड़ोस में रहने वाले साधु पुत्र बाबा ने अपने कई साथियों के साथ मिलकर अक्टूबर 2022 में हत्या कर दी थी। हत्या की वारदात का थाना तहसील कैंप में अभियोग सख्या 595/22 दर्ज है। साधु उर्फ बाबा अब जेल से जमानत पर बाहर आया हुआ है। इस केस में वह मुख्य गवाह है। गवाही के लिए 7 मई की तारीख लगी हुई है। 22 अप्रैल को वह साधु के ताऊ रामफल के घर के बाहर अन्य व्यक्तियों के साथ बैठकर ताश खेल रहा था। साय करीब 4:30 बजे साधु वहां पर आया और शर्ट से चाकू निकालकर उसको धमकी दी की बेटे दिनेश के केस में गवाही दी तो जान से मार देगा।

दनौदा में दादा रामेश्वर धाम पर वैदिक हवन यज्ञ के साथ हुआ वार्षिक भंडारा

अर्थ प्रकाश/हितेश गर्ग

नरवाना, 29 जून। गांव दनौदा के पवित्र तीर्थस्थल दादा रामेश्वर धाम पर रविवार को वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हवन यज्ञ, देशी घी के चावल का प्रसाद और गांव की 36 बिरादरियों की सहभागिता ने एक धार्मिक-सामाजिक संगम का दृश्य प्रस्तुत किया। गांव के प्रत्येक घर तक पहुंचा प्रसाद, हर जाति, हर धर्म, हर परिवार ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया – यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, गांव की आत्मा की सामूहिक अभिव्यक्ति बनकर उभरा। भं डारे की शुरुआत दादा रामेश्वर धाम पर हवन यज्ञ के साथ हुई, जिसमें वैदिक मंत्रों की गूंज, आहुति की अग्नि, और गांववासियों की श्रद्धा ने वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

सर्वजातीय बिनैन खाप के प्रधान रघुबीर नैन ने बताया, ÷यह परंपरा वर्षों पुरानी है – हम यह भंडारा गांव में सुख-शांति और एकता के लिए लगाते हैं। विशेष बात यह है कि हर बिरादरी मिलकर सेवा करती है, और **प्रसाद हर घर तक पहुंचाया जाता है। यह सिर्फ आयोजन नहीं, दान, धर्म और दिलों की जुड़ने की रस्म है।

भंडारे का संपूर्ण भोजन इस वर्ष भी हलवाई नफे सिंह द्वारा तैयार किया गया, जिसमें देशी घी के चावल को प्रसाद रूप में वितरित किया गया। इस धार्मिक अवसर पर खाप प्रवक्ता संदीप नैन, महामंत्री बलजीत फौजी, खाप ऑडिटर मास्टर राजाराम, सुभाष फौजी, जयभगवान सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाया।

मन की बात' ने देश को सकारात्मक दिशा देने का काम किया है : नवीन जिन्दल

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 29 जून। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से देशवासियों का आत्म बल मजबूत हुआ है। शायद पूरी दुनिया में कोई ऐसा नेता होगा, जो अपने प्रत्येक देशवासी से इस प्रकार सीधा संवाद करता हो। आज सांसद नवीन जिन्दल, कुरुक्षेत्र की न्यू कॉलोनी के बूथ नंबर 78 पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात के 123वें संस्करण को सुन रहे थे।

सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जनभावनाओं का प्रतिबिंब बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी देश के कोने-कोने की प्रेरणादायक संघर्ष की गाथाओं को सामने लाकर अपने देशवासियों को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री ने डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पर्यावरण संरक्षण, युवा, नवाचार, ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उठाया, जिससे देश को नई दिशा और ऊर्जा मिलती है। सांसद नवीन जिन्दल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त विचारों को अपने जीवन में अपनाएं और देश को विकास की दिशा में ले जाने में योगदान दें। तभी 2047 तक विकसित भारत का स्वप्न साकार हो सकता है। इस अवसर पर श्याम जुनेजा शक्ति प्रमुख बूथ नंबर 78, न्यू कॉलोनी, कृष्ण लाल अरोड़ा बूथ अध्यक्ष, नरेंद्र जांगड़ा मंडल अध्यक्ष कुरुक्षेत्र, प्रवीण ढींगरा, अशोक शर्मा, प्रमोद अरोड़ा, दीपक अरोड़ा, विनोद अरोड़ा, राजीव सूरी, अशोक शर्मा, पवन ढींगरा, दीपक बठला, वेद तनेजा, सुरेश गाबा, संजीव सीकरी, विनोद गर्ग सदस्य कष्ट निवारण कमेटी और कार्यकर्ता एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे।

विजेंद्र धारीवाल का सरकार पर तीखा वार, पुरानी पेंशन बहाली की मांग दोहराई

यूनिफाइड पेंशन स्कीम नहीं, पेआऊट स्कीम है

- कैबिनेट में बिना चर्चा के लागू की गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम, कर्मचारी विरोध में
- बोले, यूपीएस का मकसद कर्मचारियों की बचत पर कब्जा कर शेयर बाजार में निवेश बढ़ाना है
- एनपीएस और यूपीएस नहीं, सिर्फ ओपीएस ही कर्मचारियों की मांग, संघर्ष समिति आंदोलन की चेतावनी पर अडिग

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 जून। हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में कैबिनेट मीटिंग में घोषित की गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने कड़ा ऐतराज जताया है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने इस योजना को पेआऊट स्कीम करार देते हुए कहा कि यह कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा से खिलवाड़ है और सरकार की मंशा एनपीएस में फंसे पैसे को शेयर बाजार में और झोंकने की है। धारीवाल ने कहा कि यह स्पष्ट है कि एनपीएस कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा में नाकाम रही है, और अब सरकार यूपीएस के नाम पर वही पुराना ढांचा थोपने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार संघर्ष समिति से वार्ता नहीं करती और पुरानी पेंशन योजना (यूपीएस) को बहाल नहीं करती, तो कर्मचारी आंदोलन के रास्ते पर जाएंगे। विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि सरकार बिना संघर्ष समिति से राय लिए कर्मचारियों पर यूपीएस थोप रही है, जबकि केंद्र सरकार की तरफ से भी जब यह विकल्प दिया गया था, तो 30 लाख केंद्रीय कर्मचारियों में से केवल 20 हजार ने ही इसे चुना, जिससे साफ होता है कि कर्मचारी यूपीएस को नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि सरकार यदि वास्तव में कर्मचारियों के हितैषी है, तो पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति के साथ चर्चा शुरू करे और ओपीएस लागू करे, वरना संघर्ष समिति आंदोलन के रास्ते पर जाने को बाध्य होगी।

यूपीएस के खिलाफ उठाए गए मुख्य बिंदु

विजेंद्र धालीवाल ने कहा कि यूपीएस में पूर्ण पेंशन गारंटी का अभाव है। यूपीएस में 50 फीसदी पेंशन केवल तब मिलती है जब सेवा 25 साल से अधिक हो, वो भी मार्केट आधारित कॉर्पस से जुड़ी शर्तों पर। अपने अंशदान की वापसी भी इसमें नहीं है। सेवा के दौरान कर्मचारी वेतन और डीए का 10 फीसदी अंशदान देता है, जो रिटायरमेंट या मृत्यु पर भी वापिस नहीं मिलता। सरकार की परिभाषित जिम्मेदारी भी नहीं। यूपीएस में सरकार किसी न्यूनतम पेंशन की गारंटी नहीं देती। बाजार आधारित जोखिम भी इसमें हैं। पेंशन पूरी तरह से शेयर बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है। जीपीएफ का न होना भी समस्या है। यूपीएस में जीपीएफ की सुविधा नहीं दी गई है। पेंशन पात्रता सीमित है। ओपीएस में 10 साल की सेवा के बाद पेंशन मिलती थी, यूपीएस में न्यूनतम 25 साल और अन्य जटिल शर्तें हैं। इसमें समायोजन का अभाव है। यूपीएस में स्वचालित डीए बढ़ोतरी लागू नहीं होती। इसमें एकमुश्त निकासी पर रोक है। रिटायरमेंट पर भी सीमित निकासी और वह भी अंतिम पेंशन को प्रभावित करती है। फैमिली पेंशन में कटौती है। यूपीएस में मृत्यु के बाद पत्नी/पति को कम पेंशन मिलती है। इस्तीफा देने पर पेंशन नहीं है। यूपीएस में इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों को कोई लाभ नहीं। जटिल प्रक्रिया है जिसमें कई एजेंसियों के माध्यम से काम और भारी कागजी कार्रवाई है।

भगवान शिव को समर्पित सोमवार व्रत : आस्था, श्रद्धा और सिद्धि का प्रतीक

हिंदू धर्म में सप्ताह के प्रत्येक दिन का संबंध किसी न किसी देवता से होता है।

ज्योतिष, अमन राजन

सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित है। इस दिन शिव भक्त व्रत रखते हैं, शिवलिंग का अभिषेक करते हैं और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप कर शिव कृपा की कामना करते हैं। मान्यता है कि सोमवार का व्रत अत्यंत फलदायी होता है और इससे मानसिक शांति, वैवाहिक सुख और आर्थिक समृद्धि प्राप्त होती है।

सोमवार व्रत का महत्व : भगवान शिव को 'देवों के देव - महादेव' कहा जाता है। वे संहारक हैं, लेकिन साथ ही सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देव भी हैं। जो भक्त सच्चे मन से सोमवार का व्रत करता है, शिवजी उसकी हर मनोकामना पूरी करते हैं। विशेष रूप से विवाह की इच्छा रखने वाले युवक-युवतियों के लिए यह व्रत अत्यंत शुभ माना जाता है।

मान्यता है कि देवी पार्वती ने भी भगवान शिव को पाने के लिए कठोर सोमवार व्रत रखे थे। उनकी तपस्या और श्रद्धा से प्रसन्न होकर ही भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। इसलिए यह व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं के लिए लाभकारी माना जाता है।

सोमवार व्रत के प्रकार : सामान्य सोमवार व्रत - यह एक दिन का उपवास होता है, जिसमें शिवजी की पूजा की जाती है।

सोलह सोमवार व्रत - यह व्रत सोलह लगातार सोमवार तक किया जाता है। इसे विशेष रूप से विवाह इच्छुक कन्याएं करती हैं।

श्रावण सोमवार व्रत - श्रावण मास में पड़ने वाले सोमवार को किया गया व्रत अत्यधिक पुण्यदायी होता है। इस महीने को शिवजी का प्रिय महीना माना जाता है।

सोमवार व्रत विधि (पूजा विधि) :

1. व्रत की तैयारी (प्रातः काल)

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थल को साफ करके वहां भगवान शिव, माता पार्वती और नंदी की मूर्ति/तस्वीर स्थापित करें।

व्रत का संकल्प लें : 'मैं आज सोमवार व्रत रखकर भगवान शिव की उपासना कर रहा/रही हूँ, कृपया मेरी मनोकामना पूर्ण करें।'

2. **पूजा सामग्री :** गंगाजल, कच्चा दूध, दही, शहद, घी, शुद्ध जल (अभिषेक हेतु)

बिल्वपत्र (त्रिपत्र), धतूरा, आक, सफेद फूल, चंदन

चावल, भस्म, अक्षत, धूप, दीप, फल, मिठाई

रक्षासूत्र (मौली), पंचामृत

3. **पूजा विधि :** सर्वप्रथम भगवान गणेश की पूजा करें।

फिर शिवलिंग का अभिषेक करें - गंगाजल, दूध, दही, शहद, घी और अंत में शुद्ध जल से स्नान कराएं।

शिवलिंग पर बिल्वपत्र चढ़ाएं, हर पत्ता तीन भागों में विभाजित होना चाहिए।

धूप, दीप, चंदन, पुष्प आदि अर्पित करें।

'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जाप करें।

शिव चालीसा या रुद्राष्टक का पाठ करें।

आरती करें और शिवजी से मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करें।

4. **व्रत नियम :** इस दिन नमक रहित भोजन करना उत्तम माना गया है।

यदि पूर्ण उपवास न कर पाएं तो एक समय फलाहार लें।

व्रत के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करें और झूठ, कटु वाणी से बचें।

सायंकाल पुनः शिव आरती करें।

सोमवार व्रत की कथा: एक समय की बात है, एक निर्धन ब्राह्मण दंपति था। उनके पास कोई संतान नहीं थी। उन्होंने भगवान शिव की आराधना करने का निश्चय किया और लगातार 16 सोमवार तक व्रत किया। अंत में शिवजी प्रकट हुए और उन्हें पुत्र रत्न का आशीर्वाद दिया। शीघ्र ही उनके घर एक तेजस्वी पुत्र का जन्म हुआ।

यह कथा यह सिखाती है कि अगर भक्त सच्चे मन और श्रद्धा से व्रत करता है तो भगवान शिव उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं।

सोमवार व्रत से लाभ :

मानसिक शांति - शिव की आराधना से तनाव और मानसिक व्याधियां दूर होती हैं।

विवाह में विलंब दूर - यह व्रत अविवाहित युवक-युवतियों को योग्य जीवनसाथी दिलवाता है।

दांपत्य सुख - दांपत्य जीवन में मधुरता आती है।

रोग मुक्ति - अभिषेक और व्रत से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

धन-समृद्धि - शिव कृपा से आर्थिक समस्याएं समाप्त होती हैं।

कर्मों का शुद्धिकरण - भगवान शिव पापों का नाश करते हैं और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

सोमवार व्रत में क्या करें और क्या न करें?

सूर्योदय से पहले उठें।

शिव मंदिर जाएं (यदि संभव हो)।

मंत्र जाप, रुद्राभिषेक, शिव चालीसा का पाठ करें।

ब्राह्मणों को भोजन कराएं।

न करें :

मांस, मदिरा का सेवन वर्जित है।

झूठ न बोलें, क्रोध न करें।

रात्रि में कांटेदार या भारी भोजन न करें।

शिवलिंग पर तुलसी दल अर्पित न करें।

विशेष मंत्र जाप :

मूल मंत्र - 'ॐ नमः शिवाय'

॥ श्रीरुद्राष्टकम् ॥

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं
विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम् ।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं
चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम् ॥ 1॥

निराकारमोंकारमूलं तुरीयं
गिरा ज्ञान गोतीतमीशं गिरीशम् ।
करालं महाकाल कालं कृपालं
गुणागार संसारपारं नतोऽहम् ॥ 2॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं
मनोभूत कोटिप्रभा श्री शरीरम् ।
स्फुरन्मौलि कल्लोलिनी चारु गङ्गा
लसद्भालबालेन्दु कण्ठे भुजङ्गा ॥ 3॥

चलत्कुण्डलं भ्रू सुनेत्रं विशालं
प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालम् ।
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं
प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि ॥ 4॥

प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं
अखण्डं अजं भानुकोटिप्रकाशम् ।
त्रयः शूल निर्मूलनं शूलपाणिं
भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यम् ॥ 5॥

कलातीत कल्याण कल्पान्तकारी
सदा सज्जनानन्ददाता पुरारी ।
चिदानन्द संदोह मोहापहारी
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारी ॥ 6॥

न यावत् उमानाथ पादारविन्दं
भजन्तीह लोके परे वा नराणाम् ।
न तावत् सुखं शान्ति सन्तापनाशं
प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासम् ॥ 7॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजां
नतोऽहं सदा सर्वदा शम्भु तुभ्यम् ।
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानं
प्रभो पाहि आपन्नमामीश शम्भो ॥ 8॥

रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये ।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः
प्रसीदति ॥

॥ इति श्रीगोस्वामितुलसीदासकृतं श्रीरुद्राष्टकं संपूर्णम् ॥

महामृत्युंजय मंत्र -

'ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगंधिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्॥'

सोमवार का व्रत न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह आत्मिक और मानसिक संतुलन का भी माध्यम है। जो व्यक्ति श्रद्धा से व्रत करता है, वह निश्चित रूप से शिव कृपा प्राप्त करता है। यह व्रत जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता लाने वाला है। विशेष रूप से श्रावण मास में किए गए सोमवार व्रत से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण करते हैं।

निपुण हरियाणा के तहत शिक्षकों का खंड स्तरीय पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

अर्थ प्रकाश/कपिल देव रोहिल्ला

कलायत, 29 जून। कलायत के राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में जेबीटी शिक्षकों के पांच दिवसीय खंड स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में नए सत्र के मद्देनजर नए ढंग सिखाए गए। इसमें शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के लिए नए ढंग, गतिविधियां, खेल-खेल में शिक्षा, नए सत्र में आई शिक्षण सामग्री के प्रयोग व शिक्षा को रुचिकर बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण गुर सिखाए गए। इसकी अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश नैन द्वारा की गई। इसमें नोडल अधिकारी की जिम्मेवारी गीता रानी के हाथ रही। प्रशिक्षण के तौर पर एबीआरसी मीनाक्षी, गीता रानी, एबीआरसी मंजीत, निशा, क्रीति, गोपाल सिंह, प्रदीप व वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। जबकि सहायक के रूप में सलीम निर्मल, मलकीत व अन्य ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश नैन बताया कि तय रूप रेखा अनुसार प्रशिक्षण शिविर में खंड के 140 शिक्षकों की प्रतिभागी रही। निपुण हरियाणा के तहत शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें विद्यार्थियों की बुनियादी शिक्षा को मजबूती देने पर बल रहा। इसमें हिंदी, अंग्रेजी व गणित विषय शामिल रहे। तीन बैच में यह कार्यक्रम चला। इसके पीछे सोच बच्चों को ऐसा माहौल देना है जिससे वे स्कूल को अपना घर-आंगन समझते हुए खेल-खेल में पढ़ाई करेंगे।

पाप से बचना ही सच्चा धर्म है, विवेक ही मार्गदर्शक : पूज्य अरुण मुनि जी महाराज

चातुर्मास व्यवस्था की भी हुई घोषणा 1500 जोड़े श्रावकों के साथ होगा प्रवेश

अर्थ प्रकाश/ सुभाष जैन

पानीपत, 29 जून। गांधी मंडी स्थित जैन स्थानक में विराजमान परम पूज्य संघशास्ता, शासन प्रभावक, गुरुदेव श्री सुदर्शनलाल जी महाराज के सुशिष्य, आगमज्ञाता, योगिराज, युवा प्रेरक पूज्य गुरुदेव श्री अरुणचन्द्र मुनि जी महाराज ने आज प्रवचन में कहा पाप से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मन, वचन और काया से किए गए पाप आत्मा को गिरावट की ओर ले जाते हैं। यदि व्यक्ति संयम, विवेक और धार्मिक आचरण को अपनाए तो पाप से सहज ही दूर रहा जा सकता है। विवेक में ही धर्म है।

यदि व्यक्ति में विवेक जाग्रत है, तो वह जीवन में सही मार्ग चुन सकता है। धर्म कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आंतरिक दृष्टिकोण है जो विचारों, कर्मों और आचरण को निर्मल करता है।

उन्होंने भगवान महावीर के वचनों को उद्धृत करते हुए कहा-

÷कुछ कर्म चिकने होते हैं जिन्हें भोगे बिना नहीं मिटाया जा सकता। किंतु कुछ कर्म ऐसे भी होते हैं जिन्हें हम अपने त्याग, तपस्या, दान और पुण्य से बिना भोगे नष्ट कर सकते हैं। विराजमान मुनिराज (ठाणा 4) पानीपत गांधी मंडी जैन स्थानक में विराजमान है।

पूज्य श्री अरुणचन्द्र मुनि जी महाराज, पूज्य श्री अभिषेक मुनि जी महाराज, पूज्य श्री अभिनंदन मुनि जी महाराज, पूज्य श्री अमृत मुनि जी महाराज, गुरुदेवो का मंगल प्रवेश 6 जुलाई को प्रातः 7:30 बजे गांधी मंडी जैन स्थानक से प्रारंभ होगा, जो जी.टी. रोड होते हुए अग्रवाल मंडी जैन स्थानक पानीपत तक पहुँचेगा।

इस वर्ष का चातुर्मास पानीपत के दो स्थानकों अग्रवाल मंडी जैन स्थानक एवं अंशल जैन स्थानक में आयोजित होगा।

ठाणा 3- कम्युनिटी सेंटर, मॉडल टाउन, रोहतक, पूज्य श्री मनीष मुनि जी महाराज, पूज्य श्री अतिमुक्त मुनि जी महाराज, पूज्य श्री अनुराग मुनि जी महाराज, चातुर्मास- रोहतक में होगा।

ठाणा 2- जैन स्थानक, वीर अपार्टमेंट, रोहिणी सेक्टर-13, दिल्ली, पूज्य श्री अमन मुनि जी महाराज, पूज्य श्री अरविंद मुनि जी महाराज, चातुर्मास - वीर अपार्टमेंट, रोहिणी सेक्टर 5 एवं 13 में होगा।

साध्वी श्री चंदनबाला जी विराजमान -जैन स्थानक, सहारनपुर इस भव्य साधु-साध्वी साधना वर्ष में समस्त श्रद्धालुओं से निवेदन है कि समय निकालकर प्रभु भक्ति, साधु-सेवा एवं धर्म आराधना में सहभागी बनें।

पंचांग

सोमवार, जून 30, 2025

सूर्योदय 05:23 ए एम सूर्यास्त 07:30 पी एम चन्द्रोदय 10:11 ए एम चन्द्रास्त11:10 पी एम शक सम्वत 1947 विश्वावसु विक्रम सम्वत 2082 कालयुक्त गुजराती सम्वत 2081 नल अमान्त महीना आषाढ़ पूर्णिमान्त महीना आषाढ़ वार सोमवार पक्ष शुक्ल पक्ष तिथि पञ्चमी - 09:23 ए एम तक नक्षत्र मघा - 07:20 ए एम तक योग सिद्धि - 05:21 पी एम तक करण बालव - 09:23 ए एम तक द्वितीय करण कौलव - 09:46 पी एम तक प्रविष्टे/गते 16 सूर्य राशि मिथुन चन्द्र राशि सिंह राहुकाल 07:09 ए एम से 08:55 ए एम गुलिक काल 02:12 पी एम से 03:58 पी एम यमगण्ड 10:41 ए एम से 12:27 पी एम अभिजित मुहूर्त 11:58 ए एम से 12:55 पी एम दुर्मुहूर्त 12:55 पी एम से 01:51 पी एम दुर्मुहूर्त 03:44 पी एम से 04:41 पी एम अमृत काल 02:05 ए एम, जुलाई 01 से 03:47 ए एम, जुलाई 01 वर्ज्य 03:52 पी एम से 05:34 पी एम

भविष्य फल

मेष: आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से कामों को निपटाने के लिए रहेगा। आपको अपने खर्चों को लेकर भी योजना बनाकर चलना होगा।

वृष: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आपकी इनकम बढ़ने से आपको खुशी होगी। यदि आप किसी समस्या को लेकर परेशान चल रहे थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर हो सकती है।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से आप परेशान रहेंगे। आप किसी बात को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें।

कर्क: आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह: आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की पद और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई धोखा मिलने की संभावना है।

तुला: आज का दिन आपके लिए सेहत पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। जीवनसाथी से संबंधों में यदि कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने मित्रों का पूरा साथ मिलेगा। आप किसी काम को दूसरे के भरोसे ना छोड़ें।

धनु: आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी नये पद की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

मकर: आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी सरकारी योजना में धन लगा सकते हैं।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए सूझबूझ दिखाकर कामों को करने के लिए रहेगा। यदि किसी काम को पूरा करने में आपको समस्या आ रही थी, तो आप अपने भाई-बहनों से मदद ले सकते हैं।

मीन: आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। करियर में आपको अच्छी ऊंचाइयां मिलेंगी और आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी।

'मैं' 'मेरी' की भावना छोड़ देते हैं वे सुखी रहते हैं

संत संसार में रहते हुए निर्लेप जीवन जीते हैं। जैसे मुर्गाबी जल मे रहती है, लेकिन अपने पंखों को गीला नहीं होने देती। इसी प्रकार महापुरुष भी अपने जीवन की तार सदैव इस निरंकार दातार से जोड़े रखते हैं। संसार की किसी चीज को, यहां तक कि अपने शरीर तक को भी अपना नहीं मानते, इसलिए यहा के सुख दुख का उन पर असर नहीं पड़ता है। वे 'मैं' 'मेरी' की भावना छोड़ कर सदा सुखी रहते हैं। जैसे एक बैंक का कैशियर होता है, लाखों के नोट संभालता है लेकिन चाहे कोई हजारों रुपये ले जाए या हजारों जमा कर जाए, उसे सुख-दुख का अनुभव नहीं होता। इसी तरह संत महापुरुष भी संसार में रहकर अहंकार और मोह को छोड़ कर एक निर्लेप जीवन जिया करते हैं।

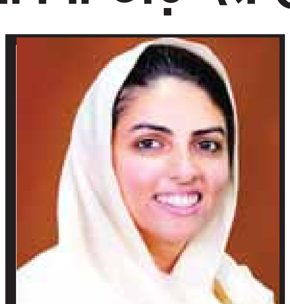

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

संसार में जन्म लेकर भक्त भी यहीं विचरण करता है, इसी संसार में विचरण करता है। अगर हवा चलती है तो उसे भी ठंडक देती है। अगरसूरज चढ़ता है, उसकी गर्मी, तपश का उसके लिए भी यही असर है, जो और इन्सानों के लिए हुआ करता है। उसमें कोई अंतर नहीं। उसके लिए भी यही सृष्टि है, यही माया है, यही पदार्थ हैं और यही मौसम है। यह नहीं कि मौसम भक्तों के लिए कुछ और है, अन्य लोगों के लिए कुछ और है। सभी कुछ एक जैसा बनाया गया है, लेकिन जो फर्क है, एक महापुरुष और एक साधारण आदमी में, वह यह है कि संत संसार में रहता हुआ भी अपने मन में संसार का असर नहीं ग्रहण करता है। जैसे पानी के ऊपर नाव चलती है तो आगे बढ़ती है; लेकिन जब पानी नाव में आ जाता है, तब मुश्किल खड़ी हो ाती है। इस संसार में विचरण करते हुए सन्तों के जीवन में कोई उतार-चढ़ाव आदि, यदि आया है तो उनपके ऊपर असर इसलिए नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने माया के पानी को मन की नाव में कभी नहीं भरने दिया, हालांकि वह पानी में ही चलते रहे हैं। इसलिए उनके ऊपर कोई असर नहीं हुआ।

वरना इस प्राच तत्वों के पुतले पर माया का असर होना स्वाभाविक ही होता है। अगर तन पर वस्त्र नहीं है तो ठंडक या गर्मी उसके भी लगेगी ही। सब अपना असर करते ही हैं। लेकिन जैसे अभी कहा कि अगर पानी के ऊपर ही नाव चलती रहती है तो वह डूबती नहीं। आगे की ओर ही बढ़ती रहती है। नाव में पानी अगर प्रवेश कर जाता है, तो वह डूब जाती है। संसार में यही कुछ हो रहा है।

संसार में प्राणी रहते हैं, विचरण करते हैं। इस धरती पर आये हैं तो रहना ही है, लेकिन एक ही मुश्किल आकर खड़ी होती है। जब मन में भी यह संसार ही बस जाता है, ये पदार्थ ही बस जाते हैं, ये धन-दौलतें ही बस जाती है, लालसाएं, कामनाएं ही बस जाती है, तब जानो कि जीवन-नैया डगमगा रही है, डोल रही है।

संत सदैव अपना ध्यान निरंकार दातार पर रखते हैं, संसार पर नहीं। संसार में, माया में रहते हैं, व्यवहार भी करते हैं, लेकिन दिल से प्यार परमात्मा से ही करते हैं। जैसे मां दिन भर काम करती है, रसाई में काम करती है, बाजार जाती है या कुछ और कार्य कर रही होती है, लेकिन उसका ध्यान अपने बच्चे की ओर ही निरंतर लगा रहता है। इसी प्रकार भक्त भी प्रभु को आठों पहन हृदय में बसा कर रखते हैं।

इस प्रभु को सदैव दिल में बसा कर ही, अपने कर्तव्यों का पालन भी करते हें। तभी उन्हें हम कर्मयोगी संत कहते हैं। ये कर्म क्षेत्र से भाग नहीं जाते। अक्सर संसार को भ्रम लग जाता है कि प्रभु को भी तभी याद कर सकते हैं, प्रभु की भक्ति हम तभी कर सकते हैं, जब हम इन सभी बन्धनों से छुटकारा पा सकें। सभी बन्धनों का कारण मन में 'मैंमेरी' की भावना है, कर्म नहीं। महापुरुषों ने हमेशा कर्म को महान माना है। अर्जुन जब कर्म से मख मोड़ना चाहता था, भगवान श्रीकृष्ण ने उसे यही ज्ञान प्रदान किया और उसे कर्मयोग को अपनाने की प्रेरणा दी।

कलायत में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप चौक जीर्णोद्धार उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम

अर्थ प्रकाश/कपिल देव रोहिल्ला

कलायत, 29 जून। प्राचीन कपिल मुनि धाम मार्ग पर स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप चौक जीर्णोद्धार उपलक्ष्य में रविवार को विभिन्न कार्यक्रम हुए। इसकी शुरूआत हवन से हुई। धार्मिक परंपराओं का निर्वहन श्री कपिल मुनि ज्योति एवं रत्न केंद्र प्रमुख विशाल शांडिल्य ने की। आयोजन में धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक और 36 बिरादरी के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने महान योद्धा को नमन-वंदन करते हुए उनके द्वारा देश प्रेम की भावना को लेकर दिया गया संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही हर किसी ने युवाओं द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए चौक जीर्णोद्धार कार्य की प्रशंसा की। इस दौरान शोभा यात्रा निकाली गई और भंडारे का आयोजन हुआ। बड़े-बुजुर्गों ने कहा कि वीरों के संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को समर्पित इस प्रकार स्थलों को मजबूती से विकसित रखना जरूरी है।

जिस प्रकार युवाओं ने अपने स्तर पर अभियान चलाकर इसके संरक्षण के लिए संसाधन जुटाए वह दूसरों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। इससे प्रतिमा की भव्यता को नया लुक मिला और सौंदर्यकरण बढ़ा है। कलायत को विश्व पटल पर देवभूमि का दर्जा हासिल है। इस धरा पर महापुरुषों को सम्मान देने की परंपरा चली आ रही है। इसके चलते समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का सिलसिला चलता रहता है। यह आपसी सौहार्द एवं भाईचारे की भावना को बढ़ाने का सशक्त जरिया है।

जीवन में उतार चढ़ाव का अनुभव करता है संघर्ष : मनीषी संत मुनिश्री विनय कुमार जी आलोक

संघर्ष ये अक्षर दिखने में छोटा सा है , परन्तु यह जीवन का हिस्सा है या समझ लीजिये की संघर्ष का नाम ही जीवन है , मनुष्य या फिर पशु पक्षी हर किसी का जीवन एक संघर्ष है। संघर्ष जीवन का वह मूलमंत्र है जिसका अनुभव हर कोई व्यक्ति करता है और संसार में बहुत ही कम व्यक्ति होंगे जो इसका अनुभव पाने से वंचित रहे हो , समाज में हर कोई नाम, शोहरत, पैसा , इज्जत कमाना या फिर पढ़ाई में अव्वल होना चाहे जो भी लक्ष्य हो वह बिना संघर्ष के अधूरा है! संघर्ष जीवन में उतार - चढ़ाव का अनुभव करता है , अच्छे -बुरे का ज्ञान करवाता है, सक्रिय रहना सिखाता है समय की कीमत सिखाता है, जिससे प्रेरित होकर हम सशक्तिकरण के साथ फिर लक्ष्य के प्रति समर्पित होते है और जीवन जीना सीखते है ! ये शब्द मनीषीसंतमुनिश्रीविनयकुमारजीआलोक ने सैक्टर 24सी अणुव्रत भवन में रविवारीय सभा को संबोधित करते हुए कहे।

मनीषीश्रीसंत ने आगे कहा अगर हम सरल शब्दों में संघर्ष को परिभाषित करे तो हम सब संघर्ष से घिरे हुए और जो सफलता या सीख मिलती है वो संघर्ष की ही देन है। संघर्ष जीवन को निखारता, संवारता व तराशता हैं और गढ?र ऐसा बना देता हैं, जिसकी प्रशंसा करते जबान थकती नहीं। संघर्ष हमें जीवन का अनुभव कराता हैं, सतत सक्रिय बनाता हैं और हमें जीना सिखाता हैं। संघर्ष का दामन थामकर न केवल हम आगे बढ़ते हैं, बल्कि जीवन जीने के सही अंदाज़ को आनंद को अनुभव कर पाते हैं। दुनिया में हर व्यक्ति सफलता को पाना चाहता और सफलता की उम्मीद करता है और सफलता पाने के लिए वह व्यक्ति अथक प्रयास करता रहता है और कुछ व्यक्ति सफलता को आसानी से प्राप्त कर लेते है और कुछ सफलता के पीछे भागते रह जाते है लेकिन उन्हें समय पर सफलता नहीं प्राप्त होती है, जो व्यक्ति सफलता को आसानी से प्राप्त कर लेते है संघर्ष वो भी करते है पर उन्हें थोड़े संघर्ष में ही सफलता मिल जाती है क्योंकि वह व्यक्ति उस सफलता की तलाश में था जो उसे आसानी से मिल जाये या फिर उसकी किस्मत उससे संघर्ष करवाना ही न चाहती हो, परन्तु कुछ व्यक्ति ऐसी सफलता की राह में निकल जाते है जिसकी डगर बहुत कठिन होती है और वे पूरा संघर्ष करने के बाद भी असफल हो जाते है या फिर सफलता के पास पहुंचने से पहले हार मान जाते है , जो हार मान कर पीछे हट जाते है उनके लिए वह संघर्ष बेकार रहता है क्योकि वह उस संघर्ष से कुछ नहीं सीखते और खुद में इतना टूट जाते है की गलत कदम उठा लेते है , और जो सफलता तक पहुंचने तक हार नहीं मानते जीवन का असली मूलमंत्र सीख जाते है, क्योकि जो संघर्ष वह सफलता पाने के लिए कर रहे है वह उन्हें बहुत कुछ सीखा जाता , सबसे अहम तो वह ठोकर खाकर सम्भलना और गिरकर उठना सीखा देता है , सबसे बड़ी खाशियत यही तो है संघर्ष की, कि इंसान को जीवन जीने का तरीका सीखा देती है ! मनीषीसंत ने अंत मे फरमाया जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है ! एक बात हमेशा याद रखिए, अपनी मंजिल का आधा रास्ता तय करने बाद पीछे ना देखे बल्कि पुरे जूनून और विश्वाश के साथ बाकि की आधी दूरी तय करे , बीच रास्ते से लौटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लौटने पर आपको उतनी ही दुरी तय करनी पड़ेगी जितनी दुरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुंच सकते हो ! आप सब सोचते होंगे पढ़ना लिखना और कहना आसान है लेकिन करना बहुत मुश्किल है ! ये बात हम सब जानते है सरलता और सहजता से किसी को हाशिल नहीं हुआ है!

अमृतसर सेंट्रल जेल में छापा: 11 मोबाइल–5 सिम मिले, 2 जेल अफसर सस्पेंड

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर, 29 जून। पंजाब में जेलों की व्यवस्था सुधारने को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान की सख्ती अब जमीन पर दिखने लगी है। हाल ही में जेल विभाग के 26 अधिकारियों के निलंबन के बाद अब अमृतसर की फताहपुर सेंट्रल जेल में बड़ी कार्रवाई की गई है।

छापेमारी के दौरान जेल परिसर से 11 मोबाइल फोन, 5 सिम कार्ड और अन्य प्रतिबंधित सामान बरामद हुआ है।

यह कार्रवाई प्रिजन एक्ट की धारा 42 और 52-ए के तहत की गई। मामले में जेल सुपरिंटेंडेंट प्रभदयाल सिंह की रिपोर्ट पर थाना मजीठा रोड में एफआईआर नंबर 192 दर्ज की गई है, जिसकी तारीख 28 जून 2025 है।

इन कैदियों पर कार्रवाईः जगरूप सिंह- निवासी कलैर, थाना कंबो (वर्तमान पता दशमेश नगर, अमृतसर), सुखचैन सिंह -निवासी खपेड़ खुड़ी, थाना घनिया, अमृतसर, पलविंदर सिंह - निवासी घिरियाली, तहसील पट्टी, तरनतारन, जसबंत सिंह - निवासी चट्टीविंड लहल, थाना मत्तेवाला, अमृतसर, प्रदीप सिंह - निवासी प्रकाश विहार, 88 फुट रोड, अमृतसर, सुरिंदरपाल सिंह - निवासी भगवां, थाना जंडियाला, अमृतसर, विरेंद्र सिंह - निवासी ढोल कलां, थाना कंबो, अमृतसर, कुलजीत सिंह - निवासी कृपाल कॉलोनी, तुंग बाला, थाना सदर, अमृतसर, आकर्षदीप सिंह - निवासी माहेकर पट्टी कॉलोनी, थाना कोट खालसा, अमृतसर, अमृतसर जेल के दो अधिकारियों पर भी कार्रवाई। पंजाब के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने बीते दिन ही जानकारी देते हुए बताया था कि इन 26 अधिकारियों और कर्मचारियों को ड्यूटी में लापरवाही के चलते पंजाब सिविल सेवा (सजा और अपील) नियमावली, 1970 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इनमें अमृतसर जेल में तैनात दो अधिकारी बिक्रमजीत सिंह और विजय पाल सिंह भी शामिल हैं।

मंत्री ने बताया कि निलंबित किए गए अधिकारियों और कर्मचारियों में इकबाल सिंह बराड़ (सुपरिटेंडेंट, जिला जेल मानसा), मनिंदर पाल चीमा (डिप्टी सुपरिटेंडेंट, सेंट्रल जेल लुधियाना), अनिल भंडारी (डिप्टी सुपरिटेंडेंट, बोरस्टल जेल लुधियाना), संदीप बराड़ (डिप्टी सुपरिटेंडेंट, सेंट्रल जेल लुधियाना), बिक्रमजीत सिंह और विजय पाल सिंह (अमृतसर), यादविंदर सिंह (ए.एस.जे., सेंट्रल जेल फिरोजपुर), इस के अलावा वार्डर हरभुपिंदर सिंह और सिकंदर सिंह (गोइंदवाल साहिब), जतिंदर सिंह, रवि, दीपक राय, किरणजीत सिंह, पृथीपाल सिंह और सतनाम सिंह (कपूरथला), सतनाम सिंह और मनदीप सिंह (होशियारपुर), मनिंदर पाल सिंह (लुधियाना), अनु मलिक, रणधीर सिंह, अरविंद देव सिंह, बलवीर सिंह और सुखप्रीत सिंह (मानसा), सतनाम सिंह (नाभा), गगनदीप सिंह (बठिंडा) और अनमोल वर्मा (पठानकोट) शामिल हैं।

मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद दिखी सख्तीः बता दें कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जेल विभाग में लापरवाही बरतने पर 26 अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि ÷जेल को मोबाइल और नशे का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा।÷ उसी दिशा में यह छापेमारी की गई, जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार अब जेल सुधारों को लेकर कड़े कदम उठाने के मूड में है।

आम आदिमी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता, बोले-

हरियाणा में असली विपक्ष हम

उपचुनाव में जीत से कार्यकर्ताओं में जोश, कहा– जनता अब सब समझ चुकी है

अर्थ प्रकाश/ सुकरमपाल

रोहतक। रोहतक में आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने भाजपा और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ये दोनों पार्टियां आपस में मिली हुई हैं, लेकिन अब जनता सब कुछ समझ चुकी है। हरियाणा में विपक्ष की असली भूमिका केवल आम आदमी पार्टी निभा रही है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में पंजाब और गुजरात की पांच सीटों पर हुए उपचुनावों में आप ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है। गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर पिछली बार से दोगुने मार्जन से जीत हासिल कर पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि जो लोग कहते थे कि आम आदमी पार्टी खत्म हो गई है, उन्हें यह जीत करारा जवाब है।

प्रदेश में बिजली-पानी की व्यवस्था खराबः सुशील गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में बिजली व पानी की व्यवस्था ठप है। प्रदेश में प्रतिदिन चोरी, रेप जैसी गंभीर घटना आम बात हो गई है। हरियाणा बेरोजगारी में नंबर एक पर है। पहले तो भर्ती निकलती ही नहीं, यदि निकलती है तो पेपर लीक हो जाते हैं। मामला कोर्ट में जाता है, जिसके कारण भर्तियों को बाद में रद्द कर दिया जाता है। प्रदेश का युवा बेरोजगारी के साथ-साथ नौकरी के लिए आयु सीमा में भी अयोग्य हो जाता है।

जीत के बाद कार्यकर्ताओं में जोश

डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि पंजाब व गुजरात के 5 सीटों पर हुए उपचुनाव में से 2 सीटें आम आदमी पार्टी ने जीती, जिसके कारण हरियाणा के कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी कार्यकर्ता फिर से संगठित होकर हरियाणा प्रदेश के संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी मेहनत से कार्य करेंगे।

पंजाब में नशे के खिलाफ 'आप' का युद्ध, धालीवाल बोले- तस्करों पर होगी कार्रवाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर (अप्रस)। पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने रविवार को अमृतसर में मीडिया से बातचीत के दौरान नशे के खिलाफ राज्य सरकार की नीति को दोहराया। उन्होंने कहा कि जो भी नशा बेचता हुआ पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंजाब में नशा एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट है, जिसने युवाओं के भविष्य को अंधकारमय कर दिया है। धालीवाल ने कहा कि अकाली दल और भाजपा सरकार के दौरान पंजाब को सबसे ज़्यादा नुकसान नशे ने पहुंचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय विक्रम मजीठिया कैबिनेट मंत्री थे और उनके कार्यकाल में नशे का कारोबार चरम पर पहुंचा। हमारा आधा से ज्यादा पंजाब खाली हो चुका है, युवा विदेश चले गए, माता-पिता ने अपनी जमीनें गिरवी रख दीं ताकि उनके बच्चे इस जहर से बच सकें। ईडी प्रमुख निरंजन सिंह और पूर्व डीजीपी चट्टोपाध्याय के बयानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों ने विक्रम मजीठिया को पूरी तरह से दोषी ठहराया है। कोर्ट ने मजीठिया को सात दिन की रिमांड दी थी, इसका मतलब है कि जांच में दम था, कोई झूठ नहीं था।

धालीवाल ने आम आदमी पार्टी से कुंवर विजय प्रताप सिंह के पांच साल के निष्कासन पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसी को भी अपनी बात रखने का हक है। लेकिन, पार्टी के भीतर अनुशासन और गाइडलाइन होती हैं। हमें पार्टी की नीतियों पर चलना होता है, न कि पार्टी को हमारी नीतियों पर। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पार्टी हाईकमान, अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, अमन अरोड़ा, मनीष सिसोदिया की सहमति से लिया गया है।

संजीव मिश्रा साहा को कष्ट निवारण समिति सदस्य बनाए जाने पर सरपंच विकास शर्मा ने दी बधाई

अम्बाला /साहा (अप्रस/रवि पाहुजा)। खंड साहा क्षेत्र में सभी मौजीज व्यक्तियों एवम् सरपंचों ने मिलकर संजीव मिश्रा साहा को कष्ट निवारण समिति का सदस्य बनाए जाने पर शुभकामनाएं दी और नायब सरकार का तह दिल से धन्यवाद किया। बातचीत में गोकलगढ़ के सरपंच विकास शर्मा व अन्य सभी सरपंचों ने बताया कि हम सभी संजीव मिश्रा साहा को कष्ट निवारण समिति का सदस्य बनाने पर धन्यवाद करते हैं। क्योंकि इससे सरपंच अपने गांव की समस्याओं को कष्ट निवारण समिति सदस्य द्वारा सरकार के समक्ष पहुंचा सकते हैं। उन्होंने बताया कि संजीव मिश्रा हमारे बीच के लोकल व्यक्ति व बहुत बुद्धिजीवी और समाजिक व्यक्ति हैं । प्रत्येक व्यक्ति के सुख दुख में काम आने वाले हैं । और काफी समय से पार्टी के लिए मेहनत भी कर रहे हैं। ओर पार्टी के भिन्न भिन्न पदों पर रहने पर इन्होंने पार्टी को मजबूत करने का काम किया है। हम सभी सरपंचों को उम्मीद है । की संजीव मिश्रा के कष्ट निवारण समिति सदस्य बनने के बाद सभी सरपंचों की समस्याओं का समाधान होगा। ओर सरपंचों और सरकार के बीच का ताल मेल अच्छा होगा ।

पंजाब में सिक्स मारते ही बैट्समैन की मौत

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में क्रिकेट खेलते वक्त एक युवक को हार्ट अटैक आ गया। सिक्स मारकर फिफ्टी पूरी करने के बाद वह अपने साथी से हाथ मिलाने जा रहा था, लेकिन हार्ट अटैक आने पर वह पिच पर ही मुंह के बल गिर पड़ा। उसके साथी ने उसे संभालने की कोशिश की, लेकिन वह बेसुध हो गया। तुरंत बाकी खिलाड़ी मौके पर पहुंचे और उसे सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उसे होश नहीं आया। इसके बाद तुरंत युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। युवक की पहचान हरजीत सिंह के रूप में हुई है। हरजीत शादीशुदा था और उसका एक बेटा भी है।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)